शब्दबाणों का प्रहार
नागपुर, गुरुवार 13 मार्च 2025 | www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष :2 | अंक : 137 | मूल्य:₹ 5
राष्ट्रबाण
मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय दैनिक
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

होली से पहले बडी खुशखबरी
7 महीने के निचले स्तर पर पहुंची रिटेल महंगाई दर

नई दिल्ली. होली से पहले ही देश को एक बड़ी खुशखबरी मिल गई है. फरवरी 2024 में भारत की रिटेल महंगाई दर 7 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है. कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) के आधार पर यह दर फरवरी में 3.61 फीसदी रही, जो जनवरी के मुकाबले 0.65 फीसदी कम है. यह आंकड़ा जुलाई 2024 के बाद सबसे कम है और इसकी मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट है. फरवरी में खाद्य महंगाई दर मई 2023 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है. यह जनवरी के मुकाबले 222 बेसिस पॉइंट्स कम है. सब्जियों, अंडे, मांस-मछली, दालों और दूध व दूध उत्पादों की कीमतों में गिरावट ने इस गिरावट में अहम भूमिका निभाई है.

ईंधन की कीमतों में भी राहत

फरवरी में ईंधन की कीमतों में भी गिरावट देखी गई, जिससे घरेलू बजट पर दबाव कम हुआ. ईंधन की महंगाई दर -1.33 फीसदी रही, यानी कीमतों में कमी आई.

RBI के लिए अच्छी खबर

रिटेल महंगाई दर में लगातार गिरावट और 4 फीसदी के RBI के लक्ष्य से नीचे रहने से केंद्रीय बैंक को अब आर्थिक विकास को गति देने और रोजगार बढ़ाने के लिए ब्याज दरों में कटौती करने की ज्यादा गुंजाइश मिल गई है. RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पिछले महीने मौद्रिक नीति की समीक्षा में पॉलिसी रेट में 25 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की घोषणा की थी. अब रेपो रेट 6.25 फीसदी है. उन्होंने कहा कि महंगाई दर में गिरावट जारी है और यह आगे और कम होकर RBI के 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब पहुंचेगी.

मौद्रिक नीति का संतुलन

RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक विकास को गति देने के बीच एक संतुलन बनाए रखने का फैसला किया है. MPC ने अपनी नीति में 'न्यूट्रल स्टांस' जारी रखने का फैसला किया है, जो महंगाई पर नजर रखते हुए विकास को सपोर्ट करेगा. RBI गवर्नर ने कहा कि यह नीति मैक्रोइकॉनॉमिक परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया देने के लिए लचीलापन प्रदान करेगी. इसका मतलब है कि अगर महंगाई दर और नीचे आती है, तो RBI और दर कटौती कर सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा. महंगाई दर में गिरावट से न केवल आम लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि इससे निवेश और उपभोक्ता खर्च में भी बढ़ोतरी हो सकती है. यह अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है.

बजाया भोंपू...भेजो जेल

लाउडस्पीकर के नियम तोड़ने पर जेल!
महाराष्ट्र में कानून बदलने की तैयारी में

रात 10 से सुबह 6 तक न लाउडस्पीकर

फडणवीस विधायक देवयानी फरादे के उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे. मुख्यमंत्री ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने से पहले अनुमति लेना ज़रूरी है. उन्होंने कहा कि रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर बंद रखने होंगे.

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर को लेकर बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि अगर वे नियमों का उल्लंघन करते हैं और निर्धारित डेसीबल सीमा से अधिक शोर करते हैं तो धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की अनुमति रद्द कर दी जाएगी. यानी अगर लाउड-स्पीकर ज्यादा आवाज करते हैं तो उनकी परमिशन खत्म हो जाएगी. सीएम फडणवीस ने कहा कि स्थानीय पुलिस इंस्पेक्टर (PI) यह जांच करेंगे कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति है या नहीं. PI नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी करेंगे. सीएम ने महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर को लेकर कानून बदलने के भी संकेत दिए. सीएम फडणवीस ने यह भी कहा कि अब से लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति केवल अस्थायी रूप से दी जाएगी, किसी खास काम के लिए, न कि स्थायी रूप से. उन्होंने पुलिस को भी इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं.

खास मौकों पर ही लाउडस्पीकर यूज करने की अनुमति

मुख्यमंत्री देवेंद्र ने आगे कहा कि अब से किसी को भी सामान्य तौर पर लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि उन्हें एक निश्चित समय के लिए ही इस्तेमाल करना होगा. उसके बाद, अगर संबंधित व्यक्ति फिर से लाउडस्पीकर का उपयोग करना चाहता है, तो उसे फिर से पुलिस से अनुमति लेनी होगी. जहां भी ध्वनि सीमा का उल्लंघन होगा, वहा दोबारा अनुमति नहीं दी जाएगी. साथ ही, लाउडस्पीकर जब्त कर लिए जाएंगे. संबंधित पुलिस थानों के पुलिस निरीक्षक की यह ज़िम्मेदारी होगी कि वे देखें कि नियमों का सख्ती से पालन हो रहा है या नहीं.

सीएम ने माना कि अभी नहीं हो रहा पालन

सीएम ने कहा कि दिन में 55 डेसिबल और रात में 6 बजे से 10 बजे तक 44 डेसिबल की आवाज़ की सीमा होनी चाहिए. अगर लाउडस्पीकर ज़्यादा डेसिबल पर चलाए जाते हैं, तो महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को केंद्रीय कानून द्वारा उनके खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है. अभी कानून में यह प्रावधान है कि पुलिस को इस पर ध्यान देना चाहिए और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सूचित करना चाहिए. हालांकि ऐसा लगता है कि वर्तमान में इसका पालन नहीं हो रहा है.

पुलिसवालों पर जिम्मा

फडणवीस ने कहा कि एक पुलिस निरीक्षक को हर धार्मिक स्थल पर जाना चाहिए और जांच करनी चाहिए कि लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति ली गई है या नहीं. अगर लाउडस्पीकर का डेसिबल स्तर ध्वनि सीमा से अधिक है, तो पहला कदम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सूचित करना होना चाहिए और दूसरा कदम दोबारा अनुमति नहीं देना होना चाहिए. गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने कहा कि पुलिस निरीक्षकों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर दिशा-निर्देशों को लागू करने का काम सौंपा गया है. उन्होंने कहा कि मौजूदा कानून के मुताबिक पुलिस के पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जितने पर्याप्त अधिकार नहीं हैं. सरकार मौजूदा नियमों में बदलाव लाने पर विचार कर रही है, जिसके बाद लाउडस्पीकर के अवैध इस्तेमाल के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी.

राज्य के नेता संयम बरतें
विपक्ष और सत्ताधारी नेताओं को लेकर अजित पवार ने दिया बड़ा बयान

पुणे. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने कैबिनेट सहयोगी नितेश राणे की ओर से मुसलमानों के संबंध में दिए गए बयान को भ्रामक करार दिया और राज्य के नेताओं को संयम बरतने की सलाह दी. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता नितेश राणे ने हाल में बयान दिया था कि मुसलमान छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना का हिस्सा नहीं थे. जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार से राणे की इस टिप्पणी के संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि नेताओं को यह ध्यान में रखना चाहिए कि उनकी ओर से सार्वजनिक रूप से दिए गए बयानों से सांप्रदायिक तनाव पैदा न हो.

अजित पवार ने कराड में कांग्रेस के दिवंगत नेता और राज्य के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण की जयंती पर उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि राजनीति में पक्ष या विपक्ष के कुछ नेता कभी-कभी ऐसे बयान दे देते हैं जो महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए हानिकारक होते हैं. अतीत में राज्य के नेताओं ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है और यह सुनिश्चित किया है कि विभिन्न समुदाय साथ मिलकर शांतिपूर्वक रह सकें.पवार ने कहा कि एक संप्रभु राज्य की स्थापना करते समय शिवाजी महाराज ने कभी भी जाति या पंथ के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया.

फास्ट ट्रॅक

MP में कोई नया टैक्स नहीं

भोपाल. मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार का दूसरा बजट विधानसभा में उप मुख्यमंत्री वित्त जगदीश देवड़ा ने पेश किया .अपने भाषण की शुरुआत उन्होंने संस्कृत के श्लोक से की और कहा कि सरकार का लक्ष्य विकसित मध्य प्रदेश बनाना है .यह बजट 4.20 लाख करोड़ रुपये का है. राज्य में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है.

MP में बजट भाषण के बीच अचानक विस पहुंचे शिवराज

भोपाल. मध्य प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने आज मध्य प्रदेश विधानसभा में बजट पेश किया. मंत्री जगदीश देवड़ा जब बजट पेश कर रहे थे उसे समय अचानक राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा में दस्तक दे दी. इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बजट का संबोधन रुकवा कर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्वागत किया. इसके बाद फिर बजट भाषण शुरू हुआ. मध्य प्रदेश में डेढ़ दशक से ज्यादा वक्त तक मुख्यमंत्री रहने वाले शिवराज सिंह चौहान बजट भाषण के दौरान विधानसभा पहुंचे. जैसे ही उन्होंने विधानसभा में दस्तक दी, वैसे ही सभी का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हुआ. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का बजट भाषण कुछ क्षण के लिए रुकवाया और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्वागत करने के बाद फिर से बजट भाषण शुरू करवाया. इस दौरान शिवराज सिंह चौहान काफी देर तक विधानसभा परिसर में मौजूद रहे. मध्य प्रदेश की विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ का बजट पेश किया है. यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है.

शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे के खिलाफ सड़क पर उतरे किसान
फडणवीस ने विधानसभा में गिनाए महामार्ग के फायदे-नुकसान

मुंबई. महायुति की सरकार की महत्वाकांक्षी शक्तिपीठ महामार्ग के खिलाफ किसानों ने मोर्चा खोल दिया है. उनका साथ विपक्षी दल दे रहे हैं. बुधवार को किसानों ने आजाद मैदान पर विरोध प्रदर्शन कर चेताया है कि शक्तिपीठ महामार्ग के खिलाफ सभी 12 जिलों के किसान सड़क पर उतरेंगे.अगली रणनीति बनाने के लिए 8 अप्रैल को लातूर जिले में बैठक बुलाई है. उधर, किसान जिस वक्त आजाद मैदान पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, उस वक्त मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विधान भवन परिसर में शक्तिपीठ महामार्ग के फायदे-नुकसान गिना रहे थे. वे बता रहे थे कि शक्तिपीठ महामार्ग महाराष्ट्र के लिए कितना जरूरी है?

किसानों को किसका समर्थन?

आजाद मैदान पर प्रदर्शन करने वालों का साथ देने के लिए कांग्रेस, उद्धव सेना आए. नेता और किसानों ने शक्तिपीठ महामार्ग के खिलाफ सरकार की जमकर आलोचना की. एक सुर में शक्तिपीठ महामार्ग को रद्द करने की मांग की.बाद में शक्तिपीठ महामार्ग विरोधी संघर्ष समिति के समन्वयक गिरीश फोंडे ने कहा कि शक्तिपीठ महामार्ग की कोई जरूरत नहीं है. क्योंकि जहां से महामार्ग बनाया जा रहा है उसके समानांतर ही दूसरा मार्ग है, फिर नए मार्ग की कोई आवश्यकता ही नहीं है. उन्होंने कहा कि हम किसानों ने तय किया है कि महामार्ग बनाने के लिए जो अधिकारी सर्वे करने के लिए आएगा उसकी अच्छे से खबर लेंगे. उसे सर्वे नहीं करने देंगे. हम अपने बाप, दादाओं और पुरखों की जमीनों सरकार को नहीं लेने देंगे.

शिंदे से की बात

आजाद मैदान पर प्रदर्शन करने के लिए आए आंदोल-नकारियों ने उपमु-ख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से संपर्क किया. शिंदे ने उन्हें संदेश दिया कि कैबिनेट मंत्री प्रकाश आबिटकर उनसे मिलने आएंगे. इस पर किसानों ने उपमु-ख्यमंत्री को बताया कि कैबिनेट मंत्री आबिटकर के पास निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है.

लड़ाकों के कब्जे में अब भी 59 बंधक
पाकिस्तानी अफसर बोले- विद्रोही बम लगे जैकेट पहने
इससे रेस्क्यू में मुश्किल, अब तक 27 लड़ाके मारे

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सेना और बलूच लड़ाकों के बीच पिछले 24 घंटे से लड़ाई जारी है. पाकिस्तान सुरक्षाबलों ने 27 लड़ाकों को मार गिराया है. बलूचों से 214 बंधकों में से 155 को छुड़ा लिया है. 59 अभी भी कब्जे में हैं. पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. एयरफोर्स और सेना के जवान बलूच लड़ाकों को घेरे हुए हैं. विद्रोही विस्फोटक से लदे आत्मघाती जैकेट पहने हुए हैं, इससे बाकी बंधकों को रिहा कराने में मुश्किल हो रही है. वे इन्हें मानव शील्ड की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं.बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने मंगलवार को दोपहर 1 बजे जाफर एक्सप्रेस पर हमला कर उसे हाईजैक कर लिया था. 30 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा भी किया.बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने कल दोपहर 1 बजे बलूचिस्तान के बोलान जिले के माशकाफ इलाके में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर हमला कर 214 यात्रियों को बंधक बनाया.BLA ने दावा किया कि हमले में 30 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया. हालांकि सेना ने अब तक इतनी मौतों की पुष्टि नहीं की है. BLA ने जेल में बंद बलूच कार्यकर्ताओं, राजनैतिक कैदियों, गायब लोगों, लड़ाकों और अलगा-ववादियों की बिना शर्त रिहाई की मांग की है. सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है.हमले के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी सेना ने पैसेंजर्स की रिहाई के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. लड़ाकों पर ड्रोन और हेलिकॉप्टर से हमला किया. 27 बलूच लड़ाके मारे गए. 155 पैसेंजर्स को रिहा कराया गया. सेना का ऑपरेशन अभी भी जारी है. पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि हम ऐसे जानवरों से कोई समझौता नहीं करेंगे, जिन्होंने बेकसूर यात्रियों पर गोलीबारी की.

हाईजैक में भारत का हाथ विद्रोहियों के सामने बेबस शहबाज सरकार का नया पैंतरा

पाकिस्तानी टीवी चैनल से बातचीत में शहबाज के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा, "हां, भारत कर रहा है, इसमें कोई शक नहीं है. उन्हें अफगानिस्तान जैसा एक सुरक्षित ठिकाना मिला हुआ है. तालिबान के सत्ता में आने से पहले उन्हें ये घातक हमले करने के अवसर नहीं मिलते थे, लेकिन अब उनके अभियानों में बढ़ोतरी हुई है क्योंकि अफगानिस्तान में उन्हें घात लगाकर हमला करने की सुविधा मिल रही है. हमने सरकारी स्तर पर अफगा-निस्तान से कहा है कि इस गतिविधि को रोके, नहीं तो हम वहां जाकर उन ठिकानों को निशाना बनाएंगे."राणा सनाउल्लाह के साथ बातचीत का वीडियो डॉन टीवी के एंकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है. बता दें कि पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरंग में विद्रोही गुट द्वारा एक यात्री ट्रेन पर हमला किए जाने के बाद सुरक्षा बलों ने कम से कम 27 विद्रोहियों को मार गिराया.

राष्ट्रीय सुरक्षा पर घेरा
इंडिया गठबंधन ने किया लोकसभा से वॉकआउट

नई दिल्ली. लोकसभा में बुधवार को कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन में शामिल दलों ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर सरकार को घेरा. विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है. अमूमन राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर सत्ता पक्ष, विपक्ष पर आरोप लगाता रहा है लेकिन बुधवार को रोल बदला दिखा. सदन से वॉकआउट के बाद कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि जो दल राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर वोट मांगती है, आज उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को परे रखकर एक कंपनी को सहूलियत देने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को भी नजरअंदाज कर दिया है.

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान गुजरात के खावड़ा में बन रहे रिनयुवल एनर्जी प्लांट (अक्षय ऊर्जा संयंत्र) के मुद्दे पर कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों ने सरकार के जवाब से असंतुष्टि जताई और वॉकआउट किया. कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने प्रश्नकाल के दौरान सरकार से पूछा कि क्या खावड़ा में लगाए जा रहे संयंत्र के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रोटोकॉल में कोई ढील दी गई है?

चंदा मामा अब दूर के नहीं ! Nokia ने चंद्रमा पर लगा दिया सेल्युलर टावर
चलो चांद के पार चलो, हम हैं तैयार चलो...

वाशिंगटन. चंद्रमा पर इंसानों को दोबारा भेजने की कोशिशें जोरों पर हैं.अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और उसकी पार्टनर कंपनियां अलग-अलग टास्क पूरे कर रही हैं. इसी क्रम में नोकिया ने चांद पर पहला सेल्युलर नेटवर्क इंस्टॉल करने का दावा किया है. यह अमेरिकी कंपनी इंट्यूटिव मशीन्स के IM-2 मिशन का हिस्सा था. मिशन ने 10 मार्च को चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग की. दिलचस्प बात यह रही कि नेटवर्क से डेटा तो भेजा गया, लेकिन पावर की कमी और बहुत ज्यादा ठंड के कारण कॉल कनेक्ट नहीं हो पाई. लेकिन यह भविष्य के मून मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है. खासतौर पर जब अमेरिका आर्टिमिस मिशन के तहत चांद पर दोबारा से इंसान को भेजने की योजना पर काम कर रहा है.

चांद से धरती तक पहुंचा डेटा

एक रिपोर्ट के अनुसार, नोकिया का यह एक्सपेरिमेंट नासा के कमर्शल लूनार पेलोड सर्विसेज (CLPS) इनिशिएटिव का हिस्सा था. नोकिया ने दावा किया है कि चांद पर नेटवर्क के जरूरी हिस्सों का ट्रायल सफल रहा है. जिस नेटवर्क को वहां इंस्टॉल किया गया, उसने इंट्यूटिव मशीन्स के ग्राउंड स्टेशन और नोकिया के मिशन कंट्रोल सेंटर को डेटा भेजा. एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि चांद पर मौजूद सेल्युलर नेटवर्क ने धरती पर मौजूद दोनों स्टेशनों से कॉन्टैक्ट कर लिया. करीब 25 मिनट तक कनेक्टिविटी बनी रही, जिससे कन्फर्म हुआ कि सभी सिस्टम काम कर रहे हैं और एक-दूसरे के साथ कनेक्ट हो पा रहे हैं.

ज्यादा ठंड के कारण आई रुकावट

लेकिन मंसूबों को थोड़ा झटका लगा, क्योंकि चांद पर पहली सेल्युलर कॉल नहीं हो पाई. दरअसल, शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन बहुत अधिक ठंड की वजह से चांद पर इंस्टॉल किए गए हॉपर मॉड्यूल ने काम करना बंद कर दिया. इस वजह से कनेक्शन नहीं बन सका. नोकिया का कहना है कि उसे इस कामयाबी पर गर्व है, क्योंकि चांद पर परिस्थितियां आसान नहीं हैं. अगर डिवाइस मॉड्यूल तक वर्किंग होते, जब नेटवर्क बॉक्स चालू था, तो निश्चित रूप से चांद और धरती के बीच पहली सेल्युलर कॉल लग जाती.

चांद पर लैंडर उतारने वाली पहली प्राइवेट कंपनी है IM

इंट्यूटिव मशीन्स के लिए भी यह सफलता अहम है. वह दुनिया की पहली प्राइवेट कंपनी है, जिसके लैंडर ने सफलता के साथ चांद पर लैंड किया था. कंपनी ने यह कामयाबी पिछले ही साल फरवरी में पाई थी. IM-2 मिशन में नोकिया के साथ पार्टनरशिप करके वह एक कदम और आगे बढ़ी है. दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियां और स्पेस कंपनियां, चंद्रमा पर अपने मिशन भेजने में जुटे हैं. लेकिन नासा और इंट्यूटिव मशीन्स की कोशिशें काफी आगे हैं.

CMYK

संपादकीय

राष्ट्रपति शासन के बाद भी मणिपुर में हिंसा

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां शांति बहाल करने और समस्या का कोई ठोस हल निकालने के लिए अब तक जितने भी प्रयास किए गए, उनके पीछे दूरदर्शिता की कमी रही. हैरानी की बात यह है कि राज्य में हिंसा की शुरूआत के बाद मई में अब दो वर्ष हो जाएंगे. इसके कारण आमतौर पर स्पष्ट रहे हैं कि यह टकराव मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से पैदा हुआ. इसके बावजूद राज्य से लेकर केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई हल या प्रस्ताव सामने नहीं आ सका है, जिस पर संबंधित पक्षों के बीच सहमति बने और राज्य में शांति कायम हो. यह एक तरह से राज्य सरकार की नाकामी ही थी कि चौतरफा और लगातार सवाल उठने के बीच वहां के मुख्यमंत्री को आखिर इस्तीफा देना पड़ा. उसके बाद लागू राष्ट्रपति शासन में भी हिंसक घटनाओं पर काबू पाने और स्थिति में सुधार के मोर्चे पर अब तक आश्वासनों से आगे बढ़ कर कुछ भी ऐसा नहीं किया जा सका है, जो जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों और खासतौर पर हिंसा प्रभावित समुदायों के भीतर विश्वास पैदा करे और वे राज्य में शांति बहाली में भागीदारी निभाएं. गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी में शनिवार को इंफल-दीमापुर उच्च मार्ग पर कुकी समुदाय और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई. वहीं इस टकराव में सत्ताईस से ज्यादा जवान घायल हो गए.

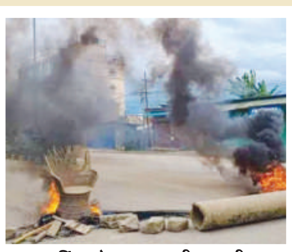

ताजा हिंसा के बाद स्थानीय कुकी संगठनों की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आई है, वह इसी का उदाहरण है. कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन की ओर यह कहा गया कि वे शांति का समर्थन करते हैं, लेकिन इस तरह के उपायों से नाराजगी और संघर्ष की स्थिति पैदा होगी. राज्य में हिंसा की शुरूआत के करीब पौने दो वर्ष बाद भी अगर हालात में कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है, तो यह सरकारों के भीतर ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को ही दर्शाता है.

दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सभी सड़कों पर वाहनों की स्वतंत्र आवाजाही को लेकर एक निर्देश जारी किया था. राज्य में सबसे ज्यादा प्रभावित समुदाय के स्थानीय लोगों ने निर्देश का व्यापक विरोध किया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और अब फिर अराजकता की स्थिति में कांगपोकपी में कई इलाकों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई. यह स्थिति तब है, जब मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है, वहां के राज्यपाल ने उपद्रवियों से सभी लूटे गए हथियार जमा करने को कहा है. अब तक पांच सौ से ज्यादा हथियार जमा भी किए जा चुके हैं. मगर यह साफ है कि हिंसा को थामने और उससे भी ज्यादा समस्या के हल के लिए कुछ भी ऐसा ठोस नहीं किया गया है, जिससे स्थायी रूप से शांति कायम करने का कोई रास्ता निकले. सही है कि सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करना स्थिति को सामान्य बनाने में एक सहायक कदम हो सकता है. लंबे समय से राज्य में जारी हिंसा के बीच संभवतः वहां के सभी प्रभावित लोग और समुदाय शांति की उम्मीद में होंगे. लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर यह समस्या के मूल कारणों को दूर किए बिना सतह पर कुछ किया जाता है, तो इसके नतीजे अनुकूल नहीं भी आ सकते हैं.

औरंगजेब से त्रस्त आईएनडीआईए

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले अपने बयान को वापस ले लिया, लेकिन वह राजनीतिक बहस और विवाद के केंद्र में बने हुए हैं. इसी बीच कुछ और लोगों को औरंगजेब दयालु दिख गया और उन्होंने भी उसकी प्रशंसा के पुल बांधने में संकोच नहीं किया. इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता कि औरंगजेब एक कट्टर और क्रूर शासक था. आखिर जो अपने सगे भाई दारा शिकोह का सिर कलम करके उसका सिर तश्तरी में रखकर पिता शाहजहां को भेंट करने की हिमाकत करे, उससे निकृष्ट और कौन होगा? उसकी करतूतों का कच्चा-चिट्ठा खुद उसके दरबारी लेखक सकी मुस्तैद खान ने मआसिर-ए-आलमगिरी में लिखा है.

वास्तव में इसी कारण करीब-करीब सभी इतिहासकार इस पर एकमत हैं कि औरंगजेब सबसे क्रूर शासक था और उसकी सनक भरी हरकतों की वजह से ही मुगल शासन का पतन हुआ. इसके बाद भी भारत और पाकिस्तान में उसका महिमामंडन करने वालों की कमी नहीं. पता नहीं क्यों, कुछ मुसलमानों को यह लगता है कि औरंगजेब चाहे लाख बुरा हो, लेकिन मुसलमान होने के नाते उसकी सराहना करना उनका मजहबी फर्ज है. कुछ लिबरल किस्म के बुद्धिजीवियों को भी यही लगता है कि वे जब तक औरंगजेब को महान और दयालु शासक नहीं कह देते, तब तक उनके लिए खुद को सेक्युलर साबित करना कठिन होगा. इस कारण वे भी औरंगजेब और ऐसे ही आक्रांताओं का गुणगान करना अपना सेक्युलर फर्ज समझते हैं.

यह तो गनीमत रही कि अबू आजमी औरंगजेब का महिमामंडन करने से पीछे हट गए, अन्यथा वह विपक्षी दलों के मोर्चे आईएनडीआईए के

समक्ष बड़ा संकट खड़ा करने वाले थे. वैसे यह संकट अभी टला नहीं है. महाराष्ट्र के राजनीतिक दलों के लिए यह संभव नहीं कि वे औरंगजेब का महिमामंडन सहन कर सकें. इनमें भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के दोनों घटक ही नहीं, कांग्रेस भी है. इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जब सपा प्रमुख अखिलेश ने औरंगजेब की सराहना पर अबू आजमी के महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबन पर अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि 'उन्हें निलंबित कर सच की जुबान पर लगाम नहीं लगाई जा सकती' तो उद्धव ठाकरे ने उन्हें नसीहत देने में देर नहीं की.

जैसे अबू आजमी ने आईएनडीआईए नेताओं के समक्ष धर्मसंकट खड़ा कर दिया था, वैसे ही एक समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि ने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया बताते हुए उसके खात्मे की जरूरत जताकर आईएनडीआईए को बगलें झांकने को मजबूर कर दिया था.

उनसे उदयनिधि की बेहूदा टिप्पणी न तो निगलते बन रही थी और न ही उगलते. चूंकि सनातन धर्म के खात्मे की जरूरत जताने वाला बयान घोर आपत्तिजनक था, इसलिए आईएन-डीआईए के कई घटकों के नेताओं को दबे-छिपे स्वरों में उदयनिधि को नसीहत देनी पड़ी. ऐसी ही नौबत तब आई थी, जब कुछ तथाकथित सेक्युलर और समाजवादी नेताओं ने रामचरि-तमानस के खिलाफ टिप्पणियां करनी शुरू कर दी थीं.

अभी हाल में महाकुंभ को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी भी विपक्षी गठबंधन के नेताओं के लिए मुसीबत बन गई थी. कांग्रेस के कुछ नेताओं ने तो खरगे की टिप्पणी की परवाह न करते हुए संगम में डुबकी लगाना भी पसंद किया. इनमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी थे. भारत में सेक्युलरिज्म की जैसी विकृत अवधारणा अपना ली गई है, उसके चलते खुद को सेक्युलर कहने वाले लोगों की ओर से औरंगजेब सरीखे आक्रांताओं का महिमामंडन करना, सनातन धर्म और उसकी परंपराओं का दकियानूसी बताना आवश्यक हो जाता है.

इसी कारण कथित सेक्युलर दलों की ओर से अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध होता रहा. इस विरोध का नतीजा यह हुआ कि सेक्युलरिज्म की पोल खुल गई और यह प्रमाणित हो गया कि वह छद्म सेक्युलरिज्म है. यदि आज कोई नेता यह नहीं कहता कि वह सेक्युलरिज्म की रक्षा के प्रति समर्पित है तो इसी कारण की वह एक हेय शब्द बन गया है.

मतदाता सूची को लेकर व्यर्थ का शोर

मतदाता सूची में गड़बड़ी और मतदाता पहचान पत्रों के क्रमांक में दोहराव को लेकर संसद में हंगामा जारी है, लेकिन इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है. इन मुद्दों पर हंगामा करने के बजाय इस पर गंभीरता के साथ विचार-विमर्श होना चाहिए कि मतदाता सूचियों की कथित गड़बड़ी कैसे रोकी जाए, लेकिन सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि मतदाता सूचियों में कैसी गड़बड़ी होती है और क्या विपक्षी दलों की ओर से जैसी गड़बड़ी की शिकायत की जा रही है, वैसी वास्तव में हो भी रही है?

यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कुछ विपक्षी दल यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि केंद्र सरकार के दबाव में चुनाव आयोग जानबूझकर त्रुटिपूर्ण मतदाता सूची बना रहा है, ताकि भाजपा और उसके सहयोगी दलों को चुनावी लाभ मिल सके. मतदाता सूची तैयार करने का काम चुनाव आयोग करता है और इसके लिए वह जिस सरकारी मशीनरी का सहारा लेता है, उस पर राज्य सरकारों का नियंत्रण होता है. यदि विपक्ष यह कहना चाहता है कि गैर भाजपा शासित राज्यों में भी सरकारी मशीनरी चुनाव आयोग के दबाव में गलत मतदाता सूचियां तैयार करती है तो इस पर यकीन नहीं किया जा सकता. मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का सवाल उठाकर विपक्ष लोगों का ध्यान खींचने में इसलिए नाकाम है, क्योंकि एक तो वह कोई पुष्ट प्रमाण सामने नहीं रख पा रहा और दूसरे, यह साबित करने की अतिरिक्त कोशिश कर रहा कि चुनावों में धांधली होती है.

विपक्षी दल मतदाता पहचान पत्रों में एक जैसे नंबर का मामला भी इस तरह उठा रहे हैं जैसे इससे भी चुनावी धांधली होती हो. तथ्य यह है कि ऐसा संभव नहीं, क्योंकि मतदाता पहचान पत्र की क्रमांक संख्या में दोहराव के बावजूद कोई अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर ही मतदान कर सकता है.

वह चुनावों में धांधली का शोर मचाते हुए हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों का तो उल्लेख कर रहा है, लेकिन जम्मू-कश्मीर और झारखंड का जिक्र करने से बच रहा है. क्या वह यह कहना चाहता है कि जहां-जहां उसे पराजय मिलती है, वहीं-वहीं धांधली होती है?

समस्या केवल यह नहीं है कि विपक्षी दल चुनाव आयोग को बदनाम करने में लगे हुए हैं, बल्कि यह भी है कि वे अपने मनगढ़ंत आरोपों के सहारे चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में संदेह पैदा करने का काम कर रहे हैं. क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के लिए चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में संदेह के बीज बोना लोकतंत्र विरोधी आचरण ही है. यह किसी से छिपा नहीं कि विपक्षी दल जब-तब ईवीएम का विरोध करने के लिए आगे आ जाते हैं और यह जानते हुए भी मतपत्रों के जरिये चुनाव कराने की मांग करने लगते हैं कि उनसे कितने बड़े पैमाने पर धांधली होती थी.

संगम के जल को बताया गया था प्रदूषित

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र के पानी में प्रदूषण का तथ्य उजागर कर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी ने खासा विवाद पैदा कर दिया था. पर, अब अपनी नई रपट में उसने स्पष्ट किया है कि वहां का पानी स्नान करने लायक था. चूंकि अलग-अलग जगहों से जल के नमूने लिए गए थे, इसलिए उनमें अलग-अलग तथ्य दर्ज हुए थे, मगर इससे पूरी नदी के पानी में अपशिष्ट की मात्रा का दावा नहीं किया जा सकता. रपट में कहा गया है कि, सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार, जांचे गए खंडों के लिए पीएच, डीओ, बीओडी और एफसी का औसत परिमाण संबंधित मानदंडों/ अनुमेय सीमाओं के भीतर है. यह रपट 12 जनवरी से 22 फरवरी के बीच इकट्ठा किए गए आंकड़ों का समग्र विश्लेषण करने के बाद पेश की गई है. इसी अवधि में सभी प्रमुख स्नान हुए थे. सीपीसीबी ने 17 फरवरी को पेश अपनी रपट में बताया था कि संगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर फीकल कोलीफार्म का स्तर स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं था. इस रपट के आधार पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब तलब किया था. तब राज्य सरकार को सफाई देनी पड़ी थी कि उसने गंगा और यमुना के जलशोधन के लिए क्या-क्या उपाय किए हैं और वहां पानी पूरी तरह स्नान के लायक है. बाद में एक वैज्ञानिक ने भी कहा कि पूरे महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र का पानी पीने लायक था. इस बार प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को इसलिए विशेष माना गया था कि इसे एक सौ चौवालीस वर्ष बाद आया अवसर बताया गया. इसीलिए केंद्र और राज्य सरकारों ने इसके आयोजन का बढ़-चढ़ कर प्रचार-प्रसार किया था.

राशिफल

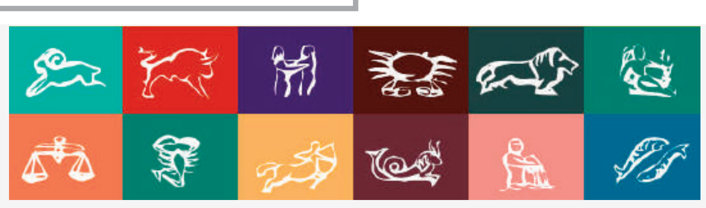

■ मेष राशि वालों के लिए दिन करियर के लिहाज से बहुत अच्छा है. आप जमीन-जायदाद के मामले में कोई डील करेंगे तो उसमें आपको लाभ होगा और आपकी तरक्की होने के योग हैं. भाग्य आपका साथ देगा. पिता के आशीर्वाद से ऑफिस में भी लाभ होगा. सरकार से सम्मान मिलने के भी योग हैं. शाम को माता जी की तबियत खराब होने से आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है.

■ वृष राशि वालों के लिए दिन कामयाबी भरा रहेगा. बिजनस के मामले में आपके सारे प्लान सफल होंगे. आपमें साहस बना रहेगा और जो भी काम करेंगे, उसमें कामयाबी मिलेगी. अपने काम पूरे करने में सक्षम रहेंगे.

■ मिथुन राशि वालों को हर काम सोच-समझकर करना चाहिए. किसी भी तरह के झगड़े से दूर रहें. अपने काम पर ध्यान दें. किसी को आपकी बात बुरी न लगे, इसका ध्यान रखें. बेवजह किसी से बात न करें. अगर आपका पैसा कहीं फंसा है, तो आज मिल सकता है. सोच-समझकर लिए गए फैसले फायदेमंद रहेंगे. शाम से रात तक हर काम में किस्मत आपका साथ देगी.

■ कर्क राशि वालों को करियर में दिक्कतों और विरोध का सामना करना पड़ सकता है. बेहतर होगा कि आप अपने स्वभाव पर ध्यान दें. कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलेगी. काम में कामयाब हो सकते हैं. ऐशो-आराम की चीजों पर ध्यान देंगे और उनकी खरीद करेंगे. आपके मिलनसार स्वभाव के कारण लोग आपको पसंद करते हैं.

■ सिंह राशि वालों के लिए दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा और आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा. नए काम में हिस्सा लेने से खुशी मिलेगी. आपका अधिकांश वक्त परिवार के साथ धार्मिक कार्य में बीतेगा. परिवार के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं. आत्मविश्वास से किए गए काम सफल होंगे और फायदा होगा. रुके हुए काम थोड़ा खर्च करने से पूरे हो सकते हैं. आपको थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. नई योजनाओं पर काम शुरू करने से लाभ होगा.

■ कन्या राशि वालों के लिए दिन किस्मत के लिहाज से बहुत अच्छा है. आपकी परेशानियां दूर होंगी और भाग्य आपका साथ देगा. संतान से अच्छी खबर मिल सकती है. भतीजे से मदद मिलने के योग हैं. बिजनस में मनचाहा मुनाफा होगा. अगर अपनी ज़ुबान पर काबू रखेंगे, तो हर काम में कामयाबी मिलेगी. आपका दिन आर्थिक लाभ से भरा होगा और योजनाएं सफल होंगी.

■ तुला राशि वालों के लिए दिन फायदेमंद रहेगा. पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में किए गए बदलाव फायदेमंद रहेंगे. पढ़ाई में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपको कामयाबी मिलेगी. नए काम सीखने में कामयाब होंगे. अपनी बातों को सही साबित करने में सफल रहेंगे. माता-पिता और गुरु का सम्मान करने से लाभ होगा. शाम को गाड़ी चलाते समय सावधान रहें, चोट लग सकती है. अपनी सेहत पर ध्यान दें और दूसरों के साथ विवाद में न पड़ें.

■ वृश्चिक राशि वालों को करियर में फायदा होगा. लेकिन आमदनी से अधिक खर्च होगा. बच्चों के अच्छे काम से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा. अपने धैर्य और हुनर से दुश्मनों पर भी जीत हासिल करेंगे. शाम से रात तक प्यारे लोगों से मिलकर मन खुश रहेगा. घूमने-फिरने और मौज-मस्ती में समय बीतेगा.

■ धनु राशि वालों को करियर में फायदा होगा. आपकी विद्या, बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी. मेहनत से आपकी इच्छाएं पूरी होंगी. ऑफिस में लोगों से सम्मान मिलेगा. शाम को धार्मिक कामों में मन लगेगा. शुभ काम पर खर्च करने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आपके हर काम में भाग्य का साथ मिलेगा. आपको धन लाभ होगा और मान सम्मान में वृद्धि होने से मन को बहुत खुशी होगी. भाग्य साथ देगा.

■ मकर राशि वालों को धन लाभ होगा और आर्थिक मामलों में आपके लिए शुभ योग हैं. भाग्य आपका साथ देगा. आपको संपत्ति मिलने के योग हैं और कारोबार में मुनाफा होगा. शॉपिंग में आपकी रुचि रहेगी. घर सजाने के लिए शॉपिंग पर जा सकते हैं. बिना मांगे किसी को सलाह न दें, इसका उल्टा असर हो सकता है. रात में धार्मिक कार्य में समय बिताएंगे तो आपको खुशी होगी. मन शांत रहेगा.

■ कुंभ राशि वालों के लिए फायदे का दिन है. आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा. कमाई बढ़ाने के आपके प्रयास सफल रहेंगे. सही तरीकों से कमाया हुआ पैसा आपके धन में इजाफा करेगा. किस्मत के लिहाज से दिन अच्छा है. हर क्षेत्र में फायदा होगा.

■ मीन राशि वालों के लिए दिन फायदे का है. आपकी संपत्ति में बढ़ोतरी होगी. ननिहाल से भी मान-सम्मान मिलेगा. पत्नी के परिवार से फायदा होगा. नौकरी में छिपे हुए दुश्मन आपके बारे में बुरा-भला कहेंगे, जिससे शाम को परेशानी हो सकती है.

'पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला'

1947 से पहले बलूचिस्तान एक स्वतंत्र रियासत थी, जिसे 1948 में पाकिस्तान ने बलपूर्वक अपने में शामिल कर लिया था. यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा और खनिज संसाधनों से भरपूर इलाका है, लेकिन वहां के निवासियों का मानना है कि उन्हें इन संसाधनों का लाभ नहीं मिल रहा. इस कारण 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' और अन्य बलूच संगठनों ने पाकिस्तान सरकार के विरुद्ध आंदोलन छेड़ रखा है. 1970 के दशक में 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' का गठन बलूचिस्तान के लोगों के असंतोष और उनके अधिकारों की लड़ाई के परिणामस्वरूप हुआ था. इसकी स्थापना प्रमुख बलोच नेता मीर 'हबत खान मारी' और उनके पुत्र 'नवाब खैर बख्श मारी' ने की थी. 'नवाब खैर बख्श मारी' ने बलोच लोगों के अधिकारों और उनकी स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उनकी मृत्यु के बाद उनके परिवार और अन्य बलूच नेताओं ने इस आंदोलन को जारी रखा. पाकिस्तान सरकार ने 2006 में 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' को एक आतंकवादी गुट करार दे दिया था. इसके अलावा 'बलोच रिपब्लिक आर्मी' तथा 'लश्कर-ए-बलू-चिस्तान' जैसे कई गुट भी हैं, जो बलूचिस्तान की आजादी की मांग कर रहे हैं. 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' 2018 से लगातार पाकिस्तान में आत्मघाती तथा अन्य हमलों को अंजाम दे रही है. 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी', जिस पर पाकिस्तान, इंगलैंड और अमरीका ने प्रतिबंध लगा रखा है, ने पाकिस्तान को एक के बाद एक कई बार बड़ी चोट पहुंचाई है तथा इस समय यह संगठन पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा खतरा बन चुका है. यह संगठन 60 अरब अमरीकी डालर की लागत वाली चीन-पाकिस्तान आॢथक गलियारा (सी.पी.ई.सी.) प्रोजैक्टों को निशाना बनाकर हमले करता रहता है जो कई बार पाकिस्तान तथा चीन के रिश्तों में तनाव का कारण बना है. अपनी पाकिस्तान विरोधी नवीनतम कार्रवाई में 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' के 6 अज्ञात बंदूकधारियों ने 11 मार्च को क्वेटा से पेशावर जा रही 9 बोगियों वाली 'जाफर एक्सप्रैस' को 'पेहरो-कुनरी' तथा 'गदालार' के बीच बंधक बना कर उस पर गोलीबारी की. इस इलाके में 17 सुरंगें हैं और जब इस ट्रेन का अपहरण किया गया उस समय यह सुरंग नंबर 8 में से गुजर रही थी. सबसे पहले हमलावरों ने सुरंग नंबर 8 में एक रेल पटरी को उड़ा दिया जिससे 'जाफर एक्सप्रैस' पटरी से उतर गई और फिर 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसके परिणामस्वरूप ट्रेन का ड्राइवर भी घायल हो गया. इस ट्रेन में सुरक्षा बल और आई.एस.आई. के एजैंट यात्रा कर रहे थे और पंजाब जा रहे थे. इस ट्रेन में लगभग 500 यात्री सवार थे जिनमें से हमलावरों ने इस समाचार के लिखे जाने तक 30 सैनिकों की हत्या तथा अनेक लोगों को घायल करने के अलावा 214 लोगों को बंधक बना लिया था. इसे दुनिया का सबसे बड़ा 'रेल अपहरण' बताया जा रहा है. एक ओर जहां विद्रोही अपनी मांगें मनवाने की फिराक में हैं तो दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना आप्रेशन करने की तैयारी कर रही है. विद्रोही 'जाफर एक्सप्रैस' से पहले चरण में महिलाओं और बच्चों को छोड़ रहे हैं लेकिन इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो अगले चरण में पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों की लाशें ट्रेन से बाहर फैंकी जाएंगी. बलोच विद्रोहियों की हमेशा से मांग रही है कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान के हिस्से को खाली कर दे, बलोच विद्रोहियों के गिरफ्तार सभी नेताओं को बिना शर्त रिहा कर दिया जाए और बलूचिस्तान के क्षेत्र में चल रहे चीन से जुड़े सभी प्रोजैक्ट तुरंत बंद कर दिए जाएं. जहां पाक सेना बंधकों को छुड़वाने के लिए कार्रवाई की तैयारी कर रही है तथा एक राहत ट्रेन भेजी है, बलूच विद्रोहियों ने पाक सेना को चेतावनी दी है कि यदि एयर स्ट्राइक नहीं रोकी तो बंधकों को मार देंगे. यह लेख लिखे जाने तक इस तरह की स्थिति बनी हुई थी. रात में घटनाक्रम क्या रूप लेता है यह तो समय ही बताएगा.

फिल्म वर्ग पहेली - 370

बायें से दायें:-

1. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-2,2
3. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-3
5. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-2
6. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-2
7. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-3
9. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-3
11. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-3
13. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-2
14. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-3
16. 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-2
18. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
20. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-2
21. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
23. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-3
25. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-2
26. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-2
27. 'जवानी दीवानी' की नायिका -2
28. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-2
31. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-4
32. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-3

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-3
2. 1971 के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-3
3. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-4
4. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-3
8. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-3
10. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-3
12. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-3
14. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-3
15. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-2
16. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-3
17. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-3
19. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-2
22. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-4
23. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-4
24. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-4
28. 'दिलजले' में अजय का नाम?-2
29. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-2
30. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली - 369 का हल

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 370

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 369 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 370

त	श	मु	प	रि	णि	ता	प	न	र	टें
था	क्रि	दी	ना	द	मु	सा	फि	र	कां	ल
स्तु	के	वा	हे	नि	रा	ना	न	व	टि	गे
बी	ट	र	न	शा	वा	जू	क	ले	ज	र
चो	दा	त	प	ने	तो	हो	चा	गो	ब	हो
ब	दु	त	खौ	ग	स	ए	व	चा	वॉ	मु
द	प	श्म	न	फ	व	ह	अ	गो	प्ला	न्ना
क	र	क	न	क्श	ह	भा	र	चो	आ	भा
र	व	त	म	ए	भी	र	क	अ	न	ई
रू	द्रा	क्ष	त	र	त	ता	ण	र	ह	ग
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	र	क	प	स्त	ये

शब्दजाल में संजय दत्त की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

लगे रहो मुन्ना भाई, तथास्तु, परिणिता, मुसाफिर, दीवार, रूद्राक्ष, कांटें, राजू चाचा, खौफ, दुश्मन

शब्दजाल - 369 का हल

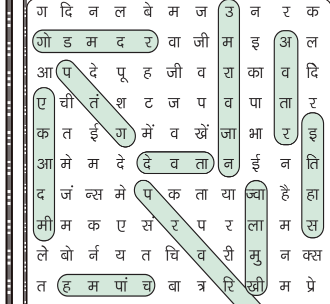

Jagrutidaur.com, Bangalore

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

भूपेंद्र हुड्डा के गढ़ में खिला कमल

BJP ने रोहतक समेत 9 निगमों पर किया कब्जा

चंडीगढ़. हरियाणा निकाय चुनाव में बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 नगर निगम में से 9 पर जीत दर्ज कर ली है, जिसमें कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ रोहतक भी शामिल है. जबकि मानेसर में निर्दलीय महिला उम्मीदवार को जीत मिली है. विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद कांग्रेस निकाय चुनाव में पहली बार चुनाव लड़ी थी, लेकिन यहां भी उसे करारी हार का सामना करना पड़ा.

महापौर पदों के परिणाम के अनुसार, भाजपा उम्मीदवारों ने अंबाला, फरीदाबाद, गुरुग्राम, हिसार, करनाल, रोहतक और सोनीपत में अपने निकटतम कांग्रेस प्रतिद्वंद्वियों को हराकर जीत दर्ज की है. जबकि यमुनानगर और पानीपत में बीजेपी के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं. वहीं, मानेसर में निर्दलीय उम्मीदवार इंद्रजीत यादव ने जीत हासिल की है. उन्होंने अपने निकटतम बीजेपी प्रतिद्वंद्वी सुंदर 10 नगर निगमों में से 8 पर कब्जा था. बड़े अंतर से जीत दर्ज करने वाले महापौर उम्मीदवारों में फरीदाबाद से भाजपा उम्मीदवार परवीन जोशी शामिल हैं, जिन्होंने 3 लाख से अधिक मतों से जीत हासिल की है. गुरुग्राम से राज रानी ने 1.79 लाख वोटों के ज्यादा अंतर से जीत हासिल की है. दीवान को हराया, जबकि करनाल में भाजपा की रेणु बाला गुप्ता ने कांग्रेस के मनोज वाधवा को हराया.

हालांकि, कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी शर्मिंदगी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गढ़ रोहतक में देखने को मिली. रोहतक सीट पर भाजपा के राम अवतार ने कांग्रेस के सूरजमल किलोई को हरा दिया है. जिलों पर अपनी पकड़ बनाए रखी और पार्टी ने आठ में से सात सीटें जीती थी.

'कांग्रेस पर नहीं होगा असर'

वहीं, निकाय चुनाव को नतीजों पर बोलते हुए भूपेंद्र हुड्डा ने कहा, नगर निकाय चुनाव के नतीजों का कांग्रेस पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा. हुड्डा ने कहा, 'इससे पहले भी नगर निगमों में भाजपा का दबदबा रहा है. अगर हम सीट हार जाते तो ये झटका होता, लेकिन यह पहले से ही हमारे पास नहीं था. कांग्रेस को कुछ क्षेत्रों में बढ़त जरूर मिली होगी, लेकिन मैं चुनाव के दौरान कहीं नहीं गया. मुझे नहीं लगता कि इन नतीजों का कोई असर होगा.'

'CM जताई नतीजों पर खुशी'

निकाय चुनाव में पार्टी की शानदार जीत पर खुशी जताई है. उन्होंने कहा, नतीजे साफ तौर पर दिखाते हैं कि हरियाणा की जनता ने बीजेपी पर कितना भरोसा जताया है. लोगों ने सरकार के विकास कार्यों की वजह से वोट दिया है. ट्रिपल इंजन सरकार अब लोगों के समग्र उत्थान के लिए काम कर रही है और सभी वादे पूरे कर रही है. कार्यकर्ता खुश हैं और ये परिणाम पीएम मोदी के विजन का नतीजा है. हम उनके साथ जश्न मनाएंगे. हुड्डा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सैनी ने कहा, कांग्रेस ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हल्के में लेना बंद कर दिया है और इसलिए लोगों ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया है.

अमृतपाल की सांसदी पर कोई खतरा नहीं

चंडीगढ़. पंजाब की खडूर साहिब सीट से सांसद अमृतपाल सिंह को लेकर केंद्र सरकार ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में जानकारी दी कि जेल में बंद सांसद को 54 दिनों की छुट्टी दी गई है. यह जानकारी चीफ जस्टिस शील नागु और जस्टिस सुमीत गोयल की खंडपीठ के समक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सतपाल जैन ने लोकसभा सचिवालय द्वारा 11 मार्च को जारी पत्र पेश करते हुए दी गई. इस पत्र के माध्यम से बताया गया कि अमृतपाल सिंह को 24 जून, 2024 से 2 जुलाई, 2024 तक 22 जुलाई से 2024 से 9 अगस्त, 2024 तक और 25 नवंबर, 2024 से 20 दिसंबर 2024 तक अनुपस्थिति की अनुमति दी गई है. इस पर खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को संसद से निष्कासन की आशंका थी. लेकिन इस पत्र से उसकी चिंता दूर हो जाती है. अमृतपाल सिंह ने अपनी याचिका में सांसद निधि से जुड़े स्थानीय विकास कार्यों के लिए अधिकारियों और मंत्रियों से मिलने की अनुमति मांगी थी जिस पर खंडपीठ ने कहा कि संसद की कार्यवाही कुछ निश्चित नियमों के तहत चलती है इसलिए उचित होगा कि याचिकाकर्ता इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष को आवेदन दे.

मैंने कुर्सी नहीं तोड़ी

'अगर साबित हो गया तो मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगी'

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को विधानसभा में बीजेपी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म का अपमान नहीं किया जा सकता. आप धार्मिक कार्ड खेल रहे हैं मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया. बीजेपी विधायक शंकर घोष ने मुख्यमंत्री के बयान का खंडन किया. बीजेपी विधायक काले कपड़े पहनकर विधानसभा में आये. मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान बीजेपी विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया.

ममता ने क्यों कहा- मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दूंगी : मुख्यमंत्री ने अपने भाषण के बीच में बीजेपी विधायकों की ओर से अराजकता पैदा करने का विरोध किया. बदले में बीजेपी ने राज्य में तत्कालीन विपक्ष की नेता ममता बनर्जी पर वामपंथी शासन के दौरान विधानसभा में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया. इस मुद्दे को उठाते हुए बीजेपी विधायक शंकर घोष ने मुख्यमंत्री से जवाब मांगा. ममता ने शंकर घोष से कहा कि उन्होंने विधानसभा की कुर्सी नहीं तोड़ी, अगर वे(घोष) यह आरोप साबित कर दें तो मुख्यमंत्री पद छोड़ दूंगी.

सुवेंदु अधिकारी की टिप्पणी पर विवाद

अल्पसंख्यक समुदाय के विधायकों के बारे में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया. उनकी निंदा करते हुए मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि वे एक दिन विधानसभा अध्यक्ष का अपमान करने की योजना बना रहे हैं और अगले दिन मुख्यमंत्री का. ममता ने आगे कहा कि अल्पसंख्यक भाईयों और बहनों, निश्चिंत रहें. अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक को एक साथ रहना चाहिए. यह हमारी संस्कृति है. विपक्षी नेता का नाम लिए बगैर ममता ने कहा कि मैं कपड़ों की तरह पार्टी की विचारधारा बदलने वालों को नेता नहीं मानती.

बीजेपी विधायकों ने नारेबाजी की

मुख्यमंत्री के भाषण के बीच बीजेपी विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी. ममता ने कहा कि अगर किसी को कुछ कहना है तो वह कह सकता है. मैं बैठूंगी और सुनूंगी. मेरी बात मत सुनो और नारे लगाओ, यह लोकतंत्र नहीं है. दरअसल मंगलवार को बीजेपी सांप्रदायिक अशांति का आरोप लगाते हुए विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाई थी. विपक्षी नेता ने चर्चा की मांग की, लेकिन अध्यक्ष ने इसे अस्वीकार कर दिया. इसके तुरंत बाद गुस्साए बीजेपी विधायकों ने कागज फाड़ दिए और विरोध प्रदर्शन किया. बाद में सुवेंदु ने तृणमूल कांग्रेस के अल्पसंख्यक मुस्लिम विधायकों को बाहर निकालने की चेतावनी दी. सुवेंदु की इस टिप्पणी से विवाद शुरू हुआ.

सुवेंदु पर कटाक्ष

ममता ने कहा कि हमारी पार्टी इस मुद्दे पर बहुत सख्त है. मैंने फिरहाद (मेयर फिरहाद हकीम) से कहा कि हम धर्म के बारे में बात नहीं कर सकते. हालांकि यह कहना सही नहीं होगा कि यह पार्टी का अंदरूनी मामला है. आपके नेता यह कैसे कह सकते हैं कि अगर मुसलमान जीत गए तो वे उन्हें हटा देंगे? आप 33 प्रतिशत को कैसे नकार सकते हैं? यह मौलाना अबुल कलाम आजाद का देश है. ममता राज्य बीजेपी के साथ-साथ केंद्र की बीजेपी सरकार पर भी निशाना साध रही थीं. ममता ने कटाक्ष किया कि आप मणिपुर नहीं चला सकते. आप बंगाल चलाओगे. मुख्यमंत्री के भाषण के बीच बीजेपी विधायक नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए. उन्होंने विधानसभा के गेट के बाहर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया.

यूपी में होली से पहले मस्जिदों को तिरपाल से ढंका

10 जिलों में जुमे की नमाज का वक्त बदला

शाहजहांपुर. इस बार होली 64 साल बाद रमजान के जुमे के दिन है.इससे पहले 1961 में 4 मार्च को होली और रमजान का शुक्रवार (जुमा) साथ-साथ था.रंग में भंग न पड़ जाए, इसके लिए उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशासन अलर्ट है.प्रदेश के 10 जिलों में जुमे की नमाज का वक्त बदल दिया गया है. मस्जिदों को रंग-गुलाल से बचाने के लिए तिरपाल से ढंक दिया गया है.शाहजहांपुर में सबसे ज्यादा 67 मस्जिदों को तिरपाल और पन्नी से ढंका गया है.यहां लाट साहब के जुलूस के लिए पुलिस संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर रही है.एक हजार से ज्यादा पुलिस जवान दूसरे जिलों से आए हैं. शाहजहांपुर में जूता मार होली खेलने की परंपरा 300 सालों से चली आ रही है.

होली के दिन यानी 14 मार्च को लाट साहब का लंबा-चौड़ा जुलूस निकलेगा.इसमें एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर भैंसा गाड़ी पर बिठाया जाता है.लोग उस पर रंग, जूते-चप्पल बरसाते हैं. शाहजहांपुर में लाट साहब के दो जुलूस निकाले जाते हैं, जिन्हें छोटे और बड़े लॉट साहब कहा जाता है.कोतवाल लाट साहब को सलामी देकर नेग देते हैं, इसके बाद जुलूस रोशनगंज, बेरी चौकी, अंटा चौराहा होते हुए थाना सदर बाजार क्षेत्र में प्रवेश करता है.

बाबा विश्वनाथ मंदिर पर जुलूस खत्म हो जाता है.चौक से निकलने वाले इस जुलूस का रूट करीब 8 किलोमीटर का होता है.इसलिए रास्ते की 67 मस्जिदों और मजारों को तिरपाल से ढंका गया है.जिससे उन पर रंग और गुलाल न पड़े.

एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात, नमाज का वक्त बदला

होली का त्योहार शांति से संपन्न कराने के लिए एसपी राजेश एस और डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह लगातार रूट मार्च कर रहे हैं.

आईजी, एडीजी और कमिश्नर तक जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर चुके हैं.पूरे जुलूस की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जाएगी.जुलूस वाले मार्ग पर जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया जाएगा.

एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी दूसरे जनपदों से बुलाए गए हैं.इनमें 212 महिला कॉन्स्टेबल, 30 इंस्पेक्टर और 250 सब इंस्पेक्टर शामिल हैं.इसके अलावा दो कंपनी आरएएफ और दो कंपनी पीएसी भी जिले में तैनात की जाएगी.सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट पर नजर रखने के लिए 9702 वॉलंटियर्स भी तैनात किए गए हैं.

शाहजहांपुर में लाट साहब के जुलूस मार्ग में पड़ने वाली मस्जिदों में जुमे की नमाज पौने 2 बजे होगी. शहर इमाम हुजूर अहमद मंजरी ने बताया- जामा मस्जिद में सवा एक बजे नमाज होती थी.अब शुक्रवार को पौने 2 बजे नमाज होगी.बहादुरगंज स्थित मस्जिद में भी दो बजे का समय किया गया है

'नीतीश कुमार ने मेरा अपमान किया'

विप में टकराव के बाद राबड़ी देवी भड़कीं

वह भंगेड़ी हैं. कुछ भी बोलते रहते हैं

पटना. बिहार विधान परिषद में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बीच टकराव देखने को मिला. इस दौरान राबड़ी देवी ने नीतीश की आलोचना करते हुए उन्हें महिला विरोधी बता दिया.

राबड़ी देवी ने विधान परिषद में कहा कि बिहार में कुछ भी काम नहीं हुआ है, जिसका नीतीश कुमार ने विरोध किया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के शासन में बिहार में कोई काम नहीं हुआ था. इनके पति पद से हट गए थे तो राबड़ी को मुख्यमंत्री बना दिया. इस पर राष्ट्रीय जनता दल की नेता और लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी ने कहा कि नीतीश कुमार दावा करते हैं कि बिहार में जो भी अच्छा हुआ है, वह 2005 के बाद हासिल हुआ है, जब वे सत्ता में आए थे. क्या उनका जन्म भी उसी साल हुआ था? उन्होंने कहा कि नीतीश विधान परिषद में भांग पीकर आते हैं. वह भंगेड़ी हैं. कुछ भी बोलते रहते हैं. सदन में भांग पीकर आते हैं और महिलाओं का अपमान करते हैं. उन्होंने सदन में हमें भी बेइज्जत किया. नीतीश कुमार कहते है कि 2005 में जब उनकी सरकार आई तो महिलाओं ने कपड़े पहनने शुरू किए तो क्या उससे पहले नीतीश कुमार के घर में मां-बहनें निर्वस्त्र रहती थी? आपने मेरा अपमान किया तो मतलब पूरे बिहार की महिलाओं का अपमान किया है. इसके बाद राजद ने सदन से वॉकआउट कर दिया और बाहर जाकर नारेबाजी करने लगे.

नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोग अब इधर-उधर नहीं जाएंगे. अब हम जिनके साथ हैं, अब उनके साथ ही रहेंगे. हम लोग 2005 में आए और लोगों के लिए काम किया. विपक्ष ने कोई काम नहीं किया था. बिहार में अब बहुत काम हुआ है. हमने मुसलमानों के लिए बहुत किया, पहले मुसलमानों का सिर्फ वोट लेते थे. हमने यहां हिंदू और मुसलमान का झगड़ा खत्म करवाया. राबड़ी देवी पर नीतीश कुमार के गुस्से को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार अचेत हो चुके हैं. उन्हें अब त्यागपत्र दे देना चाहिए. पूरा बिहार इस वक्त चिंता कर रहा है कि आखिर सरकार कैसे चल रही है? हम भगवान से कामना करते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्दी स्वस्थ हों. तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार सदन में बैठकर तरह-तरह का इशारा करते रहते हैं. राबड़ी देवी बिंदी लगाती हैं तो इशारे से पूछते हैं कि बिंदी क्यों लगाई हो.

बांग्लादेश की सेना में विद्रोह

क्या आर्मी चीफ के तख्तापलट की रची गई साजिश?

ढाका. इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया था बांग्लादेश की सेना के अंदर विद्रोह की लपटें उठ रही हैं. रिपोर्ट में कहा गया कि भारत विरोधी जमात-ए-इस्लामी ने पाकिस्तान समर्थक लेफ्टिनेंट जनरल फैजुर रहमान और अन्य जनरलों के साथ मिलकर मौजूदा आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमान को उनके पद से हटाने की साजिश रची थी. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना के अंदर अधिकारियों से पर्याप्त समर्थन नहीं मिलने के बाद इस प्लान को रद्द कर दिया गया. लेकिन बांग्लादेश की सेना ने एक बयान जारी करते हुए इस रिपोर्ट को निराधार बताया है. बांग्लादेश की इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन डायरेक्टोरेट यानी आईएसपीआर ने मंगलवार को इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे चिंताजनक बताया है. इसके अलावा इसने इस रिपोर्ट पर अपना विरोध भी दर्ज कराया है. रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया कि लेफ्टिनेंट जनरल रहमान ने बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के बीच तख्तापलट की आशंका के बीच अपनी ताकत को परखने के लिए सेना मुख्यालय में एक बैठक बुलाई थी. इसके अलावा इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ₹रहमान ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से मुलाकात की थी. इस बैठक में कथित तौर पर संवेदनशील जानकारी शेयर की गई थी, जिससे सेना के भीतर तनाव और बढ़ गया. इसके अलावा ऐसी अपुष्ट रिपोर्टें भी हैं, जिनमें कहा गया है कि रहमान ने तख्तापलट की कोशिश की थी, लेकिन वह असफल रही.

बांग्लादेश की सेना ने रिपोर्ट पर क्या कहा?

बांग्लादेश की सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि ₹भारतीय मीडिया में छपी रिपोर्ट पूरी तरह से बेबुनियाद है. बांग्लादेश में अस्थिरता फैलाने के मकसद से यह रिपोर्ट प्रकाशित की गई है. बांग्लादेश की सेना पूरी मजबूती के साथ एकजुट है.₹ बयान में इसके अलावा आगे कहा गया है कि ₹बांग्लादेश की सेना अपने आर्मी चीफ के नेतृत्व में संवैधानिक दायित्वों को लेकर प्रतिबद्ध है.₹ बांग्लादेश की सेना ने अपने अंदर तख्तापलट की खबरों को खारिज कर दिया है, लेकिन ईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ₹2025 के पहले दो महीनों में लेफ्टिनेंट जनरल फैजुर रहमान ने जमात नेताओं और पाकिस्तानी राजनयिकों के साथ कई बैठकें कीं. इन बैठकों की जानकारी जब बांग्लादेश के सेना प्रमुख को लगी तो वो सतर्क हो गए. इसके बाद जनरल फैजुर रहमान को निगरानी में रख दिया गया.आपको बता दें कि बांग्लादेश की सेना के मौजूदा आर्मी चीफ जनरल जमान सेना के राजनीतिक दखलअंदाजी के खिलाफ रहे हैं. वो एक ऐसी सेना की वकालत करते हैं जो राजनीति में शामिल ना हो. शेख हसीना के शासनकाल के दौरान भी उन्होंने सेना को राजनीति से पूरी तरह दूर रखा. शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद भी उन्होंने कहा है कि अंतरिम सरकार अस्थिर है और एक बार स्थिरता बहाल हो जाने पर, सेना को अपने बैरकों में वापस लौट जाना चाहिए.

इस्लाम से भी पहले के ग्रंथों में संभल का उल्लेख

1526 में विष्णु मंदिर तोड़कर नष्ट कर दिया गया : योगी

लखनऊ. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि इस्लाम से भी पहले के ग्रंथों में संभल का उल्लेख है. संभल में श्री हरि विष्णु मंदिर को 1526 में तोड़कर नष्ट कर दिया गया था. संभल का उल्लेख 5000 साल पुराने ग्रंथों में किया गया है. उनमें भगवान विष्णु के भावी अवतार का उल्लेख है. दूसरी ओर इस्लाम का उदय केवल 1,400 साल पहले हुआ. मैं ऐसी चीज़ की बात कर रहा हूं जो इस्लाम से कम से कम 2,000 साल पुरानी है. इन बातों के सबूत सदियों से मौजूद हैं. सीएम योगी ने कहा कि 1526 में संभल में भगवान विष्णु का मंदिर तोड़ा गया और 2 साल बाद 1528 में अयोध्या में राम मंदिर को भी तोड़ दिया गया था. आरएसएस से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका 'ऑर्गनाइजर' द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम 'मंथनः कुंभ और उसके आगे' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि दोनों कृत्य एक ही व्यक्ति द्वारा किए गए थे. आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में हर धर्म और पूजा पद्धति में कुछ अच्छे गुण होते हैं. मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि किसी की आस्था को जबरन छीनना और उनकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है. खासकर जब हम संभल के बारे में सच्चाई जानते हैं.मुख्यमंत्री ने कहा कि संभल एक ऐतिहासिक सत्य का प्रतिनिधित्व करता है और उन्होंने हमेशा इसके बारे में खुलकर बात की है. उन्होंने कहा कि मैं योगी हूं. मैं हर संप्रदाय, समुदाय और पूजा पद्धति का सम्मान करता हूं. अगर आप गोरखनाथ पीठ जाएं, तो आप देखेंगे कि वहां किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है. सभी जाति, क्षेत्र और संप्रदाय के लोग एक साथ बैठकर एक ही थाली में भोजन करते हैं. हमारे पूज्य संत, चाहे वे किसी भी धर्म से जुड़े हों, एक साथ बैठकर भोजन करते हैं और उन्हें समान सम्मान मिलता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि इसलिए मैं कहता हूं कि भारत की वैदिक परंपरा की भावना, जैसा कि उपनिषदों में व्यक्त किया गया है, हमारे अंदर गहराई से समाहित है. पूजा की हर पद्धति, चाहे वह सनातन धर्म से जुड़ी हो या दुनिया के किसी भी अन्य धर्म से, उसमें कुछ अंतर्निहित अच्छाइयां होती हैं, यही वजह है कि इतने सारे लोग उनका पालन करते हैं. विपक्षी दलों और आलोचकों की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों को पहले धर्मग्रंथों को पढ़ना चाहिए, उसके बाद ही मुझे उन पर बहस करने की चुनौती देनी चाहिए.

पाकिस्तान ट्रेन अपहरण | 'मुल्ला' मुनीर की सेना पर हर तरफ हमले

बलूचों से उलझ बुरा फंसा पाकिस्तान में हालात बेकाबू

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हालात बेकाबू हो गए हैं. पहले बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-पेशावर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया. इस ट्रेन में लगभग 500 यात्री सवार थे, जिसमें 100 से अधिक पाकिस्तानी सेना के जवान थे. इन्हें छुड़ाने के लिए मंगलवार रात से बलूच लिबरेशन आर्मी और पाकिस्तानी सेना में मुठभेड़ जारी है. इस बीच पूरे बलूचिस्तान से पाकिस्तानी सेना पर हमलों की खबरें हैं. बलूचिस्तान में अज्ञात सशस्त्र समूहों ने कई जिलों में पुलिस और अर्धसैनिक कर्मियों को निशाना बनाया है. विद्रोहियों ने कई थानों पर हमले कर हथियार लूटे हैं.

पुलिस का हथियार लूटकर भागे विद्रोही

रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात बंदूकधारियों ने मस्तंग के हिंदू मोहल्ला क्षेत्र में एक पुलिस चौकी पर हमला किया, पुलिस और ईगल स्क्वाड कर्मियों के हथियार और सामान लूट लिया और फिर घटनास्थल से भाग गए. एक अन्य घटनाक्रम में, हथियारबंद लोगों ने खुजदार के नाल क्षेत्र में ग्रोक लेवी चेकपोस्ट पर धावा बोला और लेवी कर्मियों से हथियार और मोटरसाइकिल छीन कर भाग गए.

पुलिस स्टेशनों पर हमले

खुजदार के वाध क्षेत्र में एक अलग हमला हुआ, जहां सशस्त्र लड़ाकों ने किल्ली सालेह मोहम्मद रोड पर एक पुलिस स्टेशन पर धावा बोला. हमलावरों ने पुलिस अधिकारियों को बंधक बना लिया, बाद में उन्हें बिना किसी नुकसान के रिहा कर दिया और स्टेशन से सभी सरकारी हथियार और उपकरण लूट लिए.

इसी तरह का हमला ओरमारा में हुआ, जहां अज्ञात हमलावरों ने मकुला इलाके में तटीय राजमार्ग पुलिस (10-एन) वाहन को निशाना बनाया. हमलावरों ने पुलिस वाहन को आग लगाने से पहले सरकारी हथियार और अन्य उपकरण लूट लिए.

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने हमलों की जिम्मेदारी ली

हमलों के बाद तत्काल जिम्मेदारी का कोई दावा नहीं किया गया. हालांकि, बाद में बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने वाध में पुलिस चौकी पर हमले की जिम्मेदारी ली. बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाराम बलूच ने कहा, ₹बीएलएफ के लड़ाकों ने 10 मार्च को रात करीब 11:00 बजे चौकी को घेर लिया, वहां मौजूद तीन पुलिस अधिकारियों को निहत्था कर दिया

और उनके सरकारी हथियार जब्त कर लिए.₹ हालांकि, समूह ने कथित तौर पर अधिकारियों को उनकी बलूच पहचान के कारण बिना किसी नुकसान के रिहा कर दिया.

बलूचिस्तान का शोषण कर रहा पाकिस्तान

उसी बयान में, BLF ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर बलूचिस्तान के ग्रामीण इलाकों में जानबूझकर पुलिस और लेवी चौकियां स्थापित करने का आरोप लगाया, दावा किया कि सरकार ₹हथियारों का गोदाम₹ बना रही है और स्थानीय रंगरूटों को बलूच लड़ाकों के खिलाफ ₹प्रॉक्सी₹ के रूप में इस्तेमाल कर रही है. मेजर ग्वाहरम ने दावा किया, ₹पाकिस्तानी राज्य जानबूझकर ग्रामीण इलाकों में पुलिस और लेवी चौकियां स्थापित कर रहा है.

उन्होंने कहा, ₹वे वहां हथियार जमा करते हैं, बलूच स्वतंत्रता सेनानियों के साथ अपने संघर्ष में स्थानीय रंगरूटों को प्रॉक्सी के रूप में इस्तेमाल करने का इरादा रखते हैं.

बलूचों को ढाल बना रहा पाकिस्तान

उन्होंने आगे कहा कि राज्य बलूच युवाओं के बीच आर्थिक कठिनाइयों और बेरोजगारी का फायदा उठा रहा है. उन्हें ₹अपने ही लोगों के खिलाफ हथियार उठाने₹ के लिए उकसा रहा है. उन्होंने कहा, ₹हम लेवी और पुलिस बलों में सेवारत सभी बलूच कर्मियों से आग्रह करते हैं कि वे BLF लड़ाकों से सामना होने पर प्रतिरोध से बचें.₹ उन्होंने यह भी कहा, ₹यह उनके और पूरे बलूच राष्ट्र के सर्वोत्तम हितों की पूर्ति करेगा.₹

मेहनाज क्षेत्र में फ्रंटियर कॉर्प्स पर हमला

इसके अलावा, BLF ने बुलेदा के मेहनाज क्षेत्र में फ्रंटियर कॉर्प्स (FC) वाहन पर एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) हमले की जिम्मेदारी भी ली. बीएलएफ के अनुसार, विस्फोट ने वाहन को पूरी तरह से नष्ट कर दिया, जिससे उसमें सवार सभी सात एफसी सैनिक मारे गए. मेजर ग्वाहरम ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और राज्य समर्थित परियोजनाओं को निशाना बनाना जारी रखने के बीएलएफ के दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए कहा, ₹हम बलूचिस्तान की मुक्ति प्राप्त होने तक अपने संघर्ष को जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं.₹

जा रही थी जिनेवा, लेकिन भारत की यात्रा की

एक्ट्रेस रान्या राव ने बताया

बेंगलुरु. सोना तस्करी मामले में बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार की गईं कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. अब इसमें नया खुलासा हुआ है. एक्ट्रेस ने पिछले साल नवंबर और दिसंबर में 2 बार दुबई में सोना खरीदा और वहां के सीमा शुल्क विभाग को बताया कि वह स्विट्जरलैंड के जिनेवा की यात्रा करेंगी, लेकिन उन्होंने जिनेवा के बजाए भारत की यात्रा की. इससे पता चलता है कि राव ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से भी झूठ बोला था. राव की गिरफ्तारी के बाद, बेंगलुरु राजस्व खुफिया निदेशालय ने छापेमारी के दौरान टेक सिटी में उनके घर से 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये नकद बरामद किए. रिपोर्ट के अनुसार, डीआरआई ने बताया कि एक्ट्रेस रान्या राव ने 13 नवंबर और 20 दिसंबर को दुबई में सोना खरीदा था और बताया था कि वह जिनेवा जा रही है. लेकिन अरेस्ट मेमो के अनुसार वह भारत आ गईं. राव ने यह माना है कि गिरफ्तारी से पहले वह कम से कम दो मौकों पर दुबई से भारत सोना लेकर आई थीं. डीआरआई अधिकारियों का मानना है कि उसने करीब 4.83 करोड़ रुपये की सीमा शुल्क चोरी की है. डीआरआई को दिए बयान में रान्या ने माना है कि उसने न सिर्फ दुबई, बल्कि यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व की भी यात्रा कर चुकी हैं. साथ ही यह भी स्वीकार किया था कि उसके पास से 17 सोने की छड़ें बरामद की गई थीं. इस बीच, कर्नाटक सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ. के रामचंद्र राव पर एयरपोर्ट के प्रोटोकॉल विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करके अपनी सौतेली बेटी एवं एक्ट्रेस रान्या राव के साथ सोने की तस्करी में शामिल होने के आरोपों की जांच शुरू की है.

विप चुनाव में दावेदारों की लंबी लाइन

BJP, NCP और शिवसेना में कई चेहरे रेस में आगे

मुंबई. महाराष्ट्र विधान परिषद की रिक्त हुई स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की 5 सीटों के लिए आवेदन भरने की अंतिम तारीख 17 मार्च है. जबकि 27 मार्च को चुनाव होने वाला है. विपक्षी दलों के लिए वोटों का पर्याप्त कोटा न होने के कारण महायुति के प्रत्येक दल में उम्मीदवारी के बीच होड़ बढ़ गई है. महायुति में बीजेपी को 3, शिवसेना और एनसीपी को 1-1 सीट मिली है. तीनों ही दल महाराष्ट्र की महायुति सरकार का हिस्सा हैं. बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस सीएम हैं. जबकि एकनाथ शिंदे और अजित पवार डिप्टी सीएम हैं.

बीजेपी की 3 सीटों पर इन 3 नामों के चयन की प्रबल संभावना

- दादाराव केचे, पूर्व विधायक आर्वी विधानसभा क्षेत्र. देवेंद्र फडणवीस के निजी सहायक सुमित वानखड़े को इस क्षेत्र से अवसर मिलने के कारण केचे का पुनर्वास.
- अमरनाथ राजूरकर, पूर्व कांग्रेस विधायक और अशोक चव्हाण के करीबी. उनके साथ बीजेपी में प्रवेश किया था.
- माधव भंडारी, बीजेपी के लंबे समय तक प्रवक्ता रहे हैं. जनसंघ से लेकर पार्टी संगठन में सक्रिय.

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के कोटे में भी एक सीट है. इसे लेकर नामों पर विचार शुरू हो गया है.

- संग्राम कोते पाटिल, राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस और विद्यार्थी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम किया. उत्तर महाराष्ट्र के शिर्डी विधानसभा क्षेत्र से युवा चेहरा. खेल, कला और सामाजिक क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क.
- सुनील टिंगरे, पूर्व विधायक वडगांव शेरी चुनावक्षेत्र से. अजित पवार के निष्ठावान के रूप में पहचान. पुणे में पार्टी संगठन को बढ़ाने में बड़ा योगदान.
- शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) कोटे में भी एक सीट है. इसके लिए दावेदारों की लंबी लाइन है. हालांकि अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है.

आरोपी हितेश मेहता का हुआ पॉलीग्राफ टेस्ट

122 करोड़ के घोटाले का मामला

मुंबई. न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक से जुड़े 122 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने मुख्य आरोपी हितेश मेहता का पॉलीग्राफ टेस्ट कराया गया. यह टेस्ट फोरेंसिक साइंस लैब (FSL) में विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जो करीब 2 घंटे 30 मिनट तक चला.सूत्रों के अनुसार, टेस्ट के दौरान हितेश मेहता से घोटाले से जुड़े लगभग 40 से 50 सवाल पूछे गए, जिनमें पैसों के ट्रांसफर, अन्य आरोपियों की भूमिका और बैंक फंड के दुरुपयोग जैसे प्रमुख सवाल शामिल थे. मेहता ने इन सवालों के जवाब 'हां' और 'ना' में दिए. EOW अधिकारियों ने बताया कि यह टेस्ट सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चला. इस दौरान घोटाले में शामिल अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका और पैसों के गबन की विस्तृत जानकारी हासिल करने की कोशिश की गई.

प्रोफेसर 7 छात्रों को ट्रैफिकिंग कर ले जा रहा था UK ?

मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

मुंबई. हरियाणा की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में खुद को प्रोफेसर बताने वाले को मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया है. उसके साथ 7 छात्र भी पकड़े गए हैं. कथित प्रफेसर का दावा है कि वह पकड़े गए छात्र पंजाब और हरियाणा के हैं. वह उन्हें यूके ले जा रहा था. बताया जा रहा है कि ये सब एक स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए जा रहे थे. लेकिन शक है कि वीजा पाने के लिए झूठी जानकारी दी गई थी.

पुलिस को लगता है कि यह मामला मानव तस्करी का हो सकता है. पुलिस ने पहले सातों युवाओं को हिरासत में लिया, लेकिन बाद में अदालत के आदेश पर उन्हें रिहा कर दिया गया. इनमें से तीन नाबालिग हैं. मतलब उनकी उम्र 18 साल से कम है.

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हम अभी तक यह पुष्टि नहीं कर पाए हैं कि यह प्रोफेसर हरियाणा के उस विश्वविद्यालय से जुड़ा है या नहीं, जैसा कि वह दावा कर रहा है. उसने अपना पहचान पत्र दिखाया है, लेकिन इसकी सच्चाई की जांच होनी बाकी है.' पुलिस अभी इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह पहचान पत्र असली है.सुबह करीब 12:30 बजे, दो युवा मुंबई हवाई अड्डे पर इमिग्रेशन काउंटर पर पहुंचे. उन्होंने अपने पासपोर्ट और वीजा दिखाए. यह एक सामान्य प्रक्रिया है. उनके पास यूके के विजिट वीजा थे. विजिट वीजा का मतलब है कि वे कुछ समय के लिए यूके घूमने जा सकते हैं. उन्होंने अधिकारी को बताया कि वे हरियाणा के एक विश्वविद्यालय के छात्र हैं. वे अपने प्रोफेसर के साथ एक छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए लंदन जा रहे हैं.

इस तरह अधिकारी को हुआ शक

अधिकारी ने उनसे पूछा कि वे हरियाणा के विश्वविद्यालय में कौन सा कोर्स कर रहे हैं और लंदन के किस विश्वविद्यालय में जा रहे हैं. दोनों युवा इसका सही जवाब नहीं दे पाए. अधिकारी को शक हुआ और उसने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया. उन्हें पता चला कि पांच और युवा भी उसी 'प्रोफेसर' के साथ लंदन जा रहे थे.

दिल्ली में बिट्टू नाम के युवक से मिले थे

जब 'प्रोफेसर' से पूछताछ की गई, तो उसने दावा किया कि वह अपने दो सहयोगियों के कहने पर काम कर रहा था. ये दोनों हरियाणा विश्वविद्यालय में वोकेशन हेड थे. इससे पहले, दिल्ली के एक होटल में उसकी बिट्टू नाम के एक एजेंट और उन सात युवाओं के साथ मुलाकात हुई थी जो यूके में बसना चाहते थे.

किडनैपर्स के चंगुल से बचाया गया 38 दिन का बच्चा

बेचने का था प्लान, 2 महिलाओं समेत 4 गिरफ्तार

मुंबई. महाराष्ट्र में मुंबई के गोरेगांव में पुलिस ने 38 दिन के एक बच्चे को किडनैपर्स के चंगुल से बचाया है. मासूम को गोरेगांव (पूर्व) इलाके से 4 सदस्यीय गिरोह ने बेचने के इरादे से अगवा किया था. एक अधिकारी ने बताया कि 2 महिलाओं समेत गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

2 मार्च को, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर कंबल बेचने वाले एक जोड़े ने वनराई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उनका 38 दिन का बेटा लापता है. अधिकारी ने बताया कि दंपति पालघर से सटे वसई जाने वाली अपनी ट्रेन पकड़ने से चूक गए थे और सड़क किनारे सो गए थे और वहीं से बच्चा लापता हो गया.

शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. उन्होंने बताया कि जांच के दौरान अपहरण का पहलू सामने आया, जिसके बाद अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई गईं. पुलिस ने लगभग 11,000 ऑटो-रिक्शा की जांच की और उनके ड्राइवरों से पूछताछ की क्योंकि उन्हें जानकारी मिली थी कि आरोपी इसी तरह के वाहन में यात्रा कर चुके हैं. अधिकारी के अनुसार, उनके प्रयास तब सफल हुए जब उन्होंने अपहरण से जुड़े एक व्यक्ति पर टारगेट किया और उसे मलाड (पश्चिम) में पकड़ लिया. इसके बाद आरोपी व्यक्ति ने अपहृत बच्चे के बारे में जानकारी दी, जिससे उसे बचाया जा सका.

बाद में, अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया. उन्होंने कहा कि गिरोह के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि वे अपहृत बच्चे को बेचने की योजना बना रहे थे. मामले की जांच चल रही है.

' ये लोग तो भाग जाएंगे पर देश जल जाएगा' : राऊत

मल्हार सर्टिफिकेट और BJP नेताओं के विवादित बयान का मामला

ये लोग देश में दंगे भड़काना चाहते हैं- संजय राऊत

उन्होंने कहा कि एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं कि तीन तलाक हाटने से मुस्लिम महिलाओं को राहत होती और दूसरी तरफ इनकी पार्टी के लोग इस तरह से बयानबाजी कर रहे हैं. ये लोग देश में दंगे भड़काना चाहते हैं और देश को फिर से तोड़ना चाहते हैं. ये लोग तो भाग जाएंगे पर देश जल जाएगा.

मुंबई. महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर से निकलने वाली तेज आवाज के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है. यह हाईकोर्ट का आदेश है. इसलिए अगर सरकार उस आदेश का पालन करती है, तो यह अच्छी बात है.

इसके अलावा 'मल्हार सर्टिफिकेट' को लेकर उन्होंने कहा कि इस समाज के एक बड़े नेता ने इसका विरोध किया है. ये लोग हिंदू-मुसलमान का विभाजन करके इस देश का विभाजन करना चाहते हैं. एक उत्तर प्रदेश की बीजेपी की विधायक है, जो कहती है कि मुसलमानों का अलग इलाज हो.

मंत्री नितेश राणे ने हिंदुओं से की है यह अपील

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने हिंदू समुदाय के सदस्यों द्वारा विशेष रूप से संचालित 'झटका' मटन की दुकानों को प्रमाणित किए जाने के मकसद से 'मल्हार प्रमाणन' शुरू करने की घोषणा की है. मंत्री ने कहा कि यह दुकानें 100 प्रतिशत हिंदुओं द्वारा संचालित होंगी और उन्होंने लोगों से ऐसी प्रमाणित दुकानों से मांस खरीदने की अपील की. 'झटका' मांस एक ही वार से मारे गए पशुओं का मांस होता है.

राणे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज हमने महाराष्ट्र में हिंदू समुदाय के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठाया है. इस अवसर पर मल्हार प्रमाणन 'डॉट कॉम' की शुरूआत की गई है.'' उन्होंने कहा कि 'मल्हार प्रमाणन' के माध्यम से हिंदू समुदाय को 'अपने लिए मटन की वैध दुकानों तक पहुंच' प्राप्त होगी, इन दुकानों का 100 प्रतिशत प्रबंधन हिंदुओं द्वारा किया जाएगा.

मंत्री ने कहा, ''मटन (बकरे के मांस) में कहीं भी कोई मिलावट नहीं पाई जाएगी.'' उन्होंने लोगों से मल्हार प्रमाणन वाली दुकानों से ही मटन खरीदने की अपील की और कहा कि उन दुकानों से मटन न खरीदें जिनके पास यह प्रमाणीकरण नहीं है. मंत्री ने कहा, ''इन प्रयासों से निश्चित रूप से हिंदू समुदाय के युवा आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे.''

खजाने के लालच में हुआ कंगाल

फिर तांत्रिक ने गुप्त अनुष्ठान को मांग ली बेटी

पुणे. महाराष्ट्र के जालना में एक रोंगटे खड़ा कर देने वाली खबर आई है. यहां एक व्यक्ति को परेशान करने और उसे आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में स्वयंभू बाबा को गिरफ्तार किया गया है. बाबा पर आरोप है कि उसने पीड़ित से कथित तौर पर यह मांग की थी कि वो अपनी पांच साल की बेटी को उसके पास भेजे. उसने दावा किया था कि वह उसकी बेटी के साथ कुछ गुप्त अनुष्ठान करना चाहता था.

पुलिस निरीक्षक किरण बिडवे ने बताया कि जालना पुलिस ने भोकरदन तहसील के वलसा वडाला गांव निवासी ज्ञानेश्वर अहेर (30) ने आत्महत्या कर ली थी. मामले में जांच के बाद आरोपी गणेश लोखंडे (45) को गिरफ्तार किया गया है.

पुलिस ने बताया कि तीन मार्च को अहेर ने पेड़ में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी. आरोपी यह गुप्त अनुष्ठान एक छिपे हुए खजाने का पता लगाने के मकसद से करने की योजना बना रहा था. निरीक्षक ने बताया कि पुलिस ने लोखंडे के खिलाफ अंधविश्वास एवं काला जादू विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है.

पुलिस के अनुसार अहेर और उनकी पत्नी बुलढाणा जिले के धामनगांव स्थित एक मंदिर गए थे. यहां वे लोखंडे के संपर्क में आए. उसने अनुष्ठान के नाम पर पीड़ित से कई बार रकम ऐंठी. उन्होंने बताया कि आरोपी ने दंपति से उनकी पांच वर्षीय बेटी को कथित तौर पर उसे सौंपने की मांग की और अहेर को धमकी भरे पत्र भेजने शुरू कर दिए.

एक खाली मकान भी खरीदा

अधिकारी के अनुसार, जांच में खुलासा हुआ है कि लोखंडे ने 15 महीने पहले धामनगांव में एक खाली मकान खरीदा था और अनुष्ठान करने के लिए उसके अंदर 20 फुट गहरा गड्ढा खोदा था. उन्होंने बताया कि परिसर में काले जादू और अन्य गुप्त प्रथाओं पर आधारित विधा के अंश पाए गए.

मकान के अंदर करते थे तंत्र-मंत्र

पुलिस ने कहा कि हमें घर के अंदर एक गड्ढा मिला, जहां लोखंडे ने कथित तौर पर गुप्त अनुष्ठान करने की योजना बनाई थी. यही कारण है कि वह अहेर पर यह दबाव बना रहा था कि वो अपनी बेटी को बलि अनुष्ठान के लिए उसके पास सौंप दे. अधिकारी ने बताया कि इस साजिश में और लोग शामिल थे या नहीं इसका पता लगाने के लिए जांच की जा रही है.

' फडणवीस के कथनी और करनी में कोई मेल नहीं '

शिवसेना-यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का तंज

मुंबई. शिवसेना-यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि उनकी कथनी और करनी में फर्क है. यह हमने बजट में देख लिया है. उन्होंने साथ ही कहा कि महाराष्ट्र में कर्ज का भार बढ़ रहा है और ऐसे में महायुति सरकार को उस पर ध्यान देना चाहिए.

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ₹देवेंद्र फडणवीस ऐसे बयान दे रहे हैं जिनकी कथनी और करनी में कोई मेल नहीं है, वह कुछ चीजें सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए करते हैं. उन्होंने महाराष्ट्र के लोगों से जो वादा किया है, चाहे वह लाडकी बहिन योजना हो, हमने बजट में देखा है कि न तो उन्हें 2100 रुपये मिल रहे हैं और न ही बजट में कोई प्रावधान है. जिन कल्याणकारी योजनाओं की बात की गई थी उस पर कोई प्रावधान नहीं है."

बढ़ते कर्ज को कम करने पर ध्यान दे सरकार - प्रियंका चतुर्वेदी

उन्होंने आगे, "बजट दिखा रहा है कि महाराष्ट्र में कर्ज का बोझ कैसे बढ़ रहा है, अगर वे इन चीजों पर ध्यान दें और इस दिशा में काम करें तो यह महाराष्ट्र और उसके विकास के लिए अच्छा होगा.₹ वहीं, तीन भाषा के मुद्दे पर निर्मला सीतरमण के बयान पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, "य़ह राज्य का विषय है. इस पर चर्चा के बाद फैसला लिया जा सकता है. लेकिन, इस मुद्दे पर बीजेपी ने अहंकार भरा रुख दिखाया है.

मसाज सेंटर चलाने वाली महिला से अश्लीलता

▌वीडियो वायरल करने की धमकी ▌आरोपियों ने पैसे भी ऐंठे

पुणे. महाराष्ट्र में पुणे के धनकवाड़ी में आयुर्वेदिक मसाज सेंटर चलाने वाली एक महिला को कथित तौर पर धमकाने और पैसे ऐंठने के आरोप में सहकारनगर पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है. मुख्य आरोपी ने खुद को एक राजनीतिक पार्टी का नेता बताते हुए कथित तौर पर महिला से अनुचित मांग की थी और मना करने पर सेंटर बंद करने की धमकी भी दी थी.

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना फरवरी में हुई, जब 40 वर्षीय महिला ने सहकारनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. आरोपी रोहित वाघमारे अपने दोस्त के साथ मसाज के लिए सेंटर गया था. सत्र के दौरान, वाघमारे ने कथित तौर पर अपनी शर्ट की जेब में अपने मोबाइल फोन की रिकॉर्डिंग ऑन रखी थी.इसके बाद उसने मसाज देते समय महिला पर टॉप उतारने का दबाव बनाया. जब उसने मना किया, तो उसने उसका आयुर्वेदिक सेंटर बंद करने की धमकी दी. बाद में, उसने कथित तौर पर 2 और साथियों को बुलाया और महिला से 20,000 रुपये की मांग की. साथ ही उसने धमकी दी कि महिला ने पैसे नहीं दिए तो वे उसका वीडियो लीक कर देंगे. शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और रोहित गुरुदत्त वाघमारे, शुभम चांगदेव धनवटे और राहुल ज्ञानेश्वर वाघमारे को गिरफ्तार किया. बताया जा रहा है कि आरोपियों में से एक पत्रकार है जिसका अपना यूट्यूब चैनल और अखबार है. अदालत ने आरोपियों को 12 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है, जबकि आगे की जांच जारी है.

वाइन-बीयर शॉप के लिए सोसायटी का NOC अनिवार्य

शराब की दुकानों को लेकर अजित पवार का बड़ा ऐलान

मुंबई. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार ने विधानसभा में ऐलान किया कि राज्य में किसी भी हाउसिंग सोसायटी के कमर्शल दुकानों में शराब, बियर की नई दुकान खोलने के लिए संबंधित सोसायटी की एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) अनिवार्य है. अगर सोसायटी एनओसी नहीं देगी तो उस सोसायटी में शराब या बियर की दुकान नहीं खोल सकेंगे. साथ ही, महानगरपालिका क्षेत्र के किसी वॉर्ड के लोग अगर शराब, बियर की कोई दुकान बंद करना चाहते हैं, तो मतदान कराने के बाद 75% लोग विरोध करते हैं, तो उसे बंद करना होगा. विधानसभा में विधायक महेश लांडगे, राहुल कुल सहित अन्य विधायकों ने इस ओर सरकार का ध्यान खींचा. विधायकों का कहना था कि राज्य में कई सारी हाउसिंग सोसायटी में बियर शॉप, शराब की दुकानें धड़ल्लें से खोली जा रही हैं. इससे वहां पर शराबियों के उपद्रव, वाद-विवाद और महिलाओं से छेड़छानी की घटनाएं बढ़ रही हैं. स्थानीय लोग भी बेवजह परेशान होते हैं. पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने बियर, शराब की दुकानें खोलने की नियम कानून में संशोधन की मांग की.

प्रकरण | कोर्ट ने इन शर्तों के साथ दी राहत

औरंगजेब बयान मामले में आजमी को अग्रिम जमानत

मुंबई. महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी को बड़ी राहत मिली है. मंगलवार (11 मार्च) को मुंबई की सेशन कोर्ट ने उन्हें औरंगजेब की तारीफ करने को लेकर दर्ज मामले में अग्रिम जमानत दे दी. हालांकि इसके साथ कोर्ट ने उनपर कुछ शर्तें भी लगाई हैं. अबू आजमी ने बीते दिनों दिए गए अपने विवादित बयान के चलते गिरफ्तारी से बचने के लिए मुंबई के सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी. दरअसल, सपा विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब की तारीफ की थी, जिसके बाद उनके खिलाफ कई स्थानों पर एफआईआर दर्ज की गईं.

दर्ज हुआ था केस : महाराष्ट्र विधानसभा के परिसर में अबू आजमी ने औरंगजेब को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया था, जिसके बाद इस बयान पर भारी विवाद खड़ा हो गया.

उनके इस बयान के बाद मुंबई और ठाणे पुलिस ने बीएनएसआईपीसी की धारा 299, 302, 356(1), 356(2) के तहत मामला दर्ज किया था.

कोर्ट ने लगाई ये शर्तें : मुंबई सेशन की सेशन कोर्ट ने अबू आजमी को अग्रिम जमानत देते हुए 20 हजार रुपये का सॉल्वेंट सिक्योरिटी बांड देने को कहा. साथ ही उन्हें जांच अधिकारी के समक्ष 12, 13 और 15 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच पेश होने का आदेश दिया.

इसके साथ ही कोर्ट ने उन्हें यह भी निर्देश दिया कि वह मामले के सबूतों से छेड़छाड़ न करें.

बयान से मचा था बवाल

बता दें कि सपा नेता अबू आजमी ने बीते दिनों मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ की थी, जिसके बाद काफी बवाल मचा. अबू आजमी ने कहा था, ₹औरंगजेब इंसाफ पसंद बादशाह था. उसके कार्यकाल में ही भारत सोने की चिड़िया बना. मैं औरंगजेब को क्रूर शासक नहीं मानता हू. औरंगजेब के समय में राजकाज की लड़ाई थी, धर्म की नहीं थी, हिंदू-मुसलमान की लड़ाई नहीं थी. औरंगजेब ने अपने कार्यकाल में कई हिंदू मंदिरों का निर्माण करवाया. औरंगजेब को लेकर गलत इतिहास दिखाया जा रहा है.₹ हालांकि,बाद में अबू आजमी ने अपने बयान पर सफाई पेश करते हुए कहा कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया.

अवैध संबंध में रोड़ा

पुणे में महिला ने प्रेमी की मदद से पति को मार डाला

पुणे. पुणे जिले के भोर तालुका में नीरा नदी के किनारे बोरी में एक युवक की लाश मिली. पुणे पुलिस ने कुछ ही घंटों में हत्या का खुलासा कर दिया. मृतक की कमीज पर लगे टेलर के टैग ने पुलिस को उसकी पहचान करने में मदद की. इससे पुलिस उसकी पत्नी और उसके प्रेमी तक पहुंची, जिन्होंने कथित तौर पर अपने अवैध संबंध का खुलासा होने पर उसकी हत्या कर दी थी. इस मामले में गिरफ्तार महिला योगिता भिसे और उसके प्रेमी शिवाजी बसवंत सुतार आरोपी हैं. मृतक पति का नाम सिद्धेश्वर भिसे है. पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख ने इसकी जानकारी दी है. पत्नी ने स्वीकार किया है कि उसने अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या की है.

क्या है मामला? : इस संबंध में पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार योगिता भिसे और शिवाजी सुतार के बीच कुछ समय से अवैध संबंध थे. हालांकि उनके प्यार में उसका पति एक बाधा था. पत्नी और उसके प्रेमी ने अपने पति को मारने का फैसला किया. इसके बाद 3 मार्च 2025 को पत्नी ने अपने प्रेमी की मदद से हडपसर स्थित अपने घर में पति की गला घोंटकर हत्या कर दी. इसके बाद उन्होंने उसके हाथ-पैर साड़ी के फंदे से बांध दिए और शव को एक बोरी में भर दिया.

आमिर को एक साथ मिले थे 400 फिल्मों के ऑफर

3 शिफ्ट में काम करता, घर आकर रोता, लगा दलदल में फंसा गया

आमिर खान को बॉलीवुड का मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है. लेकिन यह मुकाम हासिल करना उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था. इसके लिए उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ा. हालांकि, जब उनकी फिल्म कयामत से कयामत तक बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई, तो उनकी किस्मत ही बदल गई. इस फिल्म के बाद उन्हें एक या दो नहीं, बल्कि लगभग 300-400 फिल्मों के ऑफर मिले थे.

आमिर खान फिल्म फेस्टिवल के लॉन्च इवेंट में आमिर ने खुद इस बात का खुलासा किया. उन्होंने कहा, 'जब मैंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी, तब मैं जिस फिल्म को हां करता था, उससे कभी भी संतुष्ट नहीं हो पाता था. अक्सर मेरा दिल टूट जाता था. लेकिन जैसे ही मेरी फिल्म कयामत से कयामत तक ब्लॉकबस्टर हुई, तो मानो मेरी किस्मत ही बदल गई.

मुझे ढेर सारे ऑफर मिलने लगे. ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगभग 300 से 400 फिल्म के ऑफर मिले थे. अलग-अलग जगहों से प्रोड्यूसर मुझसे मिलने आते थे. उस समय मैं नया था. मुझे यह बिल्कुल भी एहसास नहीं था कि एक फिल्म साइन करना भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है. उस समय एक अभिनेता कम से कम एक साथ 30 से 50 फिल्मों पर काम करता था. बस यही देखकर मैंने भी एक साथ 9-10 फिल्में साइन कर लीं. जब इन फिल्मों की शूटिंग शुरू हुई, तो मुझे समझ में आया कि मैंने बड़ी गलती की थी.'

आमिर ने कहा, 'मैं एक दिन में तीन शिफ्ट्स में काम कर रहा था और खुश नहीं था. घर लौटकर मैं रोता था. मैं बहुत परेशान हो गया था. लेकिन मैंने उस समय यह सीखा कि सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट ही काफी नहीं होती, बल्कि डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और उनके विचार भी उतने ही जरूरी होते हैं.'

आमिर की मानें तो जब उनकी फिल्म लव लव लव, अव्वल नंबर और तुम मेरे हो फ्लॉप हुईं, तो उन्हें ऐसा लगा कि अब उनका करियर खत्म हो गया. कोई भी उन्हें कास्ट नहीं कर रहा था. उन्हें ऐसा लगता था कि वह एक दलदल में फंस गए हैं, और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था. हालांकि, इंद्र कुमार की फिल्म दिल ब्लॉकबस्टर हुई. बस इसके बाद एक बार फिर से उनका फिल्मी करियर ऊंचाइयों पर पहुंच गया.

आमिर खान के भांजे इमरान खान 10 साल बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री में वापसी करने जा रहे हैं. एक्टर की नेटफ्लिक्स फिल्म प्री-प्रोडक्शन पर है. इमरान की अपकमिंग फिल्म का नाम 'हैप्पी पटेल' है. इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे है और वीर दास फिल्म का डायरेक्शन कर रहे हैं. इमरान खान की पहली फिल्म जाने तू या जाने ना भी आमिर खान ने प्रोड्यूस की थी. वहीं, इमरान खान ने 2011 में रिलीज हुई फिल्म दिल्ली बेली में वीर दास के साथ काम किया था. एचटी सिटी की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अप्रैल में शुरू हो जाएगी. रिपोर्ट्स में कहा गया कि प्लेटफॉर्म इस बारे में पहला अनाउंसमेंट खुद करना चाहता है. भूमि पेडनेकर को इमरान खान के साथ फिल्म में लीड रोल के लिए कन्फर्म कर लिया गया है. सितंबर में खबर आई थी कि फिल्म की स्क्रिप्ट दानिश आलम लिखेंगे.

इमरान खान करेंगे कमबैक

फिल्म को नेटफ्लिक्स ने अप्रूव किया

फिल्म से जुड़े एक दूसरे सूत्र के मुताबिक, उन्होंने प्रोजेक्ट को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर लाने का फैसला किया है. जानकारी के मुताबिक पहली नजर में नेटफ्लिक्स ने फिल्म को अप्रूव कर दिया है. लेकिन तब तक फिल्म का स्क्रीनप्ले पूरी तरह तैयार नहीं था. इसलिए अभी तक मेकर्स और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के बीच कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया गया है. कॉन्ट्रैक्ट तभी साइन किया जाएगा जब स्क्रीनप्ले अप्रूव हो जाएगा.

2015 के बाद फिल्मों से गायब हैं इमरान

इमरान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह साल 2015 के बाद से किसी प्रोजेक्ट में नजर नहीं आए हैं. उनकी आखिरी फिल्म कट्टी बट्टी थी. इमरान ने फिल्म जाने तू या जाने ना से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. फिल्म 2008 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

कार्तिक की मां को चाहिए डॉक्टर बहू

कार्तिक आर्यन और साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला अपकमिंग फिल्म में साथ दिखाई देंगे. हाल ही में दोनों के अफेयर की खबरें सामने आई है. इसी बीच एक्टर की मां ने भी दोनों को लेकर अपनी चॉइस बताई है. राजस्थान के जयपुर में आईफा अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन हुआ. इस दौरान कार्तिक के को-होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर ने एक्टर की मां माला तिवारी से सवाल पूछा कि उनको बेटे लिए कैसी बहू चाहिए. इस सवाल को सुनने के बाद ऑडियंस में बैठे कई लोग अनन्या पांडे का नाम चिल्लाने लगे. करण ने अनन्या को ऑडियंस की डिमांड बताया, लेकिन कार्तिक की मां ने कहा- 'घर की डिमांड एक बहुत अच्छी डॉक्टर है.' एक्टर की मां का जवाब सुनते ही ऑडियंस में शोर होने लगा. दरअसल, श्रीलीला फिल्मों में करियर बनाने के साथ डॉक्टर बनने की पढ़ाई भी कर रही हैं.

एक्टर की मां को चाहिए डॉक्टर बहू

यह पहला मौका नहीं है जब एक्टर की मां ने उनके लिए अपनी पसंद जाहिर की हो. पिछले साल वह कपिल शर्मा के कॉमेडी शो का हिस्सा बनी थीं. इस दौरान भी उन्होंने यही कहा था कि उन्हें अपने घर की बहू एक अच्छी डॉक्टर चाहिए. कार्तिक के परिवार में सभी डॉक्टर हैं. उनकी मां माला तिवारी गायनोकॉलोजिस्ट हैं, पिता मनीष तिवारी बच्चों के डॉक्टर हैं और छोटी बहन कृतिका भी डॉक्टर बनने की पढ़ाई कर रही हैं. यही कारण है कि उनकी मां को घर में एक डॉक्टर बहू चाहिए.

कार्तिक के फैमिली फंक्शन में दिखी थीं श्रीलीला

कार्तिक और श्रीलीला की बात करें तो दोनों ही अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं. इसी बीच दोनों को की बार साथ में देखा जा चुका है. दोनों के अफेयर की चर्चा जब शुरू हुई तब एक्टर के घर में हुए फैमिली फंक्शन में श्रीलीला को देखा गया था. दोनों का एक वीडियो सामने आया था जिसमें श्रीलीला फंक्शन में डांस कर रही थीं और कार्तिक आर्यन अपने फोन में रिकॉर्डिंग कर रहे थे. फिलहाल, कार्तिक आर्यन और श्रीलीला की फिल्म के टाइटल को लेकर विवाद के चलते टाइटल डिसक्लोज नहीं किया गया है. कुछ दिन पहले दोनों का फर्स्ट लुक वीडियो सामने आया था. इस वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग ये अंदाजा लगा रहे हैं कि ये आशिकी सीरीज की फिल्म ही होगी. कार्तिक आर्यन की ये फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

नोरा को डायरेक्टर्स से मिला धोखा...

दिलबर, साकी–साकी जैसे कई गानों से देशभर में सेंसेशन बन चुकीं नोरा फतेही ने बताया है कि कई डायरेक्टर्स ने उनसे फ्री में गाने शूट करवाए थे. एक्ट्रेस ने बताया है कि डायरेक्ट उन्हें फिल्मों में लेने का वादा कर गाने शूट करवाते जरूर हैं, लेकिन बाद में गायब हो जाते हैं.

नोरा फतेही ने बीबीसी एशिया नेट को दिए इंटरव्यू में कहा, अब मैंने सेंसिटिव होना बंद कर दिया है. मैं पहले रोती थी, लेकिन अब मैंने चीजों के लिए रोना बंद कर दिया है. मैं रिजेक्शन से, गॉसिप से, काम न मिलने से हर्ट हो जाती थी. लेकिन अचानक मैंने महसूस किया है कि ये सब मेरे लिए मायने नहीं रखता. अगर आप मुझे न कहते हैं, मुझे काम नहीं देते, तो मैं खुद अपने लिए मौका ढूंढ लूंगी. आगे एक्ट्रेस ने कहा, मेरे पास रिसोर्स हैं, मैं बात कर सकती हूं, मैं स्मार्ट हूं. मुझे ये करने के लिए कोई और नहीं चाहिए. मैंने लोगों के, एंजेसियों के, डायरेक्टर्स और प्रोड्यसूर्स के भरोसे रहना बंद कर दिया है. कुछ मेरे पास आते हैं और कहते हैं, हे, क्या तुम मेरी फिल्म के लिए फेवर की तरह कोई गाना कर दोगी, हम वादा करते हैं कि अपनी अगली फिल्म में तुम्हें लेंगे. लेकिन वो ऐसा कभी नहीं करते. मेरे साथ कई डायरेक्टर्स ने ऐसा किया है और फिर वो गायब हो जाते हैं. तो अब मैंने उनके भरोसे रहना बंद कर दिया है. मैं ये तब ही करूंगी, जब मैं चाहूंगी. मुझे बदले में कुछ नहीं चाहिए. और इस तरह मैं आगे बढ़ रही हूं.

बताते चलें कि नोरा फतेही का जन्म कनाडा में हुआ था, जबकि उनके पेरेंट्स मोरक्कन हैं. कुछ समय तक मॉडलिंग करने के बाद करीब 10 साल पहले नोरा महज 5 हजार रुपए लेकर भारत आई थीं. मुंबई में शुरुआती समय में नोरा 10 लड़कियों के साथ फ्लेट शेयर करती थीं. लंबे संघर्ष के बाद नोरा साल 2014 की फिल्म रोर : टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन के गाने में नजर आईं. इसके बाद वो बाहुबली फिल्म के गाने मनोहरी में भी दिखीं. साल 2018 की फिल्म सत्यमेव जयते के गाने दिलबर से नोरा फतेही स्टार बन गईं. आगे वो साकी साकी, कमरिया, मनिके जैसे गानों में नजर आ चुकी हैं. गानों के अलावा नोरा फतेही ने स्ट्रीट डांसर, क्रेक, भारत जैसी फिल्मों में भी काम किया है. नोरा ने साल 2021 में परिणीति चोपड़ा को रिप्लेस कर फिल्म भुज : द प्राइड ऑफ इंडिया में जासूस हिना की भूमिका निभाई थी.

थलपति विजय के खिलाफ केस दर्ज

तमिल एक्टर से राजनेता बने थलपति विजय के खिलाफ चेन्नई में FIR दर्ज की गई है। उन पर मुस्लिम समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। दरअसल, बीते दिनों थलपति विजय ने रमजान का पवित्र महीना शुरू होने पर इफ्तार पार्टी आयोजित की थी। इस दौरान उन्होंने न केवल मुस्लिम समुदाय के साथ इफ्तार किया, बल्कि खुद भी एक दिन का रोजा रखा था। इस पार्टी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। एक तरफ जहां कई लोगों ने विजय के इस कदम की तारीफ की। वहीं, दूसरी ओर कई ने उनकी आलोचना भी की। इतना ही नहीं, उनकी फिल्मों को बॉयकॉट करने की भी मांग की गई। मुताबिक, इस मामले में अब तमिलनाडु सुन्नत जमात की ओर से चेन्नई पुलिस आयुक्त कार्यालय में थलपति विजय के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इफ्तार के दौरान उन्होंने मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है।

एक्टर के खिलाफ हो कानूनी कार्रवाई- सैयद गौस

तमिलनाडु सुन्नत जमात के कोषाध्यक्ष सैयद गोस ने कहा इफ्तार कार्यक्रम में कुछ ऐसे लोग भी मौजूद थे, जिनका न तो रोजे से कोई संबंध था और न ही इस्लामी प्रथाओं से। इसमें शराबी और गुंडे भी शामिल थे। इस कारण मुस्लिम समुदाय की पवित्रता का अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हो इसलिए कानूनी कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया है कि वे ये शिकायत अपना प्रचार करने के लिए नहीं कर रहे हैं, बल्कि भविष्य में होने वाले समारोहों में सम्मान और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए कर रहे हैं। थलपति विजय जल्द ही 'जन नायकन' में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन एच विनोथ कर रहे हैं। इस फिल्म में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज, प्रियामणि सहित कई स्टार्स नजर आएंगे।

होली का त्योहार बॉलीवुड गानों के बिना अधूरा...

14 मार्च को देश भर में रंगों का त्योहार होली मनाया जाएगा. होली का पर्व बॉलीवुड गानों पर नाच-गाने के बिना अधूरा है. बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक ऐसे गाने बनाए गए हैं जिन्हें आप होली पार्टी में एंजॉय कर सकते हैं. हम आपको ऐसे ही कुछ बेहतरीन गानों की लिस्ट से रुबरू करा रहे हैं जिनपर आप होली में झूम सकते हैं. सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' इसी साल ईद के मौके पर रिलीज होने जा रही है. फिल्म से पहले इसका होली सॉन्ग 'बम बम भोले' रिलीज हो गया है. सिंगर शान की आवाज और सलमान खान के स्टेप्स के साथ आप इस होली इस गाने पर जमकर डांस कर सकते हैं.

पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'देवा' के गाने 'होलिया' दर्शकों को काफी पसंद आया था. निकिता गांधी और आशा सपेरा की आवाज में गाया गया ये गाना एनर्जी से भरपूर हैं. होली पार्टी पर दोस्तों संग झूमने के लिए ये एक परफेक्ट गाना है.

फिल्म 'जबरिया जोड़ी' के गाने 'खड़के ग्लासी' में भी होली का रंगारंग सीन देखने को मिला. इस गाने के लिरिक्स से लेकर बेस और म्यूजिक तक आपको थिरकने पर मजबूर कर देंगे. होली के लिए आप इसे अपनी प्लेलिस्ट में शामिल कर सकते हैं.

'ये जवानी है दीवानी' का होली सॉन्ग 'बलम पिचकारी' अब सदाबहार हो गया है. इस गाने के बिना होली का त्योहार अधूरा है. इस गाने की एनर्जी, लिरिक्स और म्यूजिक इतना जबरदस्त है कि बस ये गाना बजने की देर है, इसपर ठुमके लगाने से आप खुद को रोक नहीं पाएंगे.

फिल्म 'नदिया के पार' का गाना 'जोगी जी धीरे धीरे' काफी पुराना हो गया है, लेकिन ये गाना अब भी होली पर ट्रेंड में बना हुआ है. इंस्टाग्राम पर होली पर बनाई जा रहीं रील्स में ये गाना खूब ट्रेंड कर रहा है. ऐसे में होली पार्टी के गानों की प्लेलिस्ट में इसका शुमार होना तो लाजमी है.

'वक्त' फिल्म का गाना 'डू मी अ फेवर लेट्स प्ले होली' भी हर साल होली पर लोगों की प्लेलिस्ट में शुमार रहता है. इस गाने की धुन और बोल आपको इसपर नाचने के लिए मजबूर कर देते हैं.

निफ्टी मेटल इंडेक्स में गिरावट

स्टील और एल्युमीनियम पर अमेरिकी टैरिफ लागू होने का दिखा असर

मुंबई. जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और टाटा स्टील लिमिटेड के शेयर की कीमतों में बुधवार को गिरावट आई, जिसका असर निफ्टी मेटल इंडेक्स पर भी पड़ा. इंडेक्स में गिरावट दर्ज की गई. यह गिरावट तब आई जब अमेरिका ने स्टील और एल्युमीनियम पर नए टैरिफ लगाए, जिससे ग्लोबल मार्केट के सेंटीमेंट पर असर पड़ा. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिना किसी छूट के स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की. इस कदम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में मेटल की कीमतों पर असर पड़ने की उम्मीद है. एल्युमी-नियम की दिग्गज कंपनी एल्कोआ कॉर्प सहित अमेरिकी उद्योगों द्वारा जताई गई चिंताओं के बावजूद ट्रंप ने टैरिफ बढ़ोतरी जारी रखी. एल्कोआ ने चेतावनी दी थी कि इन टैरिफ से हजारों नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं और पहले से ही मुद्रास्फीति से जूझ रहे अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ सकती है. इस खबर के बाद निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.85 प्रतिशत गिरकर 8,732.95 के निचले स्तर पर आ गया. जबकि निफ्टी में 0.65 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई और यह 22,351.9 पर कारोबार कर रहा था. शुरुआती कारोबार में, निफ्टी मेटल 0.85 प्रतिशत बढ़कर 8,972.60 पर पहुंच गया था, लेकिन बाद में यह लाल निशान पर आ गया.

दोपहर तक निफ्टी मेटल इंडेक्स पर जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और टाटा स्टील लिमिटेड सबसे ज्यादा गिरावट में रहे. इस बीच, वेदांता लिमिटेड और वेलस्पन कॉरपोरेशन ने इंडेक्स को कुछ सपोर्ट दिया. मेटल कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 12,830 करोड़ रुपये की गिरावट आई, जिससे सेक्टर का कुल मूल्यांकन घटकर 15.77 लाख करोड़ रुपये रह गया. निफ्टी मेटल इंडेक्स में ज्यादातर शेयरों में गिरावट दर्ज की गई. एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड ने 2.91 प्रतिशत की सबसे ज्यादा इंट्राडे गिरावट दर्ज की, जो 1,406.80 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था. जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड और रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड में भी क्रमशः 3.10 प्रतिशत और 1.17 प्रतिशत की गिरावट आई. हालांकि, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड और वेलस्पन कॉरपोरेशन ने इस रुझान को पलटते हुए सूचकांक में बढ़त के साथ कारोबार किया. इस बीच, बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में मिश्रित वैश्विक संकेतों के चलते सपाट शुरुआत हुई.

सोना-चांदी ओल कमेटी के अध्यक्ष बने राजेश रोकडे

नागपुर. सोमवार को सोना चांदी ओल कमेटी (नागपुर सराफा एसो-सिएशन) सराफा बाजार इतवारी की तीन वर्षीय सर्वसाधारण सभा पुरुषोत्तम कावले की अध्यक्षता में हुई. सभा में नई कार्यकारिणी मंडल का चुनाव किया गया, जिसमें राजेश रोकडे निर्विरोध कमेटी के अध्यक्ष चुने गए. चुनाव अधिकारी दीपक जव्हेरी एवं उनकी टीम ने चुनाव कराया. नवनि-र्वाचित कार्यकारिणी में राजेश रोकडे (अध्यक्ष), पंकजभाई बखाई एवं मनोज रांवका (उपाध्यक्ष), अंशुल हरडे (सचिव), अनूप उदापुरे (सहसचिव), राजेशा शाह (कोषाध्यक्ष) शामिल हैं. कार्यकारिणी सदस्यों में अभयकुमार कोठारी, अनिष्ठ घरमठोक, राहुल आसरे, हिमांशु अमरकर, नीरज धाराशिवकर, जलोश काटकोरिया, अभिषेक अग्रवाल, राजेश लोंदे, विशाल रोकडे शामिल हैं. प्रमुख मार्गदर्शक पुरुषोत्तम कावले, राजेन्द्र काटकोरिया, मनुभाई सोनी, राजकुमार गुप्ता, रविकांत हरडे, दिलीप मोढ़ हैं.

रैपिडो ने बनाया नए बिजनेस का प्लान, बढ़ेगी स्विगी-जोमैटो की टेंशन!

नई दिल्ली. ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनी स्विगी और जोमैटो की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. दरअसल, राइड-शेयरिंग ऐप रैपिडो भी फूड डिलीवरी सर्विस के कारोबार में शामिल होने की तैयारी कर रही है. द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार रैपिडो ऐप अपने परिचालन को बढ़ाने और नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए रेस्तरां मालिकों से बातचीत कर रही है.

रेस्तरां मालिकों से हो रही बात : न्यूज रिपोर्ट के अनुसार रैपिडो के कुछ अधिकारी रेस्तरां मालिकों से मिल रहे हैं और एक व्यवसाय योजना पर काम कर रहे हैं. इसका मकसद जोमैटो और स्विगी जैसे ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के कमीशन स्ट्रक्चर को चुनौती देना होगा. चर्चाएं अभी भी चल रही हैं और योजनाएं अभी तक अंतिम रूप नहीं दी गई हैं. कंपनी पहले से ही अपने दोपहिया वाहनों का उपयोग करके व्यक्तिगत रेस्तरां के लिए डिलीवरी सर्विसेज प्रोवाइड करती है. बता दें कि रैपिडो ने साल 2015 में बाइक-टैक्सी प्लेटफॉर्म के रूप में अपना परिचालन शुरू किया. एक दशक से भी कम समय मे, यह देश के राइड-शेयरिंग स्पेस में दूसरे स्थान पर पहुंच गया.

पहले से ही 100 शहरों में मौजूद रैपिडो का लक्ष्य 2025 तक देश भर के 500 शहरों में अपनी सेवा का विस्तार करना है.

बीते दिनों रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटूपल्ली ने आईपीओ को लेकर योजना के बारे में बताया था. गुंटूपल्ली ने बताया था कि रैपिडो अच्छी वृद्धि दर्ज कर रही है, अच्छी तरह से पूंजीकृत है और स्थिति के आधार पर निर्णय लेगी. उन्होंने कहा कि फिलहाल कंपनी का मुख्य ध्यान वृद्धि पर है.

रैपिडो अपनी ऑटो, बाइक टैक्सी और कैब सेवाओं पर हर दिन लगभग 33 लाख लोगों को यात्रा की सुविधा प्रदान करती है. रैपिडो को स्थायी रूप से वृद्धि करने की उम्मीद है. प्रतिदिन लगभग 33 लाख सवारी में से 50 प्रतिशत से अधिक (15 लाख) दोपहिया श्रेणी में, लगभग 13 लाख सवारी तिपहिया श्रेणी में और पांच लाख सवारी चार पहिया श्रेणी में होती हैं.

भारत के रियल एस्टेट डेवलपर्स के लिए अवसर

62,000 करोड़ रुपये निवेश के लिए खुले

नई दिल्ली. भारत में रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2024 के दौरान 23 प्रमुख शहरों में 39,742 करोड़ रुपये मूल्य की 2,335 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है. यह जानकारी बुधवार को जारी जेएलएल की रिपोर्ट में दी गई. रिपोर्ट में बताया गया कि इस अधिग्रहण ने 194 मिलियन स्क्वायर फीट के रियल एस्टेट डेवलपमेंट के रास्ते खोल दिए हैं. इसमें करीब 62,000 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी. रिपोर्ट में बताया गया कि 2024 में भी टियर 1 शहरों का प्रभुत्व बना हुआ है. कुल जमीन खरीद में इन शहरों की हिस्सेदारी 72 प्रतिशत थी. हालांकि, टियर 2 और टियर 3 शहर एक महत्वपूर्ण 28 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने में कामयाब रहे हैं जो 662 एकड़ जमीन के बराबर होता है. रिपोर्ट में बताया गया कि नागपुर, वाराणसी, इंदौर, वृंदावन और लुधियाना जैसे शहर भूमि अधिग्रहण के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं. जेएलएल विश्लेषण से पता चलता है कि प्रति एकड़ भूमि की लागत पिछले तीन वर्षों में लगातार बढ़ी है, जो 2022 में लगभग 11 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 17 करोड़ रुपये हो गई है. कोविड-19 के बाद 2024 कार्यालय और आवासीय परिसंपत्ति वर्ग में रियल एस्टेट के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला वर्ष साबित हुआ है. रिपोर्ट्स में कहा गया कि रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी जारी है. डेवलपर्स भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिए जमीन खरीदने में निवेश कर रहे हैं. मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) 2024 के लिए भूमि अधिग्रहण में अग्रणी बनकर उभरा है, जहां डेवलपर्स ने 19 अलग-अलग सौदों के माध्यम से लगभग 407 एकड़ जमीन हासिल की है, जो वर्ष के कुल भूमि लेनदेन का 17 प्रतिशत है. वहीं, एनसीआर में गुरुग्राम में सबसे अधिक 21 सौदे हुए, इसके बाद नोएडा में 14 और गाजियाबाद में एक सौदा हुआ.

भारत के टैरिफ लगाने से मच गया बवाल, व्यापार करना बिल्कुल भी नहीं आसान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन : पिछले कुछ दिनों से पूरी दुनिया में टैरिफ वॉर छिड़ चुकी है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से ही ये उम्मीद की जा रही थी. इसी सिलसिले में अमेरिका ने एक बार फिर से भारत के द्वारा अपने माल पर लगाए जाने वाले टैरिफ का मुद्दा उठाते हुए अपनी शराबी और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स पर हाई टैरिफ का हवाला दिया है. व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने मंगलवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कनाडा पर किए गए एक सवाल का जवाब देते हुए भारत के द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा है कि कनाडा पिछले कई दशकों से अमेरिका और मेहनतकश अमेरिकियों को लूट रहा है. अगर आप कनाडा के लोगों द्वारा अमेरिकी लोगों और हमारे यहां काम करने वालों पर लगाए गए टैरिफ को देखें, तो यह बहुत ही भयानक हैं. असल में, मेरे पास यहां एक आसान लिस्ट है जो न केवल कनाडा, बल्कि पूरे देश में टैरिफ की दर को दर्शाता है. अगर आप कनाडा को देखें, अमेरिकी पनीर और मक्खन पर लगभग 300 प्रतिशत टैरिफ लगाता है.

लीविट ने कहा कि आप भारत को देखिए, ये देश अमेरिकी शराब पर 150 प्रतिशत टैरिफ लगाता है. आपको लगता है कि इससे केंटकी बॉर्बन को भारत में एक्सपोर्ट करने में मदद मिल रही है? मुझे ऐसा नहीं लगता. भारत से एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ है. जापान को देखिए, चावल पर 700 प्रतिशत टैरिफ है.

लीविट ने एक लिस्ट दिखायी जिसमें भारत, कनाडा और जापान द्वारा लगाए गए टैरिफ दिखाए गए थे. लिस्ट पर, तिरंगे के रंगों वाले दो वृत्त भारत द्वारा लगाए गए टैरिफ को दर्शाते हैं. उन्होंने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बराबरी में विश्वास करते हैं, और अब समय आ गया है कि हमारे पास एक ऐसा राष्ट्रपति हो जो वास्तव में अमेरिकी बिजनेस और श्रमिकों के हितों का ध्यान रखे, और वह दिन के आखिर में केवल निष्पक्ष और संतुलित व्यापार प्रथाओं की मांग कर रहे हैं और दुर्भाग्य से, कनाडा पिछले कई दशकों से हमारे साथ बिल्कुल भी निष्पक्ष व्यवहार नहीं कर रहा है.

राष्ट्रपति ट्रंप पिछले कुछ दिनों से भारत द्वारा लगाए जा रहे हाई टैरिफ की आलोचना कर रहे हैं. ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने टैरिफ में 'काफी कमी' करने पर सहमत हो गया है. साथ ही, उन्होंने अपने इस दावे को भी दोहराया कि भारत अमेरिका पर भारी टैरिफ लगाता है.

रंगों का त्योहार बदलेगा इन राशियों की किस्मत

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व होली हर साल फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। यह पर्व देश और दुनिया के कई देशों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर लोग एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाते हैं। इस साल 14 मार्च को होली मनाई जाएगी। ज्योतिषियों की मानें तो होली पर मंगलकारी लक्ष्मी नारायण योग बन रहा है। लक्ष्मी नारायण योग बनने से कई राशि के जातकों के जीवन में नया सवेरा होगा। उनकी किस्मत सूरज की तरह चमकने लगेगी। साथ ही किस्मत का पिटारा खुल जाएगा।

लक्ष्मी नारायण योग

वर्तमान समय में ग्रहों के राजकुमार बुध देव और सुखों के कारक शुक्र देव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में पूर्व से मायावी ग्रह केतु उपस्थित हैं। बुध और शुक्र की युति से मीन राशि में लक्ष्मी नारायण योग बन रहा है। इस राशि से कई राशि के जातक लाभान्वित होंगे।

वृषभ राशि : लक्ष्मी नारायण योग से वृषभ राशि के जातकों को सबसे अधिक फायदा हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कोई बड़ी मनोकामना पूरी होगी। भाई और बहनों का प्यार मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। सोचे हुए काम पूरे होंगे। शेयर मार्केट से धन लाभ होगा। निवेश से भी बात बनेगी। आसान शब्दों में कहें तो दोगुना धन लाभ होगा। हालांकि, अकारण तनाव की समस्या घर कर सकती है। इससे दूर रहें। परम पिता परमेश्वर पर यकीन रखें। लक्ष्मी नारायण जी की कृपा से बिगड़े काम बनेंगे। घर में मंगल का आगमन होगा। कारोबार में तेजी आएगी।

कन्या राशि : होली के दिन कन्या राशि के जातकों को पार्टनर का पूरा साथ मिलेगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। कारोबार में दोगुना लाभ मिलेगा। बुध देव की विशेष कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से कन्या राशि के जातकों को कारोबार में लॉटरी लग सकती है। कोई बड़ी डील हाथ लग सकती है। निवेश से लाभ होगा। पार्टनर के साथ खूबसूरत पल बिताएंगे। जीवनसाथी हर काम में आपको सहयोग करेगी। वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी। पार्टनरशिप में किए गए कामों में सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि : लक्ष्मी नारायण योग से कुंभ राशि के जातकों को आय में बढ़ोतरी होगी। वहीं, खर्च भी बहुत अधिक होगा। कारोबार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलेंगे। इससे न केवल कारोबार में लाभ होगा, बल्कि भविष्य की भी प्लानिंग करेंगे। धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा से बड़ी मनोकामना पूरी होगी। घर में खुशियों का माहौल रहेगा। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के सदस्यों के मध्य प्रेम और स्नेह का भाव रहेगा।

होलिका दहन

होली का त्योहार दो दिन का होता है. पहले दिन पूर्णिमा की रात को होली जलाई जाती है और अगले दिन दुल्हेंडी के दिन होली का रंग खेला जाता है. होलिका दहन से पहले उसकी पूजा की जाती है. होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और कहा जाता है कि इससे समृद्धि और खुशियां आती हैं और सभी नकारात्मकता और बीमारियां नष्ट हो जाती हैं. होलिका दहन की पूजा के लिए कौन-कौन सी सामग्री की जरुरत होती है यहां जान लें पूरी लिस्ट.

पूजा सामग्री : होलिका दहन की पूजा सामग्री में कुछ वस्तुओं का होना बहुत जरूरी माना जाता है. इस होली की पूजा में घर की बनी गुजिया जरूर अर्पित करनी चाहिए. होलिका दहन की पूजा सामग्री में कच्चा सूती धागा, नारियल, गुलाल पाउडर, रोली, अक्षत, धूप, फूल, गाय के गोबर से बनी गुलरी, बताशे, नया अनाज, मूंग की साबुत दाल, नारियल, सप्तधान, जल से भरा कलश, हल्दी का टुकड़ा और एक कटोरी पानी लें. सभी वस्तुओं को एक थाली में सजाकर पूरे परिवार के साथ जाकर होलिका मइया की पूजा करें. इस दिन घर में बने हुए 7 तरह के पकवानों और पूजन सामग्री से होलिका पूजा होती है. भोग भी लगाया जाता है साथ ही होलिका दहन देखना भी शुभकारी माना जाता है. मान्यता है इससे मन की नकारात्मकता का भी दहन होता है और मन की ऊर्जा बढ़ती है.

शुभ मुहूर्तः होलिका दहन का शुभ मुहूर्त 13 मार्च को रात 11:26 बजे से 14 मार्च को रात 12:30 बजे तक रहेगा.

पूर्णिमा तिथिः पंचांग के अनुसार पूर्णिमा तिथि 13 मार्च को सुबह 10:35 बजे शुरू होकर 14 मार्च को दोपहर 12:23 बजे समाप्त होगी.

भद्रा कालः पंचांग के अनुसार भद्रा काल 13 मार्च को सुबह 10:35 बजे से रात 11:26 बजे तक रहेगा. भद्रा काल में होलिका दहन करना वर्जित है. इसलिए, होलिका दहन भद्रा काल के समाप्त होने के बाद ही किया जाता है.

महत्वः होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और समृद्धि लाने का प्रतीक है.

होलिका दहन पूजनः होलिका दहन के दौरान, लोग होलिका की पूजा करते हैं और अग्नि जलाकर बुराई पर अच्छाई का जश्न मनाते हैं. होलिका दहन के बाद राख को घर लाकर तिलक लगाने की भी परंपरा है.

होली से जड़ी मान्यता : फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को कश्यप ऋषि के जरिए अनुसूया के गर्भ से चंद्रमा का जन्म हुआ था इसलिए इस तिथि पर चंद्रमा की विशेष पूजा और अर्घ्य देने का विधान बताया गया है. फाल्गुन महीने की पूर्णिमा पर चंद्रमा की पूजा करने से रोग नाश होता है. इस त्योहार पर पानी में दूध मिलाकर चंद्रमा को अर्घ्य देना चाहिए.

होली पर भद्रा

होलिका दहन 13 मार्च 2025 को फाल्गुन पूर्णिमा पर होगा. होलिका दहन के लिए भद्रा रहित प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा तिथि उत्तम मानी जाती है. हिंदू धर्म में अशुभ माना जाता है और भद्रा लगने पर कोई भी शुभ काम नहीं किए जाते.

फाल्गुन पूर्णिमा 2025 तिथि

फाल्गुन पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 13 मार्च 2025 को सुबह 10.35 मिनट पर होगी और अगले दिन 14 मार्च को दोपहर 12.23 तक रहेगी. फाल्गुन पूर्णिमा यानी होलिका दहन वाले दिन चंद्र ग्रहण भी रहेगा.

होलिका दहन पर भद्रा का समय (Bhadra Time)

13 मार्च को भद्रा पूंछ शाम 06.57 मिनट से रात 08.14 तक रहेगा. इसके बाद भद्रा मुख का समय शुरू हो जाएगा जो रात 10.22 मिनट तक रहेगा. इसके बाद ही होलिका दहन करना शुभ होगा.

होलिका दहन 2025 मुहूर्त (Holika Dahan 2025 Muhurat)

होलिका दहन के लिए 13 मार्च को रात 11 बजकर 2 6 से देर रात 12 बजकर 30 मिनट का समय उत्तम है. होलिका दहन के लिए करीब 1 घंटे का शुभ मुहूर्त है.

भद्रा में होलिका दहन क्यों नहीं करते ?

पुराणों के अनुसार भद्रा सूर्य की पुत्री और शनि देव की बहन है. भद्रा क्रोध की स्वभाव की मानी गई है. इसी वजह से भद्रा के समय किसी भी काम की शुरुआत वर्जित मानी गई है. भद्राकाल में होलिका दहन करना अनिष्टा का स्वागत करने के समान है. यही वजह है कि होलिका दहन से पहले भद्रा पर जरुर विचार किया जाता है. भद्र योग कर्क, सिंह, कुंभ व मीन राशि में चन्द्रमा के विचरण पर भद्रा विष्टिकरण का योग होता है तब भद्रा पृथ्वी लोक में निवास करती है.

भारत के अलग-अलग हिस्सों की होली

देश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे और इन नामों से मनाई जाती है होली

होली का त्योहार चंद्र कैलेंडर के अनुसार पूर्णिमा के आखिरी दिन मनाया जाता है. भारत में कई अन्य जगहों में अलग-अलग नामों से तरह-तरह के रीति-रिवाज़ के साथ होली मनाई जाती है, क्या आप भी जानना चाहते हैं कि भारत में ऐसे कौनसे हिस्से हैं? होली का त्योहार सिर्फ रंगों और गुझिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खुशियों और परंपराओं का भी प्रतीक है. भारत के अलग-अलग राज्यों में इसे अलग नामों और तरीकों से मनाया जाता है. कहीं इसे लठमार होली कहा जाता है, तो कहीं होला मोहल्ला.यह त्योहार हमारी परंपराओं का रंगीन मेल है. हर जगह इसे अपने खास अंदाज में मनाया जाता है. बरसाना की लठमार होली और वृंदावन की फूलों की होली बहुत प्रसिद्ध हैं.

1.ब्रज की लठमार होली:
उत्तर प्रदेश के बरसाना और नंदगांव में लठमार होली खेली जाती है. यह भगवान कृष्ण और राधा की प्रेम कहानी से जुड़ी है. इस होली में महिलाएं पुरुषों को लाठियों से मारती हैं, और पुरुष ढाल से बचने की कोशिश करते हैं. पहले दिन बरसाना की महिलाएं नंदगांव के पुरुषों को मारती हैं, और अगले दिन नंदगांव की महिलाएं बरसाना के पुरुषों को मारती हैं.

2.फूलों की होली:
मथुरा-वृंदावन, जो श्रीकृष्ण की नगरी है, वहां फूलों की होली खेली जाती है. इसमें रंगों की जगह फूल बरसाए जाते हैं. बांके बिहारी मंदिर में यह उत्सव भगवान कृष्ण और राधा की भक्ति के साथ मनाया जाता है. भक्त भगवान पर फूल चढ़ाते हैं और गुलाल उड़ाकर खुशियां मनाते हैं.

3.धुलंडी होली:
हरियाणा के कई गांवों में धुलंडी होली मनाई जाती है, जिसे भाभी-देवर की होली भी कहते हैं. इसमें शादीशुदा महिलाएं अपने देवरों को मजाक में छेड़ती और परेशान करती हैं. यह हंसी-मजाक और प्यार का त्योहार होता है, जिसमें रंग और गुलाल खेला जाता है.

4.होला मोहल्ला:
पंजाब में सिख समुदाय होली को होला मोहल्ला के नाम से मनाता है. यह वीरता का त्योहार है, जिसमें लोग घुड़सवारी, तलवारबाजी और मार्शल आर्ट दिखाते हैं. इसका सबसे बड़ा आयोजन आनंदपुर साहिब में होता है. गुरु गोविंद सिंह ने इसे सिख योद्धाओं को अनुभव करने के लिए शुरू किया था.

5.गेर और बाल्टी होली:
राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और बीकानेर में होली खास अंदाज में मनाई जाती है. जयपुर और उदयपुर में लोग पारंपरिक कपड़े पहनकर ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते हैं, जिसे गेर नृत्य कहते हैं. बीकानेर में बाल्टी से होली खेली जाती है, जिसमें लोग एक-दूसरे पर पानी से भरी बाल्टी डालते हैं.

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।
तापमान: नागपुर, अधिकतम 31.6°C न्यूनतम 20.6°C
नागपुर, गुरूवार 13 मार्च 2025

बड़े बकायादारों पर हो कार्रवाई

मनपा पर 172 करोड़, सरकारी दफ्तरों पर 10 करोड़ बकाया

जिला प्रतिनिधि

अमरावती. महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरणकी कुल बकाया जलकर राशि 450 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है. इसमें सबसे अधिक बकाया अमरावती महानगरपालिका का है, जिसकी देनदारी 172 करोड़ रुपये तक हो गई है. शहर के सरकारी कार्यालयों पर भी जलकर की भारी बकाया राशि है. इनमें लोक निर्माण विभाग पर 4.84 करोड़, जिला सामान्य अस्पताल पर 3.5 करोड़, जिला महिला अस्पताल पर 41 लाख और पुलिस विभाग पर 48 लाख रुपये की देनदारी है. इसके अलावा, 1.04 लाख घरेलू उपभोक्ताओं पर 268 करोड़ रुपये की बकाया राशि दर्ज है.

अमरावती-बडनेरा-रहाटगांव को सप्लाई की लागत

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण को अमरावती, बडनेरा और रहाटगांव शहरों को पानी सप्लाई करने के लिए सिंभोरा स्थित अपर वर्धा डैम से 60 किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है. इस पूरी प्रक्रिया में हर महीने करीब 3 करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसमें 1.65 करोड़ रुपये बिजली बिल और 1.35 करोड़ रुपये मेंटेनेंस, मरम्मत और कर्मचारियों के वेतन पर खर्च होते हैं.

वसूली लक्ष्य से कम हुई है, प्रशासन की अपील

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण को हर महीने कम से कम 3 करोड़ रुपये की वसूली करनी होती है, लेकिन वास्तविक वसूली 2 से 2.5 करोड़ रुपये तक ही हो पाती है. इस वजह से जलापूर्ति के लिए जरूरी खर्चों की भरपाई करने में मुश्किलें आ रही हैं. वित्तीय वर्ष के अंत में विशेष वसूली अभियान चलाया जा रहा है, और बकायादारों से बकाया चुकाने की अपील की गई है ताकि जल आपूर्ति सेवा सुचारू रूप से जारी रखी जा सके.

होली की तैयारी

आकर्षक मुखौटे : होली का पावन पर्व नया जोश और उमंग लेकर आता है. धुलिवंदन के दिन एकदूसरे को रंग लगाने के साथ साथ विविध प्रकार के मुखौटे लगाकर डराने और चौंकाने का सिलसिला जोर पकड़ता है. इसके मद्देनजर अमरावती शहर की सड़क के किनारे लगी दूकान पर एक से बढ़कर एक मुखौटे ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं.

फास्ट ट्रैक

जिला परिषद में रिक्त पड़े हैं 384 पद

जिला प्रतिनिधि

अमरावती. जिला परिषद लिपिक कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा है कि नियमित पद भरने तक सीईओ को परिचारक एवं सफाई कर्मचारियों के पद बाहरी प्रणाली से भरने की अनुमति दी जाए. अन्यथा मुख्यमंत्री के 100 दिवसीय कामकाज अभियान में कार्यालय स्वच्छ रहेगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता. जिला परिषद में 870 एवं अनुसेवकों के 486 पद स्वीकृत हैं और 384 पद रिक्त हैं. जिला परिषद लिपिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज गुल्हाने ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, पालकमंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले को पत्र भेजा है. इस पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि पूरे जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य कार्यालयों में साफ-सफाई एवं अन्य कार्यालयीन कार्य करने में कठिनाई हो रही है. जिले में परिचारिका पद भरने की सरकारी अनुमति नहीं मिलने के कारण 45 फीसदी पद खाली हैं. जिप के अंतर्गत 59 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं और उनके अंतर्गत औषधालय और एलोपैथिक क्लीनिक हैं. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आंतरिक अस्पतालों में परिचारक के पद बड़े पैमाने पर खाली हैं, जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सफाई कार्य प्रभावित हो गया है. जिला परिषद पशु संवर्धन के तहत 101 पशु चिकित्सालयों में परिचारकों के पद रिक्त हैं.

1.14 लाख का महुआ सड़वा नष्ट

संवाददाता

हिंगणघाट. पुलिस ने खैराटी पारधी बेडे पर गावठी महुआ शराब निकालने वाले के विरोध में कार्रवाई करते हुए 1 लाख 14 हजार 400 रुपये माल नष्ट किया. जानकारी के अनुसार पुलिस को रात्रि में पेट्रोलिंग करते वक्त खैराटी पारधी बेडे पर विनोद भोसले की झोपड़ी के पीछे गावठी महुआ शराब बनाने के लिए कच्चा महुआ सड़वा रसायन तैयार

किए जाने की जानकारी मिली. इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करके झाड़ी में छिपाके रखी गावठी महुआ सड़वा सहित 1 लाख 14 हजार 400 रुपये कीमत का माल नष्ट करके विनोद भोसले के खिलाफ थाने में मामला दर्ज किया.

21 तक निर्णय न लेने पर करेंगे बड़ा आंदोलन

शकुंतला रेलवे ब्रॉडगेज को लेकर विभागीय आयुक्त-जिलाधिकारी को ज्ञापन

विशेष प्रतिनिधि

अचलपुर. शकुंतला रेलवे ब्रॉडगेज में बदलने की प्रमुख मांग को लेकर शकुंतला रेल बचाव सत्याग्रह समिति के पदाधिकारियों ने बुधवार को अमरावती में विभागीय आयुक्त श्रेया सिंघल और जिलाधिकारी कार्यालय के तहसीलदार खटके को ज्ञापन सौंपा. समिति ने कहा कि शकुंतला रेलवे केवल एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि लाखों लोगों की भावनाओं और विकास से जुड़ी हुई है. इस पर आयुक्त सिंघल ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द ही वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करने और परतवाड़ा में स्वयं आकर समस्या पर विचार करने का आश्वासन दिया. इस दौरान समिति के प्रमुख सत्याग्रही योगेश खानझोडे, राजा धर्माधिकारी, एसबी बारखड़े, वसंतराव धोबे, दयाराम चंदेल समेत कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

रेल बचाव समिति 23 को करेगी आंदोलन

शकुंतला रेल बचाव सत्याग्रह समिति ने 23 मार्च को शहीद दिवस के मौके पर अचलपुर में चक्का जाम आंदोलन करने का ऐलान किया है. समिति की सातवें वर्ष की 33वीं समीक्षा बैठक बुधवार को आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए. बैठक में आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की गई और प्रशासन को 12 मार्च को औपचारिक पूर्वसूचना देने का निर्णय लिया गया.

टैक्स नहीं भरने पर 5 दुकानें सील

नगर परिषद प्रशासन ने की कार्रवाई

जिला प्रतिनिधि

भंडारा. नगर परिषद के कमरों का बकाया किराया तथा टैक्स नहीं भरने पर नप की टीम ने तीन दुकानदारों के खिलाफ जब्ती की कार्रवाई की.

इसके पहले प्रशासन ने कई बार संबंधित दुकानदारों से किराया व टैक्स की मांग की थी. लेकिन रुपए अदा करने में टाल मटोल करने पर यह कार्रवाई की गई. नप की टीम ने मुस्लिम लाइब्रेरी चौक के दुकान क्रमांक 35 के किरायेदार जितेंद्र एकनाथ बोरकर, दुकान क्रमांक 34 के किरायेदार लक्ष्मीकांत धमीराम जिभकाटे, दुकान क्रमांक 51 वे किरायेदार किशोर धनीराम चहांदे के दुकान पर जब्ती की कार्रवाई की है. बता दें कि मार्च माह में नगर परिषद ने टैक्स की वसूली तेज कर दी है और शत प्रतिशत वसूली का लक्ष्य रखा है. इसके लिए प्रशासन द्वारा जगह जगह बैनर लगाकर तथा पोस्टर के माध्यम से टैक्स वसूली का आह्वान किया जा रहा है. शहर में वाहन घुमाकर टैक्स अदा करने की अपील की जा रही है. 1 अप्रैल 2024 से 10 मार्च 2025 तक नगर परिषद द्वारा कुल तीन करोड़ 61 लाख रुपयों की वसूली की गई.

11.89 करोड़ कर वसूली का लक्ष्य निर्धारित

नगर परिषद ने संपत्ति और अन्य कर मिलाकर कुल 11.89 करोड़ रुपयों का लक्ष्य रखा है. इसमें से अब तक 30.38 प्रतिशत वसूली हो चुकी है. लेकिन टैक्स अदा करने में कोताही बरतने वालों पर नगर परिषद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है. नगर परिषद के मुख्याधिकारी करणकुमार चव्हाण के मार्गदर्शन में को टैक्स निरीक्षक शैलेंद्र मोगरे, स्वास्थ्य निरीक्षक मुकेश शेंद्रे, वरिष्ठ लिपिक राहुल देशमुख, लिपिक संग्राम कटकवार, प्रशासकीय कर अधिकारी सौरभ सुरजुसे, कर लिपिक बलिराम शहारे ने तीन दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की है.

पूर्व मंत्री कडू को 8 दिनों की मोहलत

जिला बैंक अध्यक्ष अयोग्यता मामलें में हाईकोर्ट से राहत

जिला प्रतिनिधि

अमरावती. जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के अध्यक्ष पूर्व विधायक बच्चू कडू को संभागीय संयुक्त रजिस्ट्रार ने बैंक के निदेशक पद से अयोग्य घोषित करने के लिए नोटिस जारी किया था. वह इस संबंध में मौखिक बयान देना चाहते थे तो उन्हें 24 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से या अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से अपना बयान पेश करने का अवसर दिया गया था,

लेकिन बच्चू कडू ने 10 मार्च की समय सीमा मांगी. इस बीच बच्चू कडू को लेकर हाईकोर्ट जाने पर कोर्ट ने उन्हें आखिरी मौका दिया और समय सीमा फिर आठ दिन बढ़ा दी है.

इसलिए अब उन्हें 18 मार्च को अपना पक्ष रखना अनिवार्य हो गया है. जिला मध्यवर्ती बैंक में सत्ता संघर्ष की धूम मची है. कडू को बैंक निदेशक के पद से अयोग्य ठहराने के लिए बब्लू देशमुख समूह के निदेशक हरिभाऊ मोहोड समेत 11 निदेशकों ने याचिका दायर की थी. इसमें उन्होंने सबूत दिया है कि नासिक डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने उन्हें एक मामले में एक साल की सजा सुनाई है.

7 फरवरी को जारी किया गया था नोटिस

बैंक के उपनियमों में यह प्रावधान है कि जिन निदेशकों को एक वर्ष से अधिक की सजा हो चुकी है, वे इस पद के लिए अयोग्य हो जाते हैं. इसलिए डिविजनल ज्वाइंट रजिस्ट्रार ने 7 फरवरी को एक नोटिस जारी कर पूछा है कि इन नियमों के आधार पर उन्हें अयोग्य क्यों नहीं ठहराया जाना चाहिए? इसके लिए, कडू को सोमवार, 24 फरवरी को दोपहर 3 बजे अपनी गवाही दर्ज करने के लिए व्यक्तिगत रूप से या एक अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने का सुझाव दिया गया था.

अपना पक्ष रखने का दिया आखरी मौका

लेकिन सुनवाई के दौरान उन्होंने अपना पक्ष रखने के लिए 10 मार्च तक की मोहलत मांगी. उनकी मांग पर सहमति जताते हुए विभागीय संयुक्त रजिस्ट्रार ने उन्हें 10 मार्च तक की मोहलत देते हुए अपनी अयोग्यता के संबंध में खुलासा प्रस्तुत करने का आदेश दिया था. लेकिन उन्हें कुछ दिनों की मोहलत मिलने की उम्मीद थी, तो उन्होंने अंततः उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. कोर्ट ने उन्हें आठ दिन के भीतर यानी 18 मार्च तक अपना पक्ष रखने का आखिरी मौका दिया है.

आवश्यकता तीसरे चरण में 100 नए बेड्स; 18.42 करोड़ का प्रस्ताव पेश, इलाज की सुविधाएं होंगी उपलब्ध

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का विस्तार

जिला प्रतिनिधि

अमरावती. अमरावती के विभागीय संदर्भ सेवा अस्पताल (सुपर स्पेशियलिटी) के विस्तार का तीसरा चरण जल्द ही शुरू होने वाला है. इस चरण में अस्पताल की क्षमता 200 बेड से बढ़ाकर 320 बेड तक की जाएगी. अस्पताल प्रशासन ने तीसरे चरण के लिए 18 करोड़ 42 लाख रुपये का विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया है. इस चरण में गैस्ट्रोएंट-रोलॉजी विभाग की स्थापना की जाएगी, जिससे पेट से संबंधित बीमारियों का उन्नत उपचार संभव होगा. इसके अलावा घुटना, जांघ और कान संबंधी इम्प्लांट सर्जरी की

सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी. विधायक खोड़के मंजूरी के लिये प्रयासरत है

पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख के कार्यकाल में मंजूर हुए इस प्रोजेक्ट के पहले दो चरण पहले ही सफलता-पूर्वक पूरे किए जा चुके हैं. पहले चरण में यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, डायलिसिस यूनिट और किडनी ट्रांसप्लांट सुविधाएं शुरू की गई थीं. दूसरे चरण में न्यूरोलॉजी सर्जरी, ऑन्कोलॉजी सर्जरी और ईको विभाग को कार्यान्वित किया गया था. वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. अमोल नरोटे द्वारा तैयार किया गया यह प्रस्ताव स्वास्थ्य महानिदेशक को भेजा गया है. स्थानीय विधायक सुलभा खोड़के स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष इस प्रस्ताव के अनुमोदन के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं.

मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेगी

नए विस्तार के लिए जिला महिला अस्पताल की पुरानी इमारत और प्री-फैब अस्पताल के पास की खाली जमीन का उपयोग किया जाएगा. इसके अतिरिक्त, इस इमारत की छत पर हेलिपैड भी बनाया जाएगा, जिससे इमरजेंसी मेडिकल सेवाएं और अधिक सुलभ हो सकेंगी. नए प्रस्ताव में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के लिए 6 करोड़ रुपये, विभिन्न इम्प्लांट सर्जरी के लिए 7 करोड़ रुपये और अत्याधुनिक उपकरणों के लिए शेष राशि आवंटित की गई है. इस विस्तार से अमरावती और आसपास के मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी.

गोंदिया स्टेशन में टीटीई पर जानलेवा हमला

अवैध वसूली को रोकने पर किन्नर हुए आक्रामक

जिला प्रतिनिधि

गोंदिया. गोंदिया रेल सेक्शन में ट्रेन में अवैध वसूली रोकने पर टिकट चेकिंग अधिकारी यानी टीटीई पर किन्नरों ने जानलेवा हमला कर दिया. इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. नागपुर मंडल के तहत गोंदिया स्टेशन पर सोमवार दोपहर यह भयावह घटना सामने आई. ट्रेन नंबर 12106 विदर्भ एक्सप्रेस जब प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर खड़ी थी, तभी करीब 10 से 15 किन्नरों ने टीटीई को निशाना बनाकर उसका पीछा किया. टीटीई ने जान बचाने के लिए एसी कोच के टॉयलेट में शरण ली, लेकिन गुस्साए किन्नर वहां भी पहुंच गए और दरवाजा पीट-पीटकर बाहर निकलने की धमकी देने लगे. जानकारी के मुताबिक, यह हमला इसलिए हुआ क्योंकि टीटीई लगातार बिना टिकट यात्रा कर रहे किन्नरों से नियम अनुसार पेनल्टी वसूलते थे. रेलवे सूत्रों का कहना है कि किन्नरों को टीटीई की लोकेशन बताने में एक अवैध वेंडर की भूमिका हो सकती है. हैरान करने वाली बात यह है कि घटना के दौरान स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की मौजूदगी के बावजूद किन्नरों ने जमकर उत्पात मचाया और किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की.

कानून व्यवस्था पर उठाए जा रहे सवाल

सवाल उठता है कि क्या कानून व्यवस्था की अनदेखी हो रही है या फिर रेलवे सुरक्षा बल भी बेबस है? यह मामला रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है. क्या रेलवे अब किन्नरों के आतंक के आगे नतमस्तक हो गया है? यात्रियों की सुरक्षा के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे? यह देखना अहम होगा. फिलहाल, इस घटना ने रेलवे प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है.

फास्ट ट्रैक

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

जिला प्रतिनिधि

बडनेरा. बडनेरा के गवलीपुरा निवासी सैय्यद अरमान सैय्यद इमरान (36) की मंगलवार सुबह अंजनगांव बारी-बडनेरा टी-पॉइंट पर हुए भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई. हादसा उस वक्त हुआ जब सैय्यद अरमान अपनी MH27 AX 8838 नंबर की बाइक से वेल्डिंग के काम पर जा रहे थे. इसी दौरान MH 27 BX 8879 नंबर का ट्रक, जो कि मीनाक्षी वीर हनुमान कंस्ट्रक्शन कंपनी का था, गेराज की ओर जा रहा था. अचानक बाइक ट्रक के पिछले पहिए की चपेट में आ गई, जिससे सैय्यद अरमान की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई. सूचना मिलते ही बडनेरा पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को कब्जे में लिया. मृतक के परिजनों की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया. मृतक के रिश्तेदार आसिफ खान युसूफ खान पठान की शिकायत के आधार पर पुलिस ने के तहत चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया. पुलिस अब मामले की जांच कर रही है.

6.98 लाख लाड़लियों के खाते में आई राशि

'लाड़ली बहन योजना' में पात्र को मिला लाभ

जिला प्रतिनिधि

अमरावती. महिला दिवस के अवसर पर राज्य सरकार ने अमरावती जिले की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 'मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहन' योजना के तहत एक महीने की सहायता राशि जमा की. इस योजना के अंतर्गत 6,98,536 महिलाओं को लाभ मिला है. जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के नोडल अधिकारियों के अनुसार, 10,766 महिलाओं के आवेदन विभिन्न कारणों से निरस्त कर दिए गए हैं. जिले में लगभग 7 लाख महिलाओं ने इस योजना के लिए पंजीकरण कराया था, जिनमें से 25 महिलाओं ने स्वेच्छा से योजना से हटने का निर्णय लिया.

पात्र महिलाओं को योजना का लाभ

कई महिलाओं के आवेदन चार पहिया वाहन रखने, सालाना ढाई लाख रुपये से अधिक आय होने या अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की वजह से खारिज कर दिए गए. यह राशि मुंबई स्थित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में सीधे भेजी गई है. 'लाड़की बहन' योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने ₹1,500 की आर्थिक सहायता दी जाती है.

एक महीने की मिली, बाकी की प्रतीक्षा

अगस्त 2024 में पहली बार इस योजना की राशि जारी की गई थी, और नवंबर में एकमुश्त तीन महीने की राशि दी गई थी. हालांकि, मार्च शुरू होने के बावजूद इस बार केवल एक महीने की ही राशि वितरित की गई है. लाभार्थी महिलाओं ने उम्मीद जताई थी कि उन्हें जनवरी और फरवरी की राशि एक साथ मिलेगी, लेकिन फिलहाल सिर्फ एक महीने की ही रकम मिली है. अब वे बाकी महीनों की राशि के जल्द से जल्द आने की प्रतीक्षा कर रही हैं.

46 लाख का तंबाकू जब्त

देवरी पुलिस ने तस्करी करते वाहन पकड़ा

संवाददाता

देवरी. महाराष्ट्र में प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू और गुटखा की पड़ोसी राज्यों से धड़ल्ले से तस्करी हो रही है. गोंदिया जिले के देवरी में पुलिस ने प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू की तस्करी करते वाहन को पकड़ा. इस कार्रवाई में 46 लाख से अधिक का माल जब्त किया गया. छत्तीसगढ़ राज्य से गोंदिया जिले के रास्ते प्रतिबंधित तंबाकू की तस्करी करने का खुलासा हुआ है. राष्ट्रीय महामार्ग पर प्रतिबंधित सुगंधित तम्बाकू उत्पाद और पान मसाला लाए जाने की सूचना के आधार पर देवरी पुलिस ने रायपुर-नागपुर रोड पर भरेगांव गांव के पास नाकाबंदी की. इस दौरान वाहनों की जांच की जा रही थी. इस समय एक ट्रक से सुगंधित तम्बाकू और पान मसाला जब्त किया गया. जब इस संबंध में ड्राइवर से पेपर मांगा गया तो उसके पास कोई भी दस्तावेज नहीं थी. पुलिस ने चालक और क्लीनर को हिरासत में ले लिया और प्रतिबंधित तंबाकू समेत 46 लाख 33 हजार रुपए का माल जब्त किया.

तरबूज के दामों में कमी से किसान निराश

जिला प्रतिनिधि

अमरावती. गर्मी की शुरुआत होते ही बाजार में फलों की आवक बढ़ गई है. इस मौसम में तरबूज, खरबूज और संतरे की मांग अधिक होती है. लेकिन अमरावती की कृषि उत्पन्न बाजार समिति में 60 से 70 टन तरबूज की आवक होने के बावजूद किसानों को कम दाम में इसे बेचना पड़ा. अभी तक भीषण गर्मी नहीं पड़ने के कारण तरबूज के दाम केवल 6 रुपए से 12 रुपए प्रति किलो तक ही रह गए हैं, जिससे किसान आर्थिक रूप से परेशान हैं. व्यापारियों का कहना है कि जैसे ही गर्मी तेज होगी, तरबूज और खरबूज की मांग बढ़ेगी और उनके दाम भी बढ़ सकते हैं.

शिक्षक ने 11 छात्रों के हाथ में मारा ब्लेड

जिला प्रतिनिधि

बुलढाणा. भादोला में जिला परिषद उच्च प्राथमिक विद्यालय के पांचवीं कक्षा के 11 छात्रों के हाथ में ब्लेड मारने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है. इस जिला परिषद स्कूल में कुल 11 शिक्षक और 198 छात्र हैं. अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल के शिक्षक छात्रों की उपेक्षा करते हैं जिसके चलते यह घटना हुई. इस शिक्षक के खिलाफ कई बार शिक्षा अधिकारियों से शिकायत की गई है. हालांकि, अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समिति ने स्कूल बंद कर विरोध प्रदर्शन किया. शिक्षा पदाधिकारी बालकृष्ण खरात ने प्रतिक्रिया दी है कि रिपोर्ट पर समूह शिक्षा अधिकारी व केंद्राध्यक्ष को जांच के आदेश दिए गए हैं. वहीं एक शिक्षक का स्थानांतरण उस विद्यालय से दूसरे स्कूल में कर दिया गया है.

सरपंचों ने पुष्पा स्टाइल में किया अनोखा आंदोलन

जल जीवन मिशन के अधूरे काम से रोष का माहौल

जिला प्रतिनिधि

यवतमाल. जल जीवन मिशन योजना के तहत जारी कार्य तीन साल बाद भी पूरा नहीं हुआ, जिससे ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है. इस देरी के विरोध में आर्णी तालुका सरपंच संगठन ने यवतमाल जिला परिषद के सामने अनोखे स्टाइल में विरोध प्रदर्शन शुरू किया है. सरपंचों ने फिल्मी अंदाज में 'पुष्पा स्टाइल' साड़ी पहनकर उपोषण (अनशन) शुरू किया. इस अनोखे प्रदर्शन के जरिए वे सरकार का ध्यान जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति की ओर खींचना चाहते हैं. अधिवेशन के दौरान यह आंदोलन सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास है ताकि जल जीवन मिशन का अधूरा काम जल्द पूरा हो सके. इस अनोखे आंदोलन से प्रशासन और जनता में इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज हो गई है.

इन दिनों गर्मी में दिनों दिन बढ़ोतरी होती जा रही है. इस बढ़ती गर्मी में ठंडक पहुंचाने के लिये तरबूज और खरबूजे बाजार में आ गए हैं. ताजे ताजे तरबूज और खरबूजों को देखकर दिल ललचाना स्वाभाविक है.

समता पर्व में मनाया महिला दिवस

हर घर में मनाई जाए सावित्रीबाई फुले जयंती

जिला प्रतिनिधि

यवतमाल. क्रांतिज्योति महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समता पर्व 2025 के तहत महिला आयोजन नियोजन समिति द्वारा क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर महिला दिवस मनाया गया. सर्वप्रथम समता पर्व 2025 की मुख्य आयोजक माधुरी वालके एवं प्रवक्ता एड. सीमा तेलंग ने कार्यक्रम की शुरुआत की. क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा की पूजा के साथ शुभारंभ हुआ. इस अवसर पर महिला बहनों की ओर से यह भी कहा गया कि 10 मार्च महिला दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए. इस अवसर पर विभिन्न महिलाओं ने क्रांतिकारी सावित्रीबाई फुले के जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए. आज हम जहां खड़े हैं उसका श्रेय क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले को जाता है, इसलिए समाज के हर घर में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती और पुण्यतिथि मनाई जानी चाहिए. यह बात प्रवक्ता एड. सीमा तेलंग ने भी कही. इस अवसर पर माधुरी वालके, एड. सीमा तेलंगे, एड. वैशाली हीरे, स्नेहा डोंगरे, पल्लवी रामटेके, नंदकिशोर निमगड़े, हेमंत कांबले, एड. रामदास राऊत, नारायण थूल, जनार्दन मनवर, विनोद पात्रे, प्रतिभा दातार आदि उपस्थित थे.

वैदर्भीय आंबेडकरी महिला सम्मेलन हुआ

निर्णय प्रक्रिया में महिलाएं शामिल नहीं है : प्रा. डॉ. गवई

संवाददाता

नेर. निर्मल बसी लॉन में सत्तेश्वर मोरे स्मृति दिन और विश्व महिला दिन के उपलक्ष्य में प्रथम वैदर्भिय आंबेडकरी महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. नंदाताई तायवाडे के हस्ते हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. वामन गवई, प्रो. डॉ. कीर्तिराज लोनारे, विक्रांत मेश्राम, कल्पना डवले, डॉ. मनोहर नाईक थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. चंद्रकांत सरदार थे. इस कार्यक्रम में आंदोलन और आंबेडकरवादियों का योगदान इस विषय पर एक परिचर्चा हुई. परिचर्चा में प्रो. वामन गवई ने महिलाओं की आज कि स्थिति पर भाष्य करते हुये कहा की आज भी महिलाओं को उपभोग्य वस्तु माना जाता है. उन्हें निर्णय प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाता. प्रो. डॉ. किर्तीराज लोणारे ने भी अपने विचार विस्तार से रखे. इस कार्यक्रम में डॉ. मनोहर नाईक नागपुर, डॉ. विक्रांत मेश्राम पुसद, कल्पना डवले प्रिंसिपल उपस्थित थे. कार्यक्रम में एक पात्री नाट्यप्रयोग प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम का संचालन माया मेश्राम ने किया. कार्यक्रम का आयोजन वनिता मोरे, माधुरी डांगे, पपीता पाटिल, डॉ. शरद मोरे, महादेव घरडे सफलतापूर्वक पूरा किया.

3डी तारामंडल शो का आयोजन

आकाश, ग्रहों, तारों और उपग्रहों से हुए रूबरू

संवाददाता

दिग्रस. हाल ही में जालना की स्टील स्टील कंपनी द्वारा दिग्रस शहर के सभी स्कूलों के साथ-साथ कुछ तहसील में एक यात्रा 3डी तारामंडल शो का आयोजन किया गया. इस विशेष गतिविधि के लिए भाजपा अल्पसंख्यक प्रभाग यवतमाल जिला अध्यक्ष मुहम्मद अतीक महाराष्ट्र वाले की भूमिका रही. इस अवसर पर हजारों छात्रों को ग्रहों, तारों, उपग्रहों और आकाश का पता लगाने का एक अभिनव अवसर मिला. यह अभिनव गतिविधि उनके लिए अविस्मरणीय बन गई. इस शो के माध्यम से छात्रों को नवीनतम से परिचित कराया जाता है. प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतरिक्ष अन्वेषण का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया जा सकता है. ग्रहों, तारों, उपग्रहों तथा अंतरिक्ष जगत के रहस्यों को वास्तविक दृश्य रूप में देखकर छात्र आश्चर्यचकित रह गये. इससे विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिला. इस समय उन्हें ऐसा लग रहा था कि वे सौरमंडल के ग्रहों, तारों, उपग्रहों और आकाश में इत्मीनान से सैर कर रहे हैं. इतना ही नहीं इस गतिविधि से विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति नई जिज्ञासा पैदा हुई और भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों के आयोजन की आशा प्राचार्य एवं शिक्षक द्वारा व्यक्त की.

रील्स स्टार बोंदाडे को किया सम्मानित

शेडमाके जयंती पर समारोह समिति ने लिया कार्यक्रम

जिला प्रतिनिधि

यवतमाल. भीमापेन, पेनठाणा देवस्थान समिति और क्रांतिवीर बाबूराव शेडमाके जयंती समारोह समिति के संयुक्त तत्वावधान में क्रांतिवीर बाबूराव शेडमाके की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वाघापुर वाय पॉइंट, चौसाला रोड में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन सत्र और एकल नृत्य प्रतियोगिता रखी गई. इस अवसर पर सोशल मीडिया पर प्रसिद्ध रील्स स्टार कुलदीप बोंदाडे को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया. बोंदाडे एक प्रसिद्ध डिजिटल क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं, जो व्यवसाय, मेहनत, असफलता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक वास्तविकताओं जैसे विषयों पर प्रेरणादायक रील्स बनाते हैं. उनके कंटेंट ने महाराष्ट्रभर में लोकप्रियता पाई है, खासकर उनके व्यवसाय और संघर्ष पर आधारित वीडियो युवाओं में बड़े पैमाने पर साझा किए जाते हैं. उनके कार्यों से कई छोटे व्यवसायियों को प्रेरणा मिली है, जिससे वे अपनी उन्नति की दिशा में बढ़े हैं. कुलदीप का सफर संघर्ष से भरा हुआ है. उन्होंने छोटे प्रयासों से बड़ी सफलता पाई और अपनी संघर्ष की कहानियों के जरिए कई युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया. उनकी इस मेहनत और सामाजिक योगदान के लिए उन्हें इस समारोह में विशेष रूप से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में चंद्रशेखर मडावी, प्रा. प्रवीण देशमुख, प्रो. निनाद सुरपाम, अरविंद मडावी, निशांत सिडाम, राजू चांदेकर, दिलीप मेश्राम, कृष्णा पुसनाके, शुभम तेलगोटे और अन्य उपस्थित थे.

अवसर सांस्कृतिक व कीड़ा स्पर्धाओं का किया आयोजन, विद्यार्थियों ने उत्साह से लिया भाग

जगदंब महाविद्यालय में हुआ वार्षिकोत्सव

अचलपुर. जगदंब महाविद्यालय में हाल ही में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया. स्नेह सम्मेलन चार दिनों तक चला, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए संगीत कुर्सी, गीत गायन, काव्य सम्मेलन, रंगोली, मेंहदी, टाकाऊ से टिकाऊ, पुष्प सज्जा जैसी गतिविधियां शामिल थीं. स्नेहसं-मेलन का उद्घाटन समारोह उत्साह से हुआ. कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष रमाकांत शेरकर (अध्यक्ष, श्री जगदंब विणकर शिक्षण संस्था, अचलपुर) ने अध्यक्षता की. मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नितिन कोली (परीक्षा नियंत्रक, संत गाड़गेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय) उपस्थित थे. इस अवसर पर डॉ. संतोष बनसोड (डॉ. आंबेडकर अध्ययन केंद्र, संत गाड़गेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय) ने ₹युवाओं की दशा और दिशा₹ विषय पर मार्गदर्शन किया. उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के युवा आज दिशाहीन हो रहे हैं और अंधविश्वास की ओर झुक रहे हैं, जिससे निकलने का एकमात्र मार्ग शिक्षा है. कार्यक्रम का संचालन प्रा. मोसिम शेख ने किया. जबकि प्रस्तावना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश कोहले ने रखी. अतिथियों का परिचय डॉ. संध्या चर्जन और डॉ. मिलिंद तायडे ने कराया. वहीं आभार प्रदर्शन डॉ. कुमुदिनी जोगी ने किया.

विद्यार्थियों का सांस्कृतिक कार्यक्रम 'उमंग'

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम ₹उमंग₹ प्रस्तुत किया गया. इस दौरान ₹कृषि प्रदर्शनी₹ तथा ₹छावा₹ फिल्म के दृश्यों को प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने बेहद सराहा और जोरदार तालियों से स्वागत किया. समापन समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ. अध्यक्षता संस्थाध्यक्ष रमाकांत शेरकर ने की. जबकि मुख्य अतिथि के रूप में संजय ठाकरे (पूर्व विस्तार अधिकारी, पंचायत समिति, अचलपुर) उपस्थित रहे. इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष उमाकांत शेरकर, सचिव भीमराव दखणे एवं सदस्य प्रल्हाद शेरकर भी उपस्थित थे.

विद्यार्थी और शिक्षकों में नइ ऊर्जा का संचार

इस समापन कार्यक्रम का प्रास्ताविक भाषण डॉ. मिलिंद तायडे ने किया. संचालन डॉ. श्रुति पांडे ने किया. आभार प्रदर्शन डॉ. वैभव पाटिल ने किया. कार्यक्रम की सफलतार्थ महाविद्यालय परिवार का योगदान रहा. इस सफल आयोजन के लिए संस्थान के सभी पदाधिकारी, महाविद्यालय के प्राचार्य, आयोजन समिति के सभी सदस्य, सभी प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यार्थियों ने विशेष प्रयास किए. इस वार्षिकोत्सव ने महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों में नई ऊर्जा का संचार किया और यह कार्यक्रम सभी के लिए यादगार बन गया.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

हुड़दंगियों की धरपकड़ तेज

नशे में वाहन चलाया तो हवालात में मनेगी होली

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. होली पर शहर में कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए पुलिस विभाग ने कमर कस ली है. शहर की कानून व्यवस्था न बिगड़े इसीलिए पिछले कई दिनों से हुड़दंगियों और असामाजिक तत्वों की धरपकड़ शुरू है. इसे और तेज कर दिया गया है और सभी हिस्ट्रीशीटर के घर पर दबिश देकर पुलिस जांच और प्रतिबंधक कार्रवाई कर रही है. बुधवार को पुलिस आयुक्त डॉ. रवींद्रकुमार सिंगल और ज्वाइंट कमिश्नर निसार तंबोली ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक लेकर सुरक्षा बंदोबस्त का जायजा लिया. शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. यदि किसी को ड्रंकन ड्राइव में पकड़ा गया तो होली थाने के लॉकअप में ही मनानी पड़ेगी. कई दिनों से पुलिस अपराधियों की धरपकड़ कर रही है. जनवरी से अब तक दो हजार से ज्यादा हिस्ट्रीशीटर्स पर प्रतिबंधक कार्रवाई की जा चुकी है. किसी की भी आपराधिक गतिविधियों का पता चलने पर प्रतिबंधक कार्रवाई की जा रही है. होली को देखते ही सभी हिस्ट्रीशीटर की जांच की जा रही है. सीपी से लेकर पुलिस कांस्टेबल सभी बंदोबस्त के लिए फील्ड पर ही रहेंगे. होली के त्योहार की आड़ में हुड़दंग मचाने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इसके लिए सभी थानेदारों को मंगलवार रात से ही अपने इलाके में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं. सभी सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रम स्थलों पर पुलिस की टीम निगरानी रहेगी. इसके अलावा सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर बुधवार शाम से ही बंदोबस्त लग जाएगा. शुक्रवार को शराब की बिक्री पर प्रतिबंध होगा. ऐसे में अवैध शराब विक्रेता सक्रिय हो जाते हैं. वहीं अवैध शराब विक्रेता स्टॉक कर लेते हैं और काला बाजार में शराब बेचते हैं. सीपी ने सभी अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई के भी आदेश दिए हैं. इसके साथ ही अवैध रूप से शराब बेचने वाले दुकानदारों पर भी नजर रखी जा रही है. इसी लिए पुलिस ने पहले से ही अवैध शराब विक्रेताओं पर नकेल कसनी शुरू कर दी है. विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस ने छापेमारी करके बड़े पैमाने पर शराब जब्त की है. पिछली होली में जितने विवाद हुए थे उन सभी में दोनों पक्षों के लोगों के घर दबिश दी जा रही है. दोबारा कोई भी हरकत होने पर कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है. थाने के सभी 4 वाहन निरंतर अपने इलाकों में पेट्रोलिंग करेंगे.

नाकाबंदी शुरू

शहर में नाकाबंदी शुरू कर दी गई है. होली की व्यवस्था के लिए कमिश्नर से लेकर कांस्टेबल तक सभी को तैनात किया जाएगा. गुरुवार शाम से पुलिस थानों के बाहर तकरीबन 5 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है. इसके अलावा एसआरपीएफ की एक टुकड़ी भी शहर में प्रवेश कर चुकी है. वहीं 1400 होमगार्ड की भी मदद ली जाएगी. ज्वाइंट कमिश्नर के साथ-साथ 3 अपर पुलिस आयुक्त, 10 उपायुक्त और 150 पुलिस निरीक्षक भी होंगे. पुलिस ने 100 स्थानों पर फिक्स पाइंट स्थापित की हैं. इसके अलावा जगह-जगह नाकेबंदी भी की जा रही है. शराब पीकर वाहन चलाने वालों को हवालात भेजने के निर्देश दिए गए हैं. ऐसे लोग दिन भर पुलिस थाने की हवालात में बैठे रहेंगे.

नियमों का उल्लंघन करने पर FIR

- शहर के सभी एंट्री प्वाइंट पर पुलिस की नाकाबंदी पहले से चल रही है. सिटी के भीतर भी विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी लगाई गई है. सभी प्वाइंट पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे. ब्रीथ एनालाइजर के जरिए वाहन चालकों की जांच होगी.
- यदि किसी को शराब पीकर वाहन चलाते पकड़ा गया तो थाने में ही दिन गुजारना पड़ेगा. इसके साथ ही रैश ड्राइविंग करने वालों पर लगाम कसने के लिए फ्लाइंग स्क्वाड बनाए गए हैं. यह दस्ता अलग-अलग मार्गों पर गश्त करेगा. यदि किसी को रैश ड्राइविंग करते पकड़ा गया तो चालान के साथ-साथ धारा 336 के तहत एफआईआर की जाएगी और न्यायालय में मामला चलेगा.
- किसी भी तरह का विवाद न हो इसीलिए ट्रैफिक विभाग के सभी कर्मचारी बॉडी वॉर्न कैमरा पहनकर कार्रवाई करेंगे.

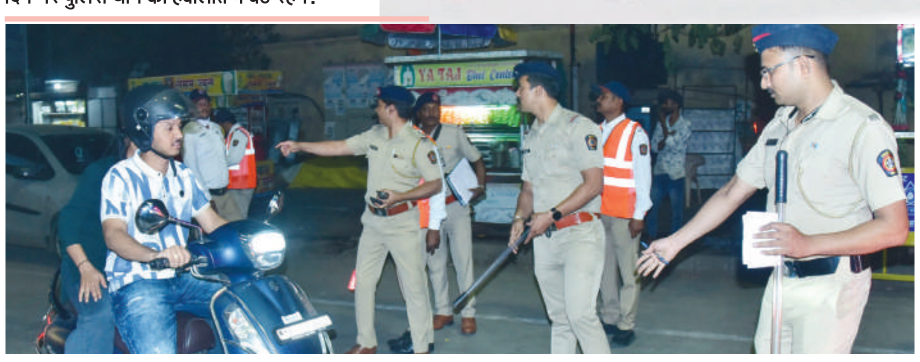

कोई छेड़े तो 1091 पर करें कॉल

किसी भी हालत में बिना अनुमति किसी महिला या युवती को रंग न लगाए. सभी गर्ल्स हॉस्टल के सामने थाने के बीट मार्शल गश्त करेंगे. महिलाओं की सुरक्षा पुलिस के लिए प्राथमिकता है. 112 के अलावा महिलाएं किसी भी तरह की परेशानी होने पर 1091 पर महिला दामिनी दस्ते से मदद मांग सकती है. वाहन चालकों को गुब्बारे मारने वालों के खिलाफ भी एक्शन लिया जाएगा. इससे वाहन का संतुलन बिगड़ सकता है और दुर्घटना हो सकती है.

999 स्थानों पर होगा होलिका दहन

होलिका दहन के साथ ही तैयारियां शुरू हो जाएंगी. इस बार 999 स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा. पिछले वर्ष सार्वजनिक आयोजनों की संख्या 921 थी. इस बीच, कार्यक्रम के आयोजकों को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं. बिजली के तारों के पास होली न जलाएं. पानी आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दे दिए गए हैं. रमजान माह और जुमे की नमाज को ध्यान में रखते हुए धार्मिक स्थलों पर सशस्त्र पुलिस बल तैनात किए गए हैं.

मां के सामने बेटे की निर्मम हत्या

छोटे भाई ने हसिया से गला रेतकर भाई को उतारा मौत के घाट

कलमना के गुलशन नगर में हड़कंप

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. रात के खाने के बाद, बुढी मां घर के आंगन में बगल में रहने वाली अपनी पोती से बात कर रही थी. इसी बिच, मां ने छोटे बेटे को खाने के लिए कहा. इस बात से क्रोधित होकर छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की हत्या कर दी. छोटे भाई ने हसिया से बार-बार प्रहार कर बड़े भाई को खून से लथपथ कर मौत के घाट उतार दिया.

यह हृदय विदारक घटना मां की आंखों के सामने घटी.

जब यह सब हो रहा था तब मां ने चिख पुकार कर हत्या को रोकने की कोशिश की. हालांकि, इसका कोई फायदा नहीं हुआ. अंततः बड़े बेटे ने अपनी मां के आंखों के सामने अंतिम सांस ली. यह चौंकाने वाली घटना मंगलवार रात कलमना थाना क्षेत्र में सामने आई. मृतक का नाम राजू कुंभलाल यादव (30) है.

इस मामले में पुलिस ने मां की शिकायत के आधार पर बेटे विजय यादव (23) के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर किया है.

जानकारी के अनुसार, गुलशन-नगर निवासी रमा यादव (60) के 3 बेटे और 1 बेटी है. रमा इनकी लड़की बगल में ही रहती है. मृतक राजू मजदूर था, जबकि दुसरा बेटा राजेश कलमना बाजार में एक मिर्च व्यापारी के पास काम करता था. सबसे छोटा बेटा विजय बस मोहल्ले में घूमता रहता और आवारागर्दी करता था. मंगलवार रात 11 बजे घर पर सभी लोग थे. रमा अपनी पोती के साथ रात का भोजन करते हुए बातचीत कर रही थी. राजू भी उनके साथ भोजन करने के बाद बैठा था. इस समय विजय घर आ गया. राजू ने उसे भोजन कर लेने की बात कही. इससे नाराज विजय ने उसके साथ गाली-गलौज की. विवाद बढने के बाद अचानक विजय क्रोधित होकर जोर-जोर से चिल्ला रहा था और विजय को गालियां दे रहा था. इससे दोनों भाई आमने सामने आ गए. जब बहस बढ़ने लगी तो विजय रसोई से एक हसिया से राजू पर हमला बोल दिया. विजय ने हसिया से राजू की छाती और सिर पर बार-बार प्रहार कर बड़े भाई को खून से लथपथ कर मौत के घाट उतार दिया.

इसबिच बेटो को लडता देख मां चीखने लगी और पोती भी रोती हुई घर चली गई. उसने घर जाकर पिता को बुला लिया. राजू को घायल अवस्था में मेयो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना मिलने पर कलमना पुलिस की एक टीम मेयो अस्पताल पहुंची. परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद शिकाय-तकर्ता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. आरोपी विजय को कुछ ही देर में गिरफ्तार कर लिया गया. उसे अदालत में पेश किया गया. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.

यूनिसेक्स सैलून के आड़ जिस्मफरोशी

प्रतापनगर में क्राइम ब्रांच का छापा, 2 अरेस्ट

गरीबी के चलते देह व्यापार में फंसी 2 पीड़ितों को छुड़ाया

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. बीते कुछ समय से शहर में स्पा सेंटर्स की बाढ़ आ गई है. हर गली-मोहल्ले में स्पा सेंटर खुलने लगे हैं. कई स्पा सेंटर्स तो मोहल्लों के बीचबीच इस तरह से खोले जाते हैं मानो वहां कोई सीक्रेट काम किया जाता है. यही वजह है कि पुलिस इन स्पा सेंटर्स पर पैनी नजर रखती है. जहां शक होता है, वहां तत्काल छापा मार देती है. मंगलवार रात क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रतापनगर स्थित एक्सेल यूनिसेक्स सैलून पर छापा मारकर देह व्यापार करने वाले 2 आरोपियों को अरेस्ट किया. दोनो आरोपियों ने पीड़ितों महिलाओं को पैसों का लालच देकर इस धंदे में उतारा. ग्राहकों से पैसे लेकर वह पीड़ितो से देह व्यवसाय आरोपी करवाते थे. पुलिस ने पीड़ितो कों अपने कब्जे में ले लिया है. गिरफ्तार आरोपियों के नाम भारत प्यारेलाल कश्यप (35, वेंकटेश-नगर, खामला) और संजय उमाजी आष्टीकर (तकीया, धंतोली) हैं. जानकारी के अनुसार, सैलून में काम करने वाली पीड़िता प्रति माह 10 से 12 हजार रुपये कमाती हैं. हालांकि, दोनों को पैसो का प्रलोभन देकर सैलून के आड़ वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेला गया था. एक्सल सैलून में एक 27 वर्षीय विवाहित महिला और एक 24 वर्षीय युवती को पुलिस ने छुडाया. दोनों नागपुर की रहने वाली है.

सौदा 6 हजार पर मिलते थे 1 हजार

विवाहित महिला का एक बेटा है और उसका पति उसे छोड़ चुका है. हालांकि, लड़की की खराब आर्थिक स्थिति के कारण, उसने ब्यूटीशियन का पेशा अपना लिया. इसी वजह से आर्थिक प्रलोभन के कारण वह वेश्यावृत्ति के दलदल में फंस गई. दिलचस्प बात यह है कि 6 हजार रुपये में सौदा तय होने के बाद पीड़ितों को केवल 1 हजार रुपये मिलते थे. इस तरह उनका शारीरिक और आर्थिक शोषण किया गया. पुलिस जांच के दौरान चौंकाने वाली जानकारी सामने आई. मंगलवार शाम क्राइम ब्रांच की एक टीम प्रतापनगर थाना क्षेत्र में गश्त पर थी. इस समय, पत्रकारों से प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर उन्होंने श्री गणेश अपार्टमेंट, पन्नासे लेआउट, सावरकर चौक स्थित एक्सेल यूनिसेक्स सैलून पर छापा मारा. यहां आरोपी भरत कश्यप और संजय आष्टीकर अपने आर्थिक लाभ के लिए वेश्यावृत्ति का धंधा चलाते पाए गए. आरोपियों ने युवा पीड़ितों को पैसे का लालच देकर वेश्यावृत्ति में धकेल दिया. ग्राहकों और व्यवसायों के लिए जगह उपलब्ध करानी थी. इस अभियान में पुलिस ने पीड़ितों को बचाया. इस कार्रवाई आरोपियों के कब्जे से 2 मोबाइल फोन, 19 हजार 600 रुपये की नकदी ऐसा कुल 75 हजार 630 रुपये मूल्य की अन्य सामग्री जब्त की गई. आरोपियों के खिलाफ अनैतिक तस्करी निवारण अधिनियम की धारा 3, 4, 5, 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है. आरोपी को जब्त सामान के साथ प्रतापनगर पुलिस को सौंप दिया गया है.

आज होगी मूर्खाधिपति और मूर्खाधिराज की ताजपोशी

माहेश्वरी पंचायत का होली मिलन कार्यक्रम

नागपुर. पंचायत का बहुप्रतिक्षित और सबसे हटकर होनेवाला होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार संध्या 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक सीताबर्डी स्थित माहेश्वरी पंचायत भवन में आयोजित होगा. विगत कई वर्षों से होते आ रहे इस अनूठे कार्यक्रम में समाज से 2 विशिष्ठ व्यक्तियों को सम्मान स्वरूप मूर्खाधिपति और मूर्खाधिराज की अति विशिष्ट उपाधियों से विभूषित किया जाता है. साथ ही समाज के प्रखर सदस्यों को भी सम्मान देते हुए व्यंगात्मक तरीके से मजेदार शीर्षक दिये जाते है.

इस वर्ष के कार्यक्रम में स्वप्निल भूतड़ा संयोजक तथा राघव सांवल को सहसंयोजक एवं संगीता भट्टड इन्हें सहसंयोजिका नियुक्त किया गया है. पंचायत के अध्यक्ष वीरेन्द्र चांडक और सचिव अधि. योगेश सांवल ने संस्था के सारे सदस्यों से सपरिवार इस कार्यक्रम में आने का सानुग्रह किया है. कार्यक्रम को सफल बनाने में माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा/सचिव स्वाति चांडक एवं सुनीता कलंत्री और माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से अध्यक्ष/सचिव शैलेश मोकाती एवं सीए अखिल राठी की पूरी टिम की ओर से विशेष प्रयत्न किये जा रहे है. कार्यक्रम के उपरान्त स्वादिष्ट भोजन और होली स्पेशल ठण्डाई की व्यवस्था की गई है. उपरोक्त जानकारी संस्था की ओर से विनोद चांडक ने दी.

आंखों में मिर्ची झोंककर लूटपाट

11.40 लाख रुपयों से भरा बैग लेकर 3 बदमाश फरार

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. उपराजधानी में बैग लिफ्टरों के फिर एक बार हौंसले बुलंद हो गए हैं. लकडगंज थाना क्षेत्र के घास बाजार के पास बुधवार दोपहर 3 बदमाशों ने दोपहिया सवार मेटल व्यापारी के कर्मचारी से लूटपाट की. मोपेड से आए बदमाशों ने पिछा कर पहले कर्मचारी की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया. कर्मचारी खुद को संभाल रहा था कि बदमाशों ने उस पर हमला कर उसकी बैग छिनकर भाग निकले. बैग में 11.40 लाख रुपये की नकदी थी. दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस भी सकते में आ गई. इस मामले में पुलिस ने शेख मुजफ्फर उर्फ गुड्डू (48, टिमकी) की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, गुड्डू तिन्नल चौक स्थित प्रतवी मेटल के संचालक किरण चिंचलापुरे के लिए काम करते है. बुधवार को दोपहर लगभग 3:30 बजे किरण ने टेलीफोन एक्सचेंज चौक स्थित एच-डीएफसी बैंक शाखा से 11.40 लाख रुपये निकाले. किरण ने सारी नकदी एक बैग में रखी और गुड्डू को दुकान पर पहुंचाने के लिए कहा. गुड्डू दोपहिया वाहन पर बैठ कर दुकान की ओर चल दिए. घास बाजार रोड स्थित हिंदुस्तान विद्यालय के पास पीछे से आए मोपेड सवार 3 अज्ञात आरोपियों ने गुड्डू इनकी आंख में मिर्ची पावडर झोंक दिया. आंखों में जलन के कारण गुड्डू इन्होंने जैसे ही वाहन रोका, आरोपियों ने उसे घेर लिया और पीटना शुरू कर दिया. घातक हथियार की नोक पर एक आरोपी ने पैसों से भरा बैग गुड्डू इनसे छीन लिया. इसके बाद आरोपियों ने गुड्डू को जान से मारने की धमकी देते हुए वे फरार हो गए.

घटना CCTV में कैद

वहीं गुड्डू ने घटना की जानकारी मालिक को दी. लकड़गंज पुलिस मौके पर पहुंची. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त रविन्द्र कुमार सिंघल और पुलिस उपायुक्त महक स्वामी भी मौके पर पहुंचे. क्राइम ब्रांच की टीमें भी बुलाई गईं. घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई तो तीनों आरोपी नजर आए. लेकिन उनके चेहरे स्कार्फ से ढके हुए थे. एक आरोपी का चेहरा दिख रहा है. लेकिन अस्पष्टता के कारण पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी. पुलिस को संदेह है कि यह घटना एक गुप्त सूचना के आधार पर घटित हुई. आरोपी बैंक के समय से ही गुड्डू का पीछा कर रहे थे. लकड़गंज पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें आरोपियों की तलाश कर रही हैं. हालांकि, आरोपियों के बारे में अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है.

परेशानी घरकुल योजना के लाभार्थियों को नहीं मिल रहे प्रमाणपत्र

आंबाड़ी ग्रांप में सरपंच-सचिव की मनमानी

संवाददाता

कुही/उमरेड. हर किसी को पक्का आशियाना मिले इस महत्वाकांक्षा के साथ सरकार ने घरकुल योजना की जोर शोर के साथ शुरुआत की. लेकिन कुछ अधिकारी धड़ल्ले से सरकार के संकल्प को सेंध लगाने का काम कर रहे है. ऐसा ही एक मामला आंबाड़ी ग्रामपंचायत में सामने आया है. आंबाड़ी ग्रामपंचायत के सरपंच और सचिव की मनमानी इसकदर भारी पड़ रही है की घरकुल के प्रमाणपत्र के लिए लाभार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. पिछले एक साल से घरकुल का प्रमाणपत्र देने के लिये टालमटोल का रवैया अपनाया जा रहा है. इतना ही नहीं तो यह जानकारी भी सामने आयी है की खंड विकास अधिकारी डॉ. स्वप्नील मेश्राम से संपर्क करने पर उन्होंने भी इस मामले में अपने हाथ खड़े कर दिए है.

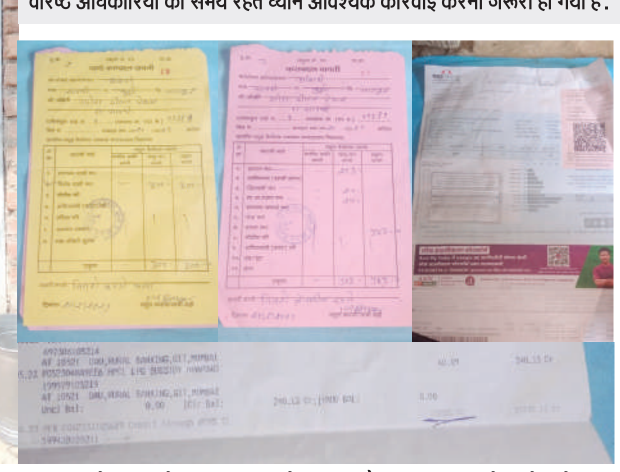

ग्रामीण क्षेत्र में योजना का नहीं मिल रहा लाभ

घरकुल योजना के तहत सरकार से मकान निर्माण के लिये चरणबध्द तरीके से अनुदान उपलब्ध कराया जाता है. इस प्रक्रिया में लाभार्थी का नाम घरकुल योजना की सूची में आने बाद वह निर्माण कार्य शुरू कर देता है. सरकार की ओर से मकान के निर्माण कार्य के लिये किश्त निहाय योजना के तहत मंजूर अनुदान उपलब्ध कराया जाता है. ऐसे में लाभार्थी को ग्रामपंचायत के सरपंच और सचिव के जरिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है. ऐसे में लाभार्थी को योजना का लाभ दिलाने के लिये सरपंच और सचिव को आवश्यक मदद करना अनिवार्य है. इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्र में लाभार्थियों को परेशान होना पड़ रहा है. इस ओर वरिष्ठ अधिकारियों को समय रहते ध्यान आवश्यक कार्रवाई करना जरूरी हो गया है.

अपनी जमापूंजी से घरकुल का किया निर्माण कार्य : आंबाड़ी ग्रामपंचायत में सरपंच और सचिव की मनमानी चल रही है. घरकुल के प्रमाणपत्र के लिए ये आम नागरिकों को पिछले एक साल से टलाया जा रहा है. सावली गांव के गणेश पेंदाम, मंगेश पेंदाम, शाहिस्ता शेख ये वो नाम है जिन्हें घरकुल योजना का लाभ मिला है. जिन्होंने अपने सपने के मकान के निर्माण कार्य पर अपनी जमापूंजी लगा दी. लेकिन प्रमाणपत्र के लिए आंबाड़ी ग्रामपंचायत के सरपंच योगेश गोरले और सचिव दिपांशु जुमडे पिछले एक साल से उन्हें घूमा रहे है. और जब घरकुल योजना के विषय में खंड विकास अधिकारी डा. स्वप्निल मेश्राम से संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने इस मामले से भागने की कोशिश की. और कह रहे हैं कि सचिव और यह खंड विकास अधिकारी इस योजना में देरी के लिए जिम्मेदार नहीं हैं. इस तरह खुद को पूरी तरह बचाने का प्रयास इन गैरजि-म्मेदाराना अफसरों ने किया है.

नेताजी भूलने लगे अपने वादे, अधिकारी उदासीन

गौरतलब है की सरकार ने इसी उम्मीद के साथ घरकुल योजना शुरू की थी कि प्रत्येक गरीब व पात्र व्यक्ति के रहने के लिए पक्का आशियाना हो. वहीं गरीब भी यहीं उम्मीद लगाए बैठें हैं कि उन्हें रहने के लिए सिर पर पक्की छत मिलेगी. लेकिन सच तो यह हैं कि आज भी गरीब व पात्र व्यक्ति तो योजना का लाभ लेने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं. लोकतंत्र की बुनियाद तब हिलने लगती है जब जनता के साथ किए वादे नेताजी भूलने लगे. सरकारी महकमे में बैठे जब उच्च अधिकारी अपने कामकाज से जी चुराने लगते है. तो आम जनता आखिर करे तो क्या करे.

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका

केएल राहुल ने ठुकराया कप्तानी का ऑफर !

मुंबई. पिछले दिनों आईपीएल मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने भारी-भरकम राशि खर्च कर केएल राहुल को अपने साथ जोड़ा. दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल को 14 करोड़ रुपए में खरीदा. इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपने कप्तान ऋषभ पंत को रिलीज कर दिया था. जिसके बाद माना जा रहा था कि दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को अपना कप्तान बनाएगी. लेकिन आईपीएल सीजन शुरू होने से पहले बड़ी जानकारी सामने आ रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान नहीं होंगे. ऐसा कहा जा रहा है कि केएल राहुल ने खुद कप्तानी से इनकार कर दिया है.

अब अक्षर पटेल पर जिम्मेदारी

हालांकि, अब तक अधिकारी सामने नहीं आई है. केएल राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी क्यों ठुकराई, इस पर लगातार कयासों का दौर जारी है. बहरहाल, ऐसा माना जा रहा है कि केएल राहुल के बाद दिल्ली कैपिटल्स ऑलराउंडर अक्षर पटेल को कप्तानी का जिम्मा सौंप सकती है. हालांकि, यह देखना मजेदार होगा कि दिल्ली कैपिटल्स किसे अपना कप्तान चुनती है. इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे, लेकिन आईपीएल मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने ऋषभ पंत को रिलीज कर दिया. आईपीएल मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऋषभ पंत को अपने साथ जोड़ा.

दिल्ली कैपिटल्स को पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार

बहरहाल, दिल्ली कैपिटल्स को पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार है. अब तक दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल टाइटल जीतने में नाकाम रही है. वहीं, इस सीजन दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान का आगाज 24 मार्च को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करेगी. इससे पहले हैरी ब्रूक ने दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका दिया. दरअसल, हैरी ब्रूक ने सोशल मीडिया पोस्ट कर कहा कि वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए नहीं खेलेंगे. आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के बजाय हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड नेशनल टीम को अपनी प्राथमिकता बताई.

ऑस्ट्रेलिया की वजह से टला रोहित का संन्यास !

रिकी पोंटिंग ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली . टीम इंडिया ने हाल ही में रोहित शर्मा की कप्तानी में दूसरा आईसीसी खिताब अपने नाम किया है . चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले रोहित को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थी कि इस टूर्नामेंट के बाद भारतीय कप्तान वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगे, लेकिन रोहित ने अपने बयान से इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है . रोहित वनडे फॉर्मेट आगे भी खेलते नजर आएंगे . वहीं अब रोहित के बयान के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग का रिएक्शन सामने आया है . रिकी पोंटिंग ने आईसीसी से बातचीत करते हुए बताया कि मुझे लगता है कि उन्होंने जो कहा, उसका मतलब है कि उनके दिमाग में अगला वनडे विश्व कप खेलने का लक्ष्य होना चाहिए . मुझे लगता है कि शायद यह तथ्य है कि वे पिछला वनडे विश्व कप का फाइनल हार गए थे और वह कप्तान थे, शायद यही बात उनके दिमाग में चल रही होगी .आगे पोंटिंग ने बताया कि "जब आप अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंचने लगते हैं, तो हर कोई आपके रिटायर होने का इंतजार कर रहा होता है . मुझे नहीं पता कि क्यों, जब आप अभी भी उतना ही अच्छा खेल सकते हैं जितना उन्होंने फाइनल में खेला, तो मुझे लगता है कि वह बस उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे .

गंभीर ने तैयार किया 'रोडमैप'

IPL 2025 के दौरान करेंगे यह बड़ा काम

नई दिल्ली . भारतीय क्रिकेट टीम अभी दुबई में तिरंगा लहरा कर आई है . उसने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता है . अब अगले करीब 2 महीने तक टीम इंडिया को कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलना है, क्योंकि 22 मार्च–25 मई तक पूरा भारतवर्ष IPL 2025 के रोमांच का आनंद ले रहा होगा . इस बीच खबर सामने आई है कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड रवाना होने वाले हैं . बता दें कि जून–जुलाई के महीने में भारत को इंग्लैंड के साथ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है . टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक 20 जून को भारत–इंग्लैंड टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले गौतम गंभीर 'इंडिया ए' टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करके आएंगे . यह गौर करने वाली बात है कि इंडिया ए टीम के पास कोई कोच नहीं है, ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि गौतम गंभीर केवल एक समीक्षक के रूप में 'इंडिया ए' टीम के साथ जाएंगे या फिर वीवीएस लक्ष्मण इस टीम के कोच होने का पदभार संभालेंगे . बताते चलें कि लक्ष्मण अभी नेशनल क्रिकेट अकादमी में हेड ऑफ क्रिकेट के पद पर कार्यरत हैं . गंभीर यदि इंग्लैंड जाते हैं तो यह किसी विदेशी दौरे पर पहली बार होगा जब 'इंडिया ए' के साथ सीनियर टीम का कोच मौजूदा रहेगा .

रोडमैप तैयार कर रहे गौतम गंभीर

TOI अनुसार सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस आने के बाद गौतम गंभीर लगातार BCCI अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं. गंभीर ने खुद 'इंडिया ए' टीम के साथ इंग्लैंड जाने की इच्छा जाहिर की है, जिससे उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों का भी एक आइडिया मिल सके. इसके अलावा गंभीर ने अभी से अगले 2 साल का रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है. बता दें कि अगले 2 साल के भीतर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और 2027 ODI वर्ल्ड कप भी खेला जाना है.

स्वितोलिना, एंड्रीवा, स्वीयाटेक इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली. यूक्रेन की 23वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बारिश का सामना करते हुए 5-7, 6-1, 6-2 से नंबर 4 वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला को हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. पूर्व इंडियन वेल्स सेमीफाइनलिस्ट ने अपनी शुरुआती असफलताओं को भुलाकर मैच को अपने पक्ष में मोड़ दिया और अंतिम 15 गेम में से 12 गेम जीतकर अपने 21वें डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जो 2021 के बाद से उनका पहला मैच था. कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में धुंध भरे दिन पर, स्वितोलिना और पेगुला को तीसरे सेट के पहले गेम के बाद बारिश के कारण लंबे समय तक खेल में देरी का सामना करना पड़ा. यह स्वितोलिना ही थी जो बीच में अपनी आंखों में आग लेकर वापस आई. उसने पेगुला को पीछे धकेल दिया और जीत के साथ आगे निकल गई. पेगुला ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्टिन खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स में प्रवेश किया, लेकिन स्वितोलिना शीर्ष पर रही, जिसने अपने करियर की आठ भिड़ंत में पेगुला पर अपनी तीसरी जीत हासिल की. स्वितोलिना, जो 2019 के बाद पहली बार टेनिस पैराडाइज में क्वार्टर फाइनल में है, का सामना मीरा एंड्रीवा से होगा, जिसने तीन सप्ताह में दूसरी बार एलेना रिबाकिना को 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. 17 वर्षीय रूसी एंड्रीवा का रेगिस्तान में यह सफर दुबई चैंपियनशिप में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के तुरंत बाद शुरू हुआ, जिसने उन्हें 2007 के बाद से शीर्ष 10 में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बना दिया. इससे पहले, इगा स्वीयाटेक ने 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.

पोल ने तीन राउंड में केवल छह गेम गंवाए हैं, जो मोनिका सेलेस के इंडियन वेल्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के दौरान सबसे कम गेम गंवाने के रिकॉर्ड की बराबरी करता है, जिसमें कम से कम तीन मैच खेले गए हैं. इस प्रक्रिया में, स्वीयाटेक तीन इंडियन वेल्स ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने की अपनी दावेदारी को और मजबूत कर रही हैं, और 1991 में मार्टिना नवरातिलोवा के बाद से यहां खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली महिला बनेंगी. 1989 में इस आयोजन के उद्घाटन के बाद से, मोनिका सेलेस ने इंडियन वेल्स में महिला एकल खिताब के लिए सबसे कम गेम गंवाए हैं, 1992 में (पांच मैचों में) केवल 12 गेम गंवाए थे. अगर किसी खिलाड़ी के पास इस अविश्वसनीय उपलब्धि की बराबरी करने का मौका है, तो वह स्वीयाटेक ही होंगी.

अल्कारेज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में लगातार 14वां मैच जीता

मुंबई. कार्लोस अल्कारेज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपना लगातार 14वां मैच जीता, जब उन्होंने मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इंडियन वेल्स ओपन के चौथे दौर में जगह बनाने के लिए डेनिस शापोवालोव को 6-2, 6-4 से हराया.दो बार के गत विजेता अल्काराज ने अपने 14 मैचों की जीत के क्रम में सिर्फ दो सेट गंवाए हैं. एटीपी स्टैट्स के अनुसार, उन्होंने अपने सामने आए चार ब्रेक पॉइंट में से तीन को बचाया और अपने आठ अवसरों में से चार को भुनाया. शापोवालोव ने इस सत्र में 10-4 के प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, जिसमें फरवरी में डलास में अपना पहला एटीपी 500 खिताब जीतना भी शामिल है. फिर भी अल्कारेज ने पूरी कमान संभाली और सिर्फ छह गेम हारकर 83 मिनट में कनाडाई खिलाड़ी को हराया.

अल्काराज ने जल्द ही 5-0 की बढ़त ले ली. हालांकि शापोवालोव ने अपनी लय पाई , लेकिन हाल ही में डलास ओपन चैंपियन विजेता को कभी भी मुश्किल में नहीं डाल पाया और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एक घंटे और 24 मिनट में आगे बढ़ गया.

एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार अल्काराज ने कहा, "मुझे पता है कि उसने सीजन की शुरुआत बहुत मजबूती से की, डलास में खिताब के साथ वास्तव में अच्छा टेनिस दिखाया, अकापुल्को में अच्छा टेनिस खेला, इसलिए मुझे पता था कि मुझे मैच की शुरुआत वास्तव में मज़बूती से करनी होगी, वास्तव में अपनी चीजों पर ध्यान केंद्रित करना होगा."

उन्होंने कहा, "अच्छी टेनिस खेलने की कोशिश करो, शुरुआत में अच्छी रैलियां करो ताकि अच्छी गति मिल सके, मैच में आ सकूं. मैंने देखा कि यह वास्तव में एक अच्छा और कठिन मुकाबला होने वाला था, इसलिए जिस तरह से मैंने मैच की शुरुआत की, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं." अपनी छठी एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने की कोशिश कर रहे दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी का अगला मुकाबला 14वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा.

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के लिए ट्रायल्स 15 मार्च को

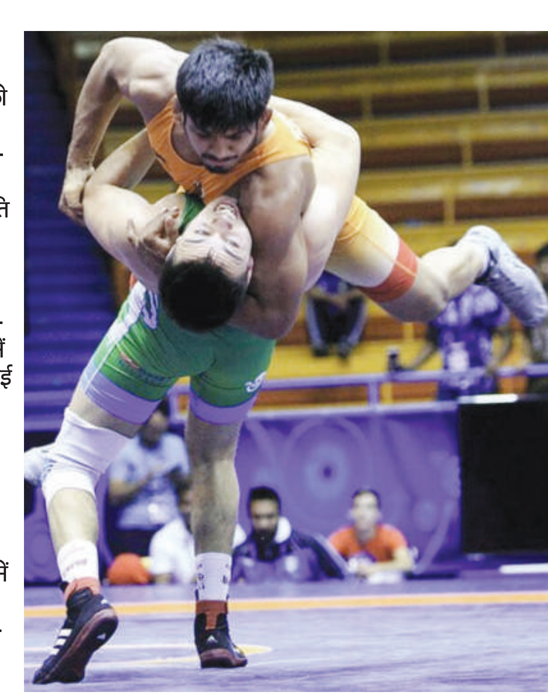

नई दिल्ली . जॉर्डन के अम्मान में 25 से 30 मार्च तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल 15 मार्च को दिल्ली के इंदिरा गांधी खेल परिसर में होंगे. भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में अपनी स्थिति बहाल होने के बाद बुधवार को यह घोषणा की. इसमें भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों का चयन करने के लिए ही ट्रायल्स होंगे. यह डब्ल्यूएफआई के नए प्रशासन की देखरेख में पहला चयन ट्रायल होगा. डब्ल्यूएफआई के नए पदाधिकारियों को चुनने के लिए 21 दिसंबर 2023 को चुनाव होने के तीन दिन बाद इसे निलंबित कर दिया गया था. डब्ल्यूएफआई के परिपत्र के अनुसार सभी श्रेणियों पुरुषों की फ्रीस्टाइल, महिलाओं की कुश्ती और ग्रीको रोमन शैली के लिए वजन ट्रायल्स के दिन ही होंगे. सभी प्रतिभागियों को वजन में दो किलो की छूट दी जाएगी. खेल मंत्रालय ने मंगलवार को डब्ल्यूएफआई का निलंबन हटा दिया था जिसके बाद प्रतियोगिताओं में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया.

इंडियन ओपन में रमित, अनाहत शीर्ष भारतीय प्रतिभाओं में शामिल

मुंबई. 24-28 मार्च को बॉम्बे जिमखाना में होने वाला 40,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाला इवेंट 2018 के बाद देश में शीर्ष स्क्वैश टूर्नामेंट की वापसी का प्रतीक है, जब मुंबई ने सीसीआई इंटरनेशनल – एक पीएसए वर्ल्ड टूर सिल्वर टूर्नामेंट की मेजबानी की थी. यह टूर्नामेंट बॉम्बे जिमखाना के इंडोर कोर्ट में आयोजित किया जाएगा, जिसमें क्वार्टरफाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के लिए फुल-ग्लास आउटडोर कोर्ट बनाया जाएगा, जो दर्शकों के लिए एक रोमांचक अनुभव होगा. भारत के नंबर 1 खिलाड़ी रमित ने कहा, "घर पर प्रतिस्पर्धा करना हमेशा खास होता है और भारत में जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन जैसे पीएसए इवेंट का होना इस खेल के लिए बहुत बड़ा बढ़ावा है. प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा है और यह भारतीय खिलाड़ियों के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ परखने का एक शानदार अवसर है. लॉस एंजेलिस 28 में स्क्वैश के ओलंपिक में पदार्पण के साथ, इस तरह के आयोजन गति बनाने और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण हैं."

पीएसए के सीईओ एलेक्स गॉफ ने भारत में पीएसए टूर्नामेंट की वापसी का स्वागत किया और इसे खेल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया. उन्होंने कहा, "घरेलू धरती पर विश्व स्तरीय आयोजनों की मेजबानी करने से न केवल भारतीय खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलती है, बल्कि इससे स्क्वैश पारिस्थितिकी तंत्र भी मजबूत होता है." भारत की महिला नंबर 2 अनाहत ने भी टूर्नामेंट के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए कहा, "भारत में शीर्ष स्तरीय पीएसए इवेंट लाना खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के लिए एक बड़ा बदलाव है.